THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

तीन आतंकियों की स्केच जारी : पांच लाख का इनाम घोषित

जम्मू, 27 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को डोडा जिले में एक कैप्टन समेत चार जवानों की हत्या के लिए जिम्मेदार तीन आतंकवादियों के स्केच जारी किए हैं। पुलिस ने तीनों के ऊपर पर 15 लाख रुपये का नकद इनाम घोषित किया। जम्मू क्षेत्र के डोडा में जून से कई आतंकी घटनाएं हुई हैं, जिसे सुरक्षा एजेंसियां पहाड़ी जिले में आतंकवाद को फिर से जिंदा करने के लिए पाकिस्तान स्थित आतंकी आकाओं की कोशिश के तौर पर देख रही हैं। डोडा में एक पुलिस प्रवक्ता ने तीन आतंकवादियों के स्केच जारी करते हुए कहा कि आतंकवादी जिले के ऊपरी इलाकों में विशेष रूप से देसा जंगल में घूम रहे हैं, जहां 16 जुलाई को आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान गोलीबारी में एक सेना कैप्टन और तीन जवान शहीद हो गए थे।

वर्ष-29 अंक : 126 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रवण कृ.8 2081 रविवार, 28 जुलाई-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✲ **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

नीति आयोग की बैठक छोड़कर निकलीं ममता बनर्जी

> *मैं बोल रही थी तो माइक बंद कर दिया*

> *सरकार बोली-आरोप झूठे, बोलने का पूरा मौका मिला*

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दिल्ली में चल रही नीति आयोग की बैठक बीच में ही छोड़कर बाहर निकल गईं। नीति आयोग की 9वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता पीएम मोदी कर रहे हैं। इसमें भाजपा और अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए हैं।

ममता ने बैठक का वॉकआउट करने की वजह बताते हुए कहा, बैठक में विपक्ष की ओर से सिर्फ मैं शामिल हुई थी। भाजपा के मुख्यमंत्रियों को बोलने के लिए 10 से 20 मिनट का समय दिया गया, जबकि मुझे केवल 5 मिनट मिले। ममता ने बताया, जब मैं पश्चिम बंगाल के मुद्दे पर बोल रही थी, तब मेरा माइक बंद कर दिया गया। मुझे अपनी पूरी बात नहीं रखने दी गई। क्या राज्य के मुद्दों को रखना गलत है। यहां मेरा और पश्चिम बंगाल के लोगों का अपमान किया गया। इधर, सरकार ने पश्चिम बंगाल सीएम के इन आरोपों को झूठा बताया है। पीआईबी फैक्ट चेक ने लिखा कि ममता को बोलने का पूरा मौका दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीति आयोग की मीटिंग में कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना हर भारतीय की महत्वाकांक्षा है।

और राज्य इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि वे सीधे लोगों से जुड़े हुए हैं। पीएम ने यह भी कहा कि यह दशक तकनीकी और जियो-पॉलिटिकल बदलावों के साथ-साथ अवसरों का भी है। देश को इनका फायदा उठाना चाहिए। अपनी नीतियों को इंटरनेशनल इंवेस्टमेंट के मुताबिक ढालना चाहिए। यह भारत को विकसित बनाने में मददगार है।

बैठक में इंडिया ब्लॉक के राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल नहीं हुए। इनमें एम के स्टालिन (तमिलनाडु), सिद्धरमैया (कर्नाटक), रेवंत रेड्डी (तेलंगाना), सुखविंदर सिंह सुक्खू (हिमाचल प्रदेश), पी. विजयन (केरल), हेमंत सोरेन (झारखंड), भगवंत मान (पंजाब) और अरविंद केजरीवाल (नई दिल्ली) शामिल हैं।

ममता बनर्जी ने बैठक से एक दिन पहले कहा था कि नीति आयोग खत्म करके, योजना आयोग को वापस लाओ। योजना आयोग, नेताजी सुभाष चंद्र बोस का आइडिया था। उन्होंने आगे कहा, ये सरकार आपसी लड़ाई में गिर जाएगी, इंतजार कीजिए। इस दौरे में मेरे पास ज्यादा समय नहीं है, इसीलिए किसी नेता से मेरी मुलाकात नहीं हो रही।

नीति आयोग की बैठक को लेकर घमासान

लोकतंत्र की भावना को आघात पहुंचा रहा सदन में अशोभनीय व्यवहार

सांसदों पर जमकर बरसे जगदीप धनखड़

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि राजनीतिक लाभ उठाने के लिए सदन की कार्यवाही के दौरान अशोभनीय व्यवहार लोकतंत्र की भावना को आघात पहुंचाता है। इस दौरान उन्होंने इस बात पर भी दुख जताया कि आजकल सदस्य दूसरों के विचारों को सुनने को बिल्कुल तैयार नहीं हैं।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम में नए राज्यसभा सदस्यों से कहा, आप दूसरों के विचारों से असहमत होने के लिए स्वतंत्र हैं। दूसरे के दृष्टिकोण को नजरअंदाज करना संसदीय परंपरा का हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ सदस्य अखबारों में जगह पाने की कोशिश करते हैं और सदन से बाहर निकलने के तुरंत बाद मीडिया में बयान देते हैं और लोगों का ध्यान खींचने के लिए सोशल मीडिया का भी इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा, कुछ सदस्य सदन में अपने भाषण से एक मिनट पहले आते हैं और भाषण खत्म होने के तुरंत बाद चले जाते हैं। आपकी उपस्थिति का मतलब यह नहीं है कि आप हिट-एंड-रन रणनीति अपनाएं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि संसद संवैधानिक मूल्यों और स्वतंत्रता का गढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कई बार समस्याएं आई हैं, लेकिन सदन के नेताओं ने बुद्धिमता का प्रयोग करते हुए रास्ता दिखाया है।

'16 कंपनियों के मसाले खाने लायक नहीं'

> *सब्जी मसालों में मिले कीड़े और पेस्टिसाइट्स* > *बिक्री पर रोक लगाई*

कानपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। जिन मसालों को आप खाते हैं, उनसे आपकी सेहत बिगड़ रही है। अशोक और भोला सब्जी मसाले समेत 16 कंपनियों के सैंपल जांच में फेल पाए गए हैं। यूपी खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) का कहना है-कंपनियों के कई प्रोडक्ट खाने लायक नहीं हैं।

दरअसल, एफएसडीए के अफसरों ने इसी साल मई में कानपुर में मसालों की कंपनियों पर छापा मारा था। 16 कंपनियों के अलग-अलग मसालों के 35 प्रोडक्ट के सैंपल लेकर जांच के लिए आगरा भेजे थे। इनमें से 23 की रिपोर्ट सामने आई है। इसमें पेस्टीसाइट और कीटनाशक (इंसेक्टिसाइड) की मात्रा काफी अधिक पाई गई। कीड़े भी मिले हैं। इसके बाद एफएसडीए ने मसालों के इन प्रोडक्ट्स की बिक्री पर रोक लगा दी है। गोल्डी मसाले के ब्रांड एंबेसडर अभिनेता सलमान खान हैं।

✲ गरम मसाला, बिरयानी और सांभर मसाला में मिली कमी :

मसालों की ज्यादातर कंपनियां कानपुर में हैं। एफएसडीए के अफसरों ने कानपुर की कंपनियों से सैंपल कलेक्ट किए थे। अशोक मसालों की दो कंपनियों के प्रोडक्ट में कमियां मिलीं। इनके प्रोडक्ट- धनिया पाउडर, गरम मसाला और मटर पनीर मसाला खाने योग्य नहीं मिले। इसी तरह भोला मसाले के प्रोडक्ट की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। लोकल लेवल पर बिकने वाली 14 अन्य कंपनियों के प्रोडक्ट में हानिकारक पदार्थ पाए गए हैं। इन कंपनियों के हल्दी पाउडर में भी पेस्टिसाइट्स मिला।

सहायक खाद्य आयुक्त संजय प्रताप सिंह ने बताया, कंपनियों के 23 नमूनों में कीड़े, दूषित पदार्थ (पेस्टिसाइड्स) मिला है। एमडीएच और एवरेस्ट मसालों के नमूने फेल होने के बाद शासन के निर्देश पर सैंपल लिए गए थे। खाद्य एवं औषधि विभाग ने मई में अभियान चलाकर शहर की 13 मसाला फैक्ट्रियों पर रेड की थी।

✲ कंपनियों को नोटिस भेजकर जवाब मांगा

उन्होंने बताया, अलग-अलग कारखानों से 35 सब्जी मसालों के नमूने लिए थे। सभी जांच के लिए लैब भेजे गए थे। अब खाद्य विभाग को जिन कंपनियों के मसालों के सैंपल फेल मिले हैं। उनके मालिकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जवाब संतोषजनक न होने पर सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। उनके खिलाफ एडीएम सिटी कोर्ट में वाद दायर किया जाएगा। इसके बाद सभी पर जुर्माना तय किया जाएगा। 16 सैंपल में खतरनाक कीटनाशक और 7 में माइक्रो बैक्टीरिया मिले हैं। पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में मसालों में जानलेवा बैक्टीरिया पाए गए हैं। साथ ही कार्बेंडाजिम भी मिला है, जिसका इस्तेमाल फफूंदी नियंत्रण के लिए होता है।

कुपवाड़ा में आतंकियों से मुठभेड़ में एक जवान शहीद

चार घायल; एक पाकिस्तानी ढेर

कुपवाड़ा, 27 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के त्रेहगाम इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच एक बार फिर मुठभेड़ का मामला सामने आया है। इस मुठभेड़ में चार जवान घायल बताए जा रहे हैं, जबकि एक जवान शहीद हो गया है। वहीं एक पाकिस्तानी को जवानों ने ढेर कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार 27 जुलाई की सुबह जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा के माछिल सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास वन क्षेत्रों में पाकिस्तानी बॉर्डर एक्शन टीम (बीएटी) के साथ मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में एक पाकिस्तानी मारा गया, जबकि चार जवान गोलीबारी में घायल हो गए और एक जवान शहीद हो गया।

एक जवान शहीद

अधिकारियों ने कहा, कुपवाड़ा सेक्टर के कुमकाडी इलाके में भारतीय सेना ने पाकिस्तानी बॉर्डर एक्शन टीम (बीएटी) की कार्रवाई को विफल कर दिया। पाकिस्तानी एसएसजी सहित 3-4 पाकिस्तानियों ने एलओसी में प्रवेश करने की कोशिश की। भारतीय सेना ने उन पर गोलीबारी की। इस कार्रवाई में एक पाकिस्तानी मारा गया, जबकि 4 जवान घायल हो गए। वहीं एक जवान शहीद भी हो गया है।"

हाल में बढ़ीं आतंकी घटनाएं

बता दें कि जम्मू क्षेत्र में एक बार फिर से आतंकवादी हमलों में वृद्धि देखी जा रही है। हालांकि पिछले कुछ महीनों से इलाके में शांति का माहौल था, जबकि अब एक बार फिर से यहां आतंकी घटनाएं बढ़ गई हैं। हाल ही में आतंकवादियों ने एक तीर्थयात्री बस पर हमला कर दिया था। इस हमले में नौ लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 40 घायल हो गए थे। इसके अलावा अक्टूबर 2021 में पुंछ और राजौरी के जुड़वां सीमावर्ती जिलों से आतंकवादी गतिविधियां फिर से सामने आईं। वहीं रियासी, कठुआ और डोडा में भी आतंकी घटनाएं बढ़ गई हैं। 2021 के बाद से जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी घटनाओं में 50 से अधिक सुरक्षाकर्मियों (ज्यादातर सेना से) सहित 70 से अधिक लोग मारे गए हैं।

अगर सदन में चेयरमैन नहीं होते

संजय सिंह का बीजेपी पर बड़ा आरोप

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी की सांसद द्वारा शुक्रवार को राज्यसभा में प्राइवेट बिल लाते ही हंगामा मच गया। इस मसले पर आप सांसद संजय सिंह ने बीजेपी पर शनिवार को हमला बोला है। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया है कि वो पिछड़ों, दलितों व आदिवासियों के खिलाफ हमेशा थी और हमेशा रहेगी।

आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा, कल जिस तरह से सदन में बीजेपी के सांसदों ने दादागिरी की है वह बीजेपी का बदसलूकी वाला रवैया दिखा रहा था। कल तो ऐसी स्थिति आ गई थी कि सदन में हमें लगा की मारपीट की नौबत आ जाएगी। अगर सदन में चेयरमैन नहीं होते तो मेरे साथ मारपीट की नौबत भी आ सकती थी।

ओबीसी को जनसंख्या के हिसाब से मिले आरक्षण

उन्होंने कहा कि सपा की सांसद द्वारा ओबीसी आरक्षण का बिल लाना बीजेपी को इतना नागवार गुजरा।

सपा सांसद ने प्राइवेट मेंबर बिल के जरिए मांग की थी कि ओबीसी को जनसंख्या के हिसाब से आरक्षण मिले। बीजेपी ने इस बिल पर इतना हंगामा किया कि सदन को एक घंटे के लिए स्थगित करना पड़ा। इस पर संजय ने कहा कि जब तक मैं सदन में हूं, किसी भी विपक्षी पार्टी के सदस्य के साथ गलत नहीं होने दूंगा और बोलता रहूंगा। आप सांसद संजय सिंह ने शनिवार को कहा, कांग्रेस सांसद नीरज डांगी (राज्यसभा में) जो दलित समुदाय से हैं, उनके साथ जो हुआ, उससे बीजेपी का दलित-विरोधी और आदिवासी-विरोधी चेहरा सबके सामने आ गया है। बीजेपी पिछड़े लोगों से इतनी नफरत क्यों करती है? वे जाति जनगणना क्यों नहीं करवाना चाहते?

घर लौट रहा था 13 साल का किशोर, ऑटोरिक्शा चालक ने उठाया फायदा आरोपी की तलाश में जुटी मुंबई पुलिस

ठाणे, 27 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में पुलिस एक ऑटोरिक्शा चलाक की तलाश में जुटी हुई है। दरअसल, आरोपी ऑटोरिक्शा चालक ने एक 13 साल के नाबालिग किशोर के साथ यौन शोषण किया, जब वह अपने घर लौट रहा था। घटना 23 जुलाई की बताई जा रही है।

मुंबई के मुलुंड में रहने वाला 9वीं कक्षा का छात्र पीड़ित अपनी स्विमिंग की क्लास लेने के लिए कलवा आया था। रबाले पुलिस थाने के सब-इंस्पेक्टर राजेंद्र चिट्टे ने बताया कि रात करीब 9.45 बजे जब वह ऑटोरिक्शा से घर लौट रहा था, तो ऑटोरिक्शा चालक ने विटावा पेट्रोल पंप के पास गाड़ी रोक दिया और उसका यौन शोषण किया।

शाह के 'भ्रष्टाचार का सरगना'

बयान पर शरद पवार का पलटवार वे गलत शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं

पुणे, 27 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीते दिनों पुणे में शरद पवार को भ्रष्टाचार का सरगना कहा था। शाह के इस बयान पर अब शरद पवार ने पलटवार किया है। शरद पवार ने कहा कि अमित शाह इस देश के गृह मंत्री है। मेरे बारे में उन्होंने कुछ बातें कहीं। उन्होंने मुझे देश के जितने भ्रष्टाचारी हैं, उनका सूबेदार कहा था। अजीब बात है। अमित शाह देश के गृह मंत्री हैं। एनसीपी चीफ ने आगे कहा कि जब वो गुजरात में थे तो कानून का गलत इस्तेमाल करने के चलते सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें तड़ीपार कर दिया था। अब जिस आदमी को सुप्रीम कोर्ट ने तड़ीपार किया था उसे आज देश की होम मिनिस्ट्री की जिम्मेदारी दी गई है। इसलिए हमें सोचना पड़ेगा कि हम किस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। शरद पवार ने ये बातें संभाजी नगर में एक कार्यक्रम में कहीं।

अमित शाह ने क्या कहा था?

पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शरद पवार पर बड़ा हमला बोला था। उन्होंने पवार को देश में भ्रष्ट लोगों का सरगना बताया था। शाह ने कहा था कि विपक्ष हम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाता है, लेकिन देश की राजनीति में भ्रष्टाचार के सबसे बड़े सरगना शरद पवार हैं। अगर किसी राजनेता ने सरकार में भ्रष्टाचार को संस्थागत बनाया तो वे शरद पवार थे और मुझे ये कहने में जरा भी संकोच नहीं है। वे हम पर क्या आरोप लगाएंगे, अब हम उन पर आरोप लगा रहे हैं।

शाह के बयान से भड़के एनसीपी नेता

अमित शाह के इस बयान पर उनके भतीजे ने चुप्पी साधे रखी लेकिन उनके गुट के नेताओं ने शाह के बयान पर आपत्ति जताई। पिंपरी चिंचवड से एनसीपी नेता विलास लांडे ने कहा कि शाह को इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए था। शरद पवार साहब पिछले 60 वर्षों से राष्ट्रीय राजनीति में हैं और उन पर भ्रष्टाचार का एक भी दाग नहीं है। बीजेपी को शरद पवार के बारे में ज्यादा न बोलकर अपनी गलती सुधारनी चाहिए।

शाह के आरोपों पर क्या बोलीं सुप्रिया?

शरद पवार को 'भ्रष्टाचार का सरगना' बताए जाने पर एनसीपी नेता सुप्रिया सुले ने मोदी सरकार पर बड़ा पलटवार किया है। सुले ने कहा कि जिस शख्स पर गृह मंत्री आज भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं उन्हें इसी मोदी सरकार ने पद्म विभूषण से सम्मानित किया था। बीजेपी ने जिन लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं उनमें से अधिकतर नेता आज बीजेपी में हैं।

जिस बच्ची को जन्म दिया, उसे ही काट डाला, दिल्ली में मां बनी हैवान

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुंडका से दिलदहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक महिला ने अपनी 9 दिन की बच्ची की गला रेतकर हत्या कर दी है। हर कोई इस घटना से सदमे में है। घटना मुंडका के हरिदास कॉलनी की बताई जा रही है। गुरुवार को बच्ची के पिता गोविंदा साहनी ने पुलिस स्टेशन में पत्नी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और कहा कि उनकी पत्नी ने 9 दिन की बच्ची की गला रेतकर हत्या कर दी।

घटना की सूचना मिलते ही तुरंत एक टीम घटित की गई और घटना स्थल पर भेजी गई। पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि बच्ची का शव घर के सेकेंड फ्लोर के एक कमरे में पड़ा हुआ था जबकि उसकी मां दूसरे कमरे में थी। मां की उम्र 22 साल बताई जा रही है।

महाराष्ट्र में टला बड़ा हादसा

पटरी से उतरे मालगाड़ी के चार डिब्बे रेलवे के अधिकारी मौके पर मौजूद

पालघर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में पालघर के बोइसर रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी के चार डिब्बे पटरी से उतर गए। रेलवे के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। पटरी से उतरने की वजह से लोकल ट्रेनों पर कोई असर नहीं पड़ा है, वे समय पर चल रही हैं। इस बात की जानकारी सीपीआरओ, पश्चिमी रेलवे ने दी है। वर्तमान में बेपटरी हुई मालगाड़ी के डिब्बों को हटाने का कार्य चल रहा है। रेलवे द्वारा यह भी जांच की जा रही है कि मालगाड़ी कैसे बेपटरी हुई।

घटना की जानकारी मिलने के बाद रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे और आवश्यक कदम उठाए। पिछले एक सप्ताह में देश के विभिन्न हिस्सों में यात्री और मालगाड़ियों के डिब्बों के बेपटरी होने की कई घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं के मद्देनजर रेलवे ने इस बार के बजट में यात्री और माल सुरक्षा के लिए बड़ी धनराशि खर्च करने की योजना बनाई है। विशेष रूप से ट्रेनों की टक्कर की घटनाओं को रोकने के लिए कवच प्रणाली को देश भर की सभी रेल लाइनों पर विस्तारित किया जा रहा है। इसके अलावा, रेलवे ने ढांचागत विकास के लिए भी एक बड़ी योजना तैयार की है।

कौन हैं सीजेआई की बेंच में सबसे अलग फैसला देने वालीं जस्टिस नागरत्ना

36 दिन के लिए बनेंगी चीफ जस्टिस

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच कहा है कि खनिजों पर लगने वाली रॉयल्टी को टैक्स नहीं माना जा सकता। बेंच ने 8:1 के बहुमत से दिये अपने फैसले में कहा कि खनिज पदार्थों पर टैक्स लगाने की विधायी शक्ति राज्यों के पास है और इसपर दी जाने वाली रॉयल्टी कोई टैक्स नहीं है। 9 जजों की बेंच में जस्टिस बीवी नागरत्ना इकलौती जज थीं, जिन्होंने अलग फैसला दिया। जस्टिस नागरत्ना ने 193 पेज के अपने जजमेंट में कहा कि खनिजों पर दी जाने वाली रॉयल्टी टैक्स के नेचर की है। अगर राज्यों को खनिज पदार्थों पर टैक्स वसूलने की इजाजत दे दी जाए तो इससे राजस्व वसूलने की होड़ मच जाएगी। दरअसल, कई राज्य सरकारों और कंपनियों की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में कुल 86 याचिकाएं दायर की गई थीं। जिसमें सुप्रीम कोर्ट को तय करना था कि खनिज पदार्थों पर रॉयल्टी और खदानों पर टैक्स लगाने का अधिकार राज्यों के पास होना चाहिए अथवा नहीं। इस मामले में असहमतिपूर्ण फैसला देने वाली जस्टिस बीवी नागरत्ना पहले भी कई मामलों में डिसेंटिंग जजमेंट दे चुकी हैं। जस्टिस नागरत्ना चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बनने की कतार में भी हैं।

कौन हैं जस्टिस बीवी नागरत्ना

जस्टिस बीवी नागरत्ना 30 अक्टूबर 1962 को बेंगलुरु में जन्मीं। उन्होंने साल 1984 में दिल्ली यूनिवर्सिटी के जीसस एंड मैरी कॉलेज से बीए ऑनर्स (हिस्ट्री) की पढ़ाई की। इसके बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैंपस लॉ सेंटर में एलएलबी में दाखिला ले लिया। साल 1987 में एलएलबी की पढ़ाई पूरी करने के बाद बतौर एडवोकेट प्रैक्टिस शुरू की। साल 1987 से 1994 तक के केसवी एंड कंपनी के साथ काम करती रही। साल 1994 में इंडिपेंडेंट प्रैक्टिस शुरू की।

कब पहली बार बनीं जज?

जस्टिस नागरत्ना साल 2008 में पहली बार कर्नाटक हाईकोर्ट की जज बनीं। 18 फरवरी 2008 को उन्हें कर्नाटक हाईकोर्ट का एडिशनल जज नियुक्त किया गया। इसके बाद 17 फरवरी 2010 को कर्नाटक हाईकोर्ट की परमानेंट जज नियुक्त हुईं। जस्टिस नागरत्ना कर्नाटक ज्यूडिशल एकेडमी की अध्यक्ष और बेंगलुरु मेडिएशन सेंटर की प्रेसिडेंट भी रही हैं।

भारत की पहली महिला सीजेआई होंगी

जस्टिस बीवी नागरत्ना 31 अगस्त 2021 को सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त हुईं। वह चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया यानी सीजेआई बनने की कतार में भी हैं। जस्टिस नागरत्ना भारत की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश होंगी। हालांकि उनका कार्यकाल सिर्फ 36 दिनों का होगा। वह 24 सितंबर 2027 को सीजेआई बनेंगी और 29 अक्टूबर 2027 तक इस पद पर रहेंगी।

बटाला में मुठभेड़

पुलिस और गैंगस्टर के बीच फायरिंग, गोली लगने के बाद गिरफ्तार; ज्वेलर से मांगी थी रंगदारी

बटाला, 27 जुलाई (एजेंसियां)। बटाला पुलिस और एक गैंगस्टर के बीच शनिवार को मुठभेड़ हो गई। इस मुकाबले में दोनों तरफ से फायरिंग हुई। फायरिंग में गैंगस्टर के पैर में गोली लगी है, जिससे वह घायल हो गया। आरोपी को बटाला के सिविल अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। पुलिस के अनुसार गैंगस्टर बटाला में किसी केमिस्ट शॉप पर काम करता था। उसका काम धमका कर लोगों से रंगदारी मांगना और डर पैदा करने के लिए अपने शूटर द्वारा फायरिंग करवाना था। घायल की पहचान मलकीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस में आरोपी को गांव लोंगोवाल के खेतों से काबू किया है। एसएसपी बटाला ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ने श्री हरगोविंदपुर में एक ज्वैलर से रंगदारी की मांग की थी। इसके बाद उसने ज्वैलर की दुकान पर गोली चलवाई थी। शनिवार सुबह सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए चलाया।

'मजाक बनाकर रखा है', एमपी हाई कोर्ट के जज ने नर्मदापुरम कलेक्टर को क्यों लगाई फटकार?

नर्मदापुरम, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीणा पर नाराजगी जताई है। दरअसल जमीन से जुड़े एक मामले को लेकर हाई कोर्ट ने कलेक्टर को पेश होने के निर्देश दिए थे, लेकिन कलेक्टर खुद न पहुंचते हुए एडीएम के हाथों पर चिट्ठी भिजवा दी थी, जिस पर हाई कोर्ट के जज ने नाराजगी जताई है। हाई कोर्ट के जस्टिस जीएस अहलूवालिया ने कहा कि कोई भी अधिकारी अपनी बात सरकारी वकील के जरिए ही कोर्ट में रख सकता है। इस तरह सीधे जज को चिट्ठी नहीं भेज सकता है। जज अहलूवालिया ने कहा कि आखिर क्यों निर्देश के बावजूद कलेक्टर कोर्ट में हाजिर नहीं हुईं? बताया जा रहा है कि इस मामले में हाई कोर्ट ने नर्मदापुरम कलेक्टर पर कार्रवाई को लेकर आदेश सुरक्षित रखा है। हाई कोर्ट जस्टिस अहलूवालिया ने चिट्ठी लेकर आए एडीएम पर भी नाराजगी जताई। जज ने कहा कि एडिशनल कलेक्टर हैं तो उन्हें लगता था कि मेरी कलेक्टर हैं ये तो कुछ भी कर सकती हैं। मजाक बनाकर रखा हुआ है। जब डिप्टी एडवोकेट जनरल कलेक्टर की तरफ से बात कर रहा है और वो पीछे खड़े होकर मुझे कलेक्टर लेटर दिखा रहा है। जस्टिस अहलूवालिया ने कहा कि सीधे सस्पेंड करने का निर्देश देता हूं, फिर देखता हूं कि कैसे सीएस उसे रिमूव करते हैं। आप लोगों के अफसरों की इतनी हिम्मत बढ़ गई है कि आपको कुछ समझ नहीं आता। एडीएम समझते हैं कि अगर हाई कोर्ट जज को कलेक्टर ने लेटर लिख दिया तो सब कुछ हो गया।

दरअसल, नर्मदापुरम निवासी प्रदीप अग्रवल और नितिन अग्रवाल का जमीनी विवाद है। इसे लेकर प्रदीप अग्रवाल ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिस पर हाई कोर्ट के जस्टिस जीएस अहलूवालिया ने नामांकरण की प्रक्रिया नए सिरे से करने का आदेश दिया था। बावजूद नामांतरण की कार्यवाही न कर सिवनी मालवा तहसीलदार ने दूसरे पक्ष नितिन अग्रवाल से बंटवारे का आवेदन रिकॉर्ड में लेकर प्रक्रिया शुरू कर दी। जिसके चलते मामला दोबारा हाई कोर्ट पहुंचा। यहां याचिकाकर्ता के वकील सिद्धार्थ गुलाटी ने कोर्ट को बताया कि हाई कोर्ट का आदेश नामांतरण का था, जबकि तहसीलदार बंटवारा कर रहा है। इसे लेकर हाई कोर्ट ने सुनवाई की और नर्मदापुरम कलेक्टर को उपस्थित होकर जमीन के मामले को लेकर हुई कार्यवाही समझाने को कहा था। अब इस मामले में कलेक्टर सोनिया मीणा ने कहा वह पचमढ़ी में नागद्वार यात्रा और एक अगस्त से लगने वाले मेले की तैयारियों में हैं।

एक और खाकी वर्दी की राजनीति में एंट्री

अब महाराष्ट्र के पूर्व डीजीपी लड़ेंगे विधानसभा का चुनाव

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस से रिटायर हुए अधिकारियों की राजनीति में एंट्री अब आम हो चली है। पुलिस की नौकरी से वीआरएस लेकर यूपी सरकार में मंत्री बने असीम अरुण की गिनती बीजेपी के दिग्गज नेताओं में होती है। यूपी समेत कई राज्यों के पुलिस अधिकारी राजनीति में एंट्री करने को बेताब हैं। इसी बीच महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) संजय पांडे ने शुक्रवार को घोषणा की है कि वह मुंबई के वर्सोवा निर्वाचन क्षेत्र से राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ेंगे। पूर्व डीजीपी पांडे ने कहा कि वह लंबे समय से सक्रिय राजनीति में आने के बारे में सोच रहे थे, लेकिन इस बार उन्होंने तय किया है कि वह विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा, 'अब तक मैंने उस निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है, जहां मैं पिछले कई सालों से रह रहा हूं और सभी वर्गों से समर्थन मिलने का स्वागत है।' मुंबई पुलिस कमिश्नर भी रह चुके संजय पांडे ने कहा कि उन्होंने किसी राजनीतिक दल से संपर्क नहीं किया है।

उन्होंने कहा कि वह अपना खुद का राजनीतिक संगठन बनाएंगे और पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है। उन्हें लोकल स्तर पर आम जन का काफी समर्थन भी मिल रहा है। बता दें कि पांडे को कथित फोन टैपिंग मामले में सितंबर 2022 में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में टेलीमेट्री सिस्टम लगाने में हुई देरी, संसदीय समिति ने जताई चिंता

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में टेलीमेट्री सिस्टम लगाने में हुई देरी पर संसदीय समिति ने चिंता जताई है। लोकसभा सत्र के दौरान अपनी रिपोर्ट सौंपते हुए समिति ने कहा कि बाढ़ के पूर्वानुमान और नियंत्रण के लिए बनाए गए टेलीमेट्री सिस्टम कुछ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अब तक नहीं लग सके हैं। समिति ने बाढ़ प्रबंधन और नियंत्रण के लिए समय पर कार्रवाई के लिए टेलीमेट्री सिस्टम को जरूरी बताया। समिति की रिपोर्ट के मुताबिक टेलीमेट्री सिस्टम का काम बाढ़ के पूर्वानुमान और वास्तविक डाटा जुटाना है। इससे यह पहले ही पता चल जाएगा कि क्षेत्र में बाढ़ कब और कितनी तेजी से आएगी। ताकि आपदा के जोखिम को कम किया जा सके। समिति ने कहा कि यह सिस्टम तीन स्थान चिनाब क्षेत्र के खानबाल, गंगटोक क्षेत्र के सारा थांग और डैमबोंग को छोड़कर सभी जगह लग चुका है। खानबाल में 2018 से चल रहे कोर्ट केस के चलते सिस्टम नहीं लग सका। वहीं सारा थांग और डैमबोंग में सिस्टम लगाने के लिए 2017 से वन विभाग ने एनओसी नहीं दी। समिति ने कहा कि खानबाल स्टेशन के लिए केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय ने दूसरी जगह तलाश कर ली है और यहां टेलीमेट्री सिस्टम की स्थापना जल्द शुरू हो जाएगी। मगर यहां इतनी देरी होने का कारण समझ से परे है। समिति ने सिक्किम और अन्य लंबित जगहों पर भी सिस्टम की स्थापना में तेजी लाने के लिए कहा है। रिपोर्ट में संसदीय समिति ने टेलीमेट्री स्टेशन के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि बाढ़ के वास्तविक समय के डाटा के संग्रह, उसके प्रसार और बाढ़ पूर्वानुमान को तैयार करने में सिस्टम की अहम भूमिका है। इसलिए इस दिशा में गंभीर प्रयास किए जाएं। ताकि संबंधित एजेंसी इससे मिलने वाले डाटा के आधार पर आपदा से निपटने की तैयारी पहले से कर सकें। वहीं समिति ने टेलीमेट्री सिस्टम के नियमित रखरखाव और उसके परीक्षण के लिए भी कहा है।

मंत्री प्रहलाद पटेल की पीआरओ के सुसाइड मामले में पति और सास पर इनाम, जल्द कुर्क होगी संपत्ति!

भोपाल, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री प्रहलाद पटेल की पीआरओ और जनसंपर्क विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर पूजा थापक की मौत के बाद से ही पति और सास फरार चल रहे हैं। फरार पति और सास को गिरफ्तारी के लिए पांच हजार रुपये इनाम की घोषणा की गई है। इसके साथ ही संपत्ति कुर्क करने की भी तैयारी की जा रही है। डीसीपी श्रद्धा तिवारी के अनुसार फरारी पंचनामा कोर्ट में पेश किया गया था। आरोपियों पर पांच हजार रुपये के इनाम की घोषणा की गई। साथ ही जिला प्रशासन से चल-अचल संपत्ति की जानकारी मांगी गई है। जानकारी आने के बाद संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की जाएगी। बता दें जनसंपर्क अधिकारी पूजा थापक ने नौ जुलाई को फांसी लगाकर आत्महत्या की थी।

दिल्ली हाई कोर्ट का आदेश

पड़ोसी की पत्नी को परेशान करने वाले आरोपियों को गुरुद्वारे में करनी होगी सेवा

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने पड़ोसी की पत्नी की मर्यादा भंग करने के आरोपित दो लोगों को एक महीने तक गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में सामुदायिक सेवा करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने पक्षों के बीच समझौते के बाद मामले में दर्ज प्राथमिकी को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि आरोपित एक महीने तक हर दिन सुबह नौ बजे से गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में उन्हें सौंपे गए कर्तव्यों का पालन करेंगे। इसके बाद एक महीना पूरा होने के बाद गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब से एक प्रमाण पत्र प्राप्त करेंगे, जिसे अदालत के आदेश का अनुपालन दिखाने के लिए भी दायर किया जाएगा।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि आरोपियों ने शिकायतकर्ता पड़ोसी पर हमला किया था और उसकी पत्नी के खिलाफ गंदी और अश्लील टिप्पणियां की थीं और समझौते के कारण उन्हें छोड़ा नहीं जा सकता है। न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें अपने पापों का प्रायश्चित करना होगा और यह समझना होगा कि वो कोर्ट को हल्के में नहीं ले सकते हैं। न्यायाधीश ने 18 जुलाई को पारित आदेश में कहा कि दोनों को सशस्त्र बल युद्ध हताहत कल्याण कोष के पक्ष में 25-25 हजार रुपये का खर्च भी अदा करने और अपने इलाके में 20-20 पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का निर्देश दिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 28 जुलाई, 2024 3

युविचार

जिसे कोई बताने वाला नहीं होता, वह सब काम खुद ही सीख लेता है, सीखना पड़ता है।

राज्य सरकार ने हैदराबाद के विकास के लिए 10 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए : मंत्री पोन्नम

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी बताएं कि केंद्र से हैदराबाद को क्या मिलेगा

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने तेलंगाना में सरकार द्वारा पेश किए गए बजट में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क को हैदराबाद को 10 हजार करोड़ रुपये आवंटित करने के लिए धन्यवाद दिया। असेंबली मीडिया पॉइंट पर मीडिया से बात करते हुए मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने तेलंगाना के साथ भेदभाव करने और पक्षपातपूर्ण तरीके से काम करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी, एचएमडीए, मेट्रो वॉटर वर्क्स, दक्षिणी विद्युत वितरण निगम और हैदराबाद में मेट्रो विकास के अन्य पहलू धन की कमी के कारण ठेकेदारों को भुगतान करने में असमर्थ हैं। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी हैदराबाद से प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और जब वे पहले पर्यटन मंत्री थे, तब भी उन्होंने हैदराबाद के लिए विरासत में एक भी रुपया नहीं लाया। राज्य सरकार के अनुरोध पर स्मार्ट सिटी का स्थान हैदराबाद से करीमनगर स्थानांतरित कर दिया गया। उस दिन करीमनगर को स्मार्ट सिटी की जरूरत थी, लेकिन हैदराबाद के अलावा जल संसाधनों को उसके अनुरूप विकसित करने के लिए एक रुपया भी नहीं लाया गया। विरासत, पर्यटन और पुरातत्व के माध्यम से हैदराबाद की बढ़ती जनसंख्या राज्य सरकार ने 10 हजार करोड़ रुपये दिए हैं, या तो केंद्र सरकार से अनुदान के रूप में या राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले केंद्रीय मंत्री स्थानीय को मजबूत करने के लिए राज्य संस्थानों से कितना धन लेंगे। यहां का प्रतिनिधित्व करने वाले केंद्रीय मंत्रियों को बजट संशोधन के माध्यम से हैदराबाद और तेलंगाना के विकास के लिए धन लाकर अपनी ईमानदारी साबित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी कांग्रेस सरकार लेगी।

बीआरएस सरकार ने कृषि पंपसेटों पर मीटर लगाने किए थे त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर

विधानसभा में बोले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने केंद्र के दबाव के बावजूद कृषि पंपसेटों में मीटर लगाने पर सहमति न जताने के बीआरएस के दावे को झूठा और भ्रामक करार देते हुए आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार ने 2017 में कृषि पंपसेटों में मीटर लगाने के लिए केंद्र के साथ त्रिपक्षीय समझौता किया था और पार्टी इस मुद्दे पर झूठ बोल रही है।

राज्य विधानसभा में शनिवार को बजट पर चर्चा के दौरान कृषि मोटरों में मीटर लगाने के संबंध में बीआरएस विधायक टी हरीश राव की टिप्पणी का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि पंपसेटों में मीटर लगाने के लिए 4 जनवरी, 2017 को केंद्र, तेलंगाना सरकार और डिस्कॉम के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे और समझौते के अनुसार राज्य को 30 जून, 2017 तक मीटर लगाने थे।

उन्होंने दावा किया कि बीआरएस सरकार ने 31 दिसंबर, 2018 तक फीडरों में मीटर लगाने और राज्य के सभी घरों में स्मार्ट मीटर लगाने पर भी सहमति व्यक्त की है।

हरीश राव पर झूठे दावों से सदन को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए रेवंत रेड्डी ने स्पीकर से अनुरोध किया कि वे कृषि पंप सेटों में मीटर लगाने के संबंध में हरीश राव द्वारा किए गए सभी दावों को रिकॉर्ड से हटा दें।

मुख्यमंत्री ने सदन में त्रिपक्षीय समझौते की एक प्रति भी रखी और हरीश राव से इसे पढ़ने को कहा। इससे पहले हरीश राव ने कहा कि बीआरएस सरकार ने कृषि पंप सेटों पर मीटर लगाने के केंद्र के आदेश को नहीं माना और इसके कारण उसे पांच वर्षों में लगभग 30,000 करोड़ रुपये नहीं मिले।

हेरोइन का परिवहन और बिक्री करने वाले पिता-पुत्र गिरफ्तार

एसओटी महेश्वरम व बालापुर पुलिस ने की कार्रवाई

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना के आधार पर, एसओटी, महेश्वरम जोन टीम ने बालापुर पुलिस के साथ मिलकर दो अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में सिद्दीक शाह उर्फ सिद्दीक (31 वर्ष बेटा) और हनीफ शाह (61 वर्ष बाप) निवासी नाना साहब-का-बाग, जावरा, रतलाम, मध्य प्रदेश शामिल हैं। जबकि एक आरोपी मोंटू फरार है।

आरोपियों के कब्जे से हेरोइन ड्रग- (100) ग्राम, 13 हजार रुपये, तीन मोबाइल फोन बरामद हुआ है। सभी बरामद संपत्ति का मूल्य 12 लाख रुपये बताया जा रहा है। राचकोंडा पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, एसओटी, महेश्वरम जोन, राचकोंडा टीम ने बालापुर पुलिस के साथ मिलकर अवैध मादक पदार्थों के व्यापार में शामिल एक पिता-पुत्र की जोड़ी को पकड़ा। मध्य प्रदेश का निवासी हनीफ शाह कबाड़ की दुकान चलाकर अपने आठ बच्चों के परिवार का भरण-पोषण करता हैं। अपनी अल्प आय के कारण, उन्होंने हाल ही में अपने तीसरे बेटे सिद्दीक शाह के साथ सौंदर्य प्रसाधन के व्यवसाय में कदम रखा।

शुरुआती सफलता के बावजूद, सौंदर्य प्रसाधन का व्यवसाय विफल रहा, जिसके कारण उन्हें आय के वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करनी पड़ी। वित्तीय स्थिरता की इस तलाश ने उन्हें अवैध मादक पदार्थों के व्यापार की राह पर ले गया। आरोपियों ने कबूल किया कि मादक पदार्थों की तस्करी से अच्छी आय होती है और उन्होंने स्थानीय मादक पदार्थों के तस्करों के साथ संपर्क बनाए।

उन्होंने राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के एक आपूर्तिकर्ता मोंटू के साथ संबंध स्थापित किए। दोनों ने आपूर्तिकर्ता से कम कीमत पर हेरोइन खरीदी और इसे हैदराबाद में काफी अधिक कीमत पर बेचने का इरादा किया। तदनुसार, उन्होंने रतलाम में स्रोत से 6 लाख में 100 ग्राम हेरोइन प्राप्त की, जिसे उन्होंने अपने बैग में प्लास्टिक के कवर में छिपाया और अपने ज्ञात स्रोतों को फिर से बेचने के लिए हैदराबाद आए।

बीती शाम एसओटी महेश्वरम जोन की टीम ने बालापुर पुलिस के साथ मिलकर ईमान एन्क्लेव, एयरपोर्ट रेस्टोरेंट, बालापुर गांव के पास से आरोपियों को पकड़ा और उनके कब्जे से हेरोइन ड्रग, नकदी और मोबाइल फोन बरामद किए। हनीफ शाह और सिद्दीक शाह दोनों ने अवैध ड्रग व्यापार में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उपभोक्ताओं की पहचान करने और फरार स्रोत/मुख्य तस्कर को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

लोगों और छात्रों से अपील है कि प्रतिबंधित नारकोटिक्स पदार्थों और दवाओं की खरीद, बिक्री, परिवहन और उपभोग करना एक अपराध है और एनडीपीएस अधिनियम की धारा 31ए के अनुसार 10 साल की कैद और मौत की सजा भी हो सकती है।

बोनालू वाले क्षेत्रों में श्रद्धालुओं के लिए पुख्ता इंतजाम : आयुक्त अम्रपाली काटा

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा ने अधिकारियों को बेहतर इंतजाम करने का निर्देश दिया है ताकि शहर के विभिन्न हिस्सों में रविवार को आयोजित बोनालू उत्सव के दौरान लोगों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। शनिवार सुबह कमिश्नर जोनल और डिप्टी कमिश्नर के साथ टेली कॉन्फ्रेंस हुई। इस मौके पर आयुक्त ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शहर के संबंधित हिस्सों में बोनालु त्योहारों को गरिमापूर्ण ढंग से मनाने की पृष्ठभूमि में अधिकारियों को ग्रेटर में भी पुख्ता इंतजाम करने का आदेश दिया गया है। अधिकारियों को सलाह दी गई है कि वे बोनालु त्योहारों के दौरान पीने के पानी, गड्ढों, स्वच्छता, आवश्यक शौचालयों और प्रकाश की व्यवस्था करें और यह सुनिश्चित करें कि सड़क विक्रेता कचरा बाहर न फेंकें और इसे कचरे के डिब्बे में न डालें।

सीएम ने ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का पुण्य स्मरण किया

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि के अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जुबली हिल्स स्थित आवास पर उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सांसद चमाला किरण रेड्डी, विधायक कोमटी रेड्डी राजगोपाल रेड्डी, खैरताबाद डीसीसी अध्यक्ष रोहिन रेड्डी और अन्य नेताओं ने कलाम के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

बीआरएस की उपलब्धियों को बदनाम कर रही कांग्रेस : हरीश

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क द्वारा राज्य विधानसभा में पेश किए गए बजट को झूठ और अवास्तविक बताते हुए वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने कहा कि बजट की पूरी कवायद पिछले बीआरएस सरकार की पिछले 10 वर्षों की उपलब्धियों को बदनाम करने के लिए थी और इसमें तेलंगाना के लोगों को देने के लिए कुछ भी नहीं था। शनिवार को राज्य विधानसभा में बजट पर सामान्य चर्चा की शुjwआत करते हुए हरीश राव ने कहा कि जिस तरह से बजट भाषण दिया गया, उससे स्पष्ट है कि सरकार के पास लोगों को देने के लिए कुछ भी नहीं है और पूरी कवायद का मुख्य उद्देश्य बीआरएस सरकार की उपलब्धियों को बदनाम करना है।

उन्होंने कहा कि राज्य के गठन के समय सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) मात्र 4.5 लाख रुपये था और बीआरएस सरकार के प्रयासों से इसे बढ़ाकर 14 लाख रुपये किया गया। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार की उपलब्धियों को स्वीकार करने के बजाय कांग्रेस अपनी अक्षमता को छिपाने के लिए पिछली सरकार पर दोष मढ़ने का प्रयास कर रही है। उन्होंने याद दिलाया कि जब बीआरएस सत्ता में आई थी, तब राज्य में बिजली की कमी थी। उन्होंने छह महीने के भीतर इस समस्या पर काबू पा लिया और एक साल के भीतर सभी क्षेत्रों को चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध कराना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के प्रयासों से राज्य ने सभी क्षेत्रों में प्रगति की।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस बीआरएस सरकार की सभी उपलब्धियों को सरकारी वेबसाइटों से मिटाने की कोशिश कर रही है। लेकिन वह यह भूल रही है कि बीआरएस सरकार द्वारा हासिल किए गए विकास को राज्य के लोगों की यादों से मिटाया नहीं जा सकता।

पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि बजट भाषण में बताए गए आंकड़े राजस्व अनुमान से मेल नहीं खा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बजट में बताया गया था कि 35,000 करोड़ रुपये गैर-कर राजस्व के रूप में आएंगे, हालांकि सरकार यह बताने में विफल रही कि वह इतनी बड़ी राशि कैसे जुटाएगी।

चोरी नाकाम करने महिला ने छिड़का मिर्च पाउडर

आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ

कुमराम भीम आसिफाबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर के मारुतिनगर में शुक्रवार रात एक महिला ने एक व्यक्ति की आंखों में मिर्च पाउडर फेंककर उसकी कथित चोरी की कोशिश को विफल कर दिया। विश्वनाथम और उनकी पत्नी ईश्वरम्मा अपनी बेटी ज्योति के साथ खाना खा रहे थे, तभी रात 8 बजे के करीब एक अनजान आदमी उनके घर में घुस आया। दंपति ने हिंदी में बात कर रहे व्यक्ति को रोकने की कोशिश की और उसका परिचय पत्र मांगा।

इसके बाद उस व्यक्ति ने उनकी बेटी ज्योति को पकड़ लिया और धमकी दी कि अगर उन्होंने उसका साथ नहीं दिया तो वह उसे जान से मार देगा। चोर की पकड़ से छूटने की कोशिश करते हुए ज्योति ने पास ही टेबल पर रखा मिर्च पाउडर उसकी आंखों में छिड़क दिया। इसके बाद उसने स्थानीय पुलिस को फोन किया और इंस्पेक्टर के शंकरैया को घटना की जानकारी दी।

शंकरैया ने तुरंत उसी इलाके में गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों को इसकी सूचना दी, जो महिला के घर पहुंचे और उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। शंकरैया ने बताया कि व्यक्ति की पहचान उत्तर प्रदेश के नंदू के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि नंदू मानसिक रूप से अस्वस्थ था और काफी समय से कस्बे में घूम रहा था। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।

कालेश्वरम पंप फिर सक्रिय, नंदी मेडरम से परिचालन शुरू

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना ने एक बार फिर अपनी हाइड्रोलिक ताकत का प्रदर्शन किया है और गोदावरी से पानी निकालना शुरू कर दिया है। शनिवार को नंदी मेडरम पंप हाउस में परिचालन फिर से शुरू कर दिया गया, जिसके लिए येल्लमपल्ली जलाशय से गुरुत्वाकर्षण नहर के माध्यम से पानी छोड़ा गया। केएलआईपी द्वारा पोषित की जाने वाली विभिन्न परियोजनाओं के तहत अपने विशाल आयाकट के लिए सिंचाई सहायता के लिए लंबे इंतजार से परेशान बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने शुक्रवार को सरकार को अल्टीमेटम दिया था कि वह 2 अगस्त तक लिफ्ट सिंचाई योजना का संचालन शुरू करे, अन्यथा किसानों को स्वयं ही यह काम करने दे।

सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने तुरंत येल्लमपल्ली परियोजना पर पहुंचकर इसकी दो पंपिंग इकाइयों को शाम तक चालू कर दिया, जिससे 6538 क्यूसेक पानी की निकासी हो गई। परियोजना से पानी की मात्रा बढ़ाने के लिए दो और पंपिंग इकाइयों को भी चालू किया जाएगा। येल्लमपल्ली जलाशय में जल प्रवाह लगभग 14000 घनसेक है तथा परियोजना में वर्तमान भंडारण स्तर भी 17 टीएमसी से अधिक है, जो इसकी सकल भंडारण क्षमता से केवल तीन टीएमसी कम है।

भद्राचलम में तीसरे चेतावनी स्तर को पार कर गई गोदावरी

कोत्तागुडेम, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के भद्राचलम में गोदावरी नदी का जलस्तर शनिवार को तीसरे चेतावनी स्तर को पार कर गया, जिसके बाद अधिकारियों ने तीसरी चेतावनी जारी की। शाम 4.16 बजे जलस्तर 53 फीट के निशान को पार कर गया और शाम 5 बजे जलस्तर 53.20 फीट था, जबकि डिस्चार्ज 14.36 लाख क्यूसेक था। पूर्वानुमान के अनुसार जलस्तर में और वृद्धि होने के कारण जिला प्रशासन अलर्ट पर है।

बिना लाइसेंस वाले मेडिकल वितरक पर छापा

3.5 लाख रुपये का स्टॉक जब्त

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। औषधि नियंत्रण प्रशासन के अधिकारियों ने मूसारामबाग में एक बिना लाइसेंस वाले मेडिकल वितरक के यहां छापा मारा और बिक्री के लिए बड़ी मात्रा में दवाओं का अनधिकृत भंडारण पकड़ा। छापेमारी के दौरान, आदत डालने वाली दवाएं, स्टेरॉयड, एंटीबायोटिक्स, गर्भपात की दवाएं, उच्च रक्तचाप की दवाएं, मधुमेह की दवाएं आदि सहित 19 प्रकार की दवाएं पाई गईं और अधिकारियों ने 3.5 लाख रुपये मूल्य का स्टॉक जब्त कर लिया।

जी. अनिल, ड्रग्स इंस्पेक्टर, मालकपेट, बी. गोविंद सिंह, ड्रग्स इंस्पेक्टर, सिकंदराबाद, पी. रेणुका, ड्रग्स इंस्पेक्टर, मुशीराबाद और एम. सुरेंद्रनाथ, ड्रग्स इंस्पेक्टर, बेगमपेट उन अधिकारियों में शामिल थे जिन्होंने छापेमारी की। डीसीए अधिकारियों ने विश्लेषण के लिए नमूने उठाए और आगे की जांच की जाएगी और सभी अपराधियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। डीसीए अधिकारियों ने सेरिलिंगमपल्ली मंडल के नल्लागंदला में एक झोलाछाप पी. थिरुमालाचारी के परिसर पर भी छापा मारा, जो अपने क्लिनिक में उचित योग्यता के बिना चिकित्सा का अभ्यास कर रहा था और एंटीबायोटिक दवाओं, एंटी-अल्सर दवाओं, एनाल्जेसिक, कफ सिरप आदि सहित 18 प्रकार की दवाओं का पता लगाया। इस दौरान अधिकारियों ने क्लिनिक में कई उच्च पीढ़ी के एंटीबायोटिक्स पाए। अधिकारियों की टीम में ए. शैलजा रानी, ड्रग्स इंस्पेक्टर, सेरिलिंगमपल्ली और डी. श्वेताबिंदु, ड्रग्स इंस्पेक्टर, गांडीपेट शामिल थे।

कुतबुल्लापुर मंडल कचरा मुक्त बिंदु घोषित

आयुक्त ने कर्मचारियों व अधिकारियों की सराहना की

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त आम्रपाली कट्टा ने जीवीपी को एक मुक्त शहर बनाने के लिए सभी मंडलों के अधिकारियों को समन्वय में काम करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कुतबुल्लापुर सर्कल के भीतर कचरा बिंदुओं को पूरी तरह से हटाने के लिए स्वच्छता अधिकारियों को बधाई दी। कुतबुल्लापुर सर्किल में की गई कार्रवाई अन्य सर्किलों में लागू की जाए। आयुक्त अम्रपाली काटा ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि जीवीपी को हटाकर इसे जीवीपी मुक्त शहर बनाने की संभावना है और कुतबुल्लापुर सर्कल में किए गए उपायों को उनके संबंधित सर्कल में लागू किया जाना चाहिए। जिसमें स्वच्छ ऑटो की कार्यशैली को बेहतर बनाने के लिए स्वच्छ ऑटो द्वारा क्यूआर कोड के साथ 100 प्रतिशत घरेलू कूड़ा संग्रहण, स्वच्छ ऑटो पर कूड़ा न फेंकने वाले परिवारों की पहचान कर उन्हें जागरूक करना तथा स्वच्छ ऑटो, स्वयं सहायता सोसायटी, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सहयोग से कूड़ा वापस करना है। स्थानीय जन प्रतिनिधियों (पार्षदों) द्वारा घरेलू स्तर पर कचरा संग्रहण, स्वच्छता कर्मियों की उपस्थिति में सुधार, एसएफए की देखरेख में कर्मियों की 100 प्रतिशत उपस्थिति दर में सुधार, जीवीपी (कचरा संवेदनशील बिंदु) को हटाने के बाद स्वयं सहायता समूहों की निगरानी, कचरा बीनने वालों की पहचान और पुनर्प्राप्ति के बिना जागरूकता पैदा करना शामिल है।

रेजीडेंसी वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों को महिला स्व-सहायता सोसायटी के पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से रात्रिभोज, विभिन्न मुद्दों पर चर्चा मंच, खेल का आयोजन, वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। सफाई कर्मियों को स्वस्थ रहने के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किये गये हैं और उपस्थिति दर में सुधार हुआ है तथा स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान में अपेक्षित प्रगति हुई है। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के अलावा, व्यावसायिक केंद्रों से कचरे का नियमित संग्रह और एसटीपी तक वितरण, स्वच्छ ऑटो मालिकों को अधिक आय प्रदान करना, सड़क पर बहने वाले कचरे को समय पर इकट्ठा करने के उपाय करना, कुतबुल्लापुर सर्कल बन गया है। जीवीपी के बिना जीएचएमसी में आदर्श सर्कल कहा जा सकता है कि उपायुक्त (एसडब्ल्यूएम) मोहन रेड्डी और सहायक चिकित्सा अधिकारी भार्गव की विशेष पहल से मंडल एक मिसाल बनकर खड़ा हुआ है।

मोहन रेड्डी और भार्गव ने बताया कि स्वच्छता कार्यकर्ताओं, कर्मचारियों, यूबीडी, यूसीडी, आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों और स्थानीय जन प्रतिनिधियों की संयुक्त जिम्मेदारी और सहयोग से, कुतबुल्लापुर सर्कल जीवीपी मुक्त का एक उदाहरण बन गया है। आयुक्त ने मंडल के उपायुक्तों, सहायक चिकित्सा अधिकारी, यूबीडी, यूसीडी, स्वच्छता कर्मचारियों, मजदूरों, आवासीय कल्याण प्रतिनिधियों और उन सभी लोगों को बधाई दी, जिन्होंने मंडल के निवासियों के संयुक्त नेतृत्व में एक उदाहरण स्थापित करने के लिए कड़ी मेहनत की, जिन्होंने इसे हटाने के लिए काम किया।

किसी भी मंत्री को कृषि के बारे में जानकारी नहीं : जगदीश रेड्डी

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री जगदीश रेड्डी ने आलोचना की है कि राज्य के एक भी मंत्री को कृषि क्षेत्र के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने दावा किया, जब वे आंध्र के बाबुओं की कोहनी से पानी पीते हैं तो उन्हें तेलंगाना के बारे में क्या पता है? अतीत में, राज्य के शासकों ने ऐसा व्यवहार किया जैसे कि कृष्णा और गोदावरी नदियां आंध्र के लिए पैदा हुई थीं। विधानसभा के मीडिया प्वाइंट पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम केसीआर, जो पानी उठाना जानते हैं, ने कन्नेपल्ली में एक पंप हाउस बनाया और कहा कि राज्य सरकार कह रही है कि मेडिगड्डा में कुछ हुआ है, जबकि उन्होंने कहा कि मेडिगड्डा परियोजना में अब 10 लाख क्यूसेक पानी बर्बाद हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मल्लन्ना सागर, कोंडापोचम्मा सागर और सिंगूर परियोजनाएं पानी की कमी के कारण सूख रही हैं और कहा कि कोडाडा और सूर्यपेट निर्वाचन क्षेत्रों के किसान पानी का इंतजार कर रहे हैं।

पल्लवी पटेल का सीएम योगी के खिलाफ दिखा नरम रुख

केशव प्रसाद मौर्य और अनुप्रिया की बढ़ी टेंशन

फूलपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद सियासी गलियारों में मची अटकलों के बीच अपना दल कमेरावादी की नेता और सिराथू सीट से विधायक पल्लवी पटेल ने संगम नगरी प्रयागराज में जनसभा को संबोधित किया। इस जनसभा में पल्लवी पटेल ने आरक्षण से लेकर संविधान तक के मुद्दों पर अपनी बात रखी लेकिन सूबे की योगी सरकार के खिलाफ नरम रुख अपनाए रहीं। आमतौर पर सरकार के खिलाफ मुखर रहने वाली पल्लवी पटेल ने इस सभा में सिर्फ दलितों पिछड़ों और उपेक्षितों की बात की। आरक्षण और संविधान को समाज में बराबरी का सबसे बड़ा हथियार बताया, लेकिन कानून व्यवस्था से लेकर भेदभाव जैसे मुद्दों पर भी उन्होंने चुप्पी साधे रखी। इन मुद्दों पर पल्लवी खासी मुखर रहती हैं और योगी सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ती है।

सियासी अटकलों को और दी हवा

पल्लवी पटेल ने प्रयागराज के फूलपुर इलाके में छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती के मौके पर एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यूपी में जिन 10 सीटों पर विधानसभा का उपचुनाव होने जा रहा है, उसमें उनका पीडीएम गठबंधन अपने उम्मीदवार उतारेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद पल्लवी पटेल के नरम रुख ने सियासी अटकलों को और हवा दे दी है। सीएम योगी से मुलाकात के बाद पल्लवी पटेल ना तो मीडिया के सामने आई है और ना ही उन्होंने कोई बयान जारी किया है। पल्लवी पटेल की सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात उस वक्त हुई है, जब सीएम और डिप्टी सीएम में तल्खी को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही है।

पल्लवी पटेल ने 2022 के विधानसभा चुनाव में सिराथू सीट से डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को हराया था। पल्लवी पटेल की पहले सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात और उसके बाद जनसभा में सरकार को लेकर नरमी नई सियासी अटकलों को पैदा कर रहा है। बता दें कि पल्लवी पटेल की बहन अनुप्रिया पटेल अभी एनडीए में हैं और बीते दिनों में योगी सरकार के खिलाफ नजर आई हैं। वह आरक्षण के मुद्दे पर सरकार को घेरती रही हैं।

यूपी न्यायिक सेवा सिविल जज जूनियर डिवीजन परीक्षा 2022 के परिणाम को दी चुनौती

प्रयागराज, 27 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी न्यायिक सेवा सिविल जज (जूनियर डिवीजन) परीक्षा 2022 के परिणाम को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने याचिका पर अंतरिम राहत देने से इन्कार करते हुए प्रदेश सरकार व उप्र संघ लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह व न्यायमूर्ति डी रमेश की खंडपीठ ने सुचेता राय की याचिका पर यह आदेश दिया है। याची के मुताबिक मुख्य लिखित परीक्षा में लिखे गए उनके उत्तरों के मुकाबले उन्हें कम अंक दिए गए हैं। यदि उसे एक या अधिक अंक दिए गए होते तो उसका चयन हो जाता। कोर्ट ने उत्तर पुस्तिका की जांच को लेकर पहले से लंबित मीनाक्षी की याचिका संग इसको भी संबद्ध कर दिया है। कोर्ट ने अंतरिम स्थगन की मांग अर्जी खारिज कर दी। कहा कि स्थगन जारी करने का कोई औचित्य नहीं है। अगली सुनवाई 16 सितंबर से शुरू होने वाले सप्ताह में होगी।

इस जिले में सावनभर तैनात रहेंगे एके-47 से लैस 45 जवान

एसएसपी ने गठित की तीन स्पेशल टीमें

बरेली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। बरेली में सावन माह के दौरान एसपी सिटी, एसपी दक्षिणी व एसपी उत्तरी के साथ एसएसपी ने तीन क्यूआरटी (क्विक रेस्पांस टीम) गठित की हैं। हर टीम में 15 पुलिसकर्मी एके 47 जैसे अत्याधुनिक असलहों से लैस होंगे। टीमों की निगरानी एसपी सिटी राहुल भाटी, एसपी उत्तरी मुकेश मिश्रा और एसपी दक्षिणी मानुष पारीक को सौंपी है। तीनों टीम में कुल 45 पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया है। इनको एके-47, टियर गैस गन, एंटी राइट गन समेत 12 बोर पंप एक्शन गन दी गई हैं।

एक टीम को बारादरी थाना, दूसरी को देवरनियां और तीसरी को भोजीपुरा थाने में रखा जाएगा। कोई भी सूचना मिलते ही यह संबंधित क्षेत्र में गतिशील हो जाएंगी। हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के बाद मची भगदड़ में कई लोगों की मौत हो गई थी। कई और जगह भी भीड़ की वजह से हादसे हो चुके हैं। डीजीपी कार्यालय से एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश ने एक गाइडलाइन जारी की है। सभी एडीजी, आईजी व एसएसपी को पत्र भेजकर भीड़ प्रबंधन की पूरी गाइडलाइन जारी की है।

नशे में युवकों ने बस को किया हाईजैक

यात्रियों का शोर सुनकर पुलिस ने किया पीछा और 4 पकड़े गए

जालौन, 27 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जालौन में देर रात नशे की हालत में बस में सफर कर रहे चार मुसाफिरों ने यात्रियों से भरी बस को हाईजैक करने का प्रयास किया। इस दौरान बस में बैठी सवारियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। शोरगुल सुनकर पुलिस की गाड़ी ने बस का पीछा किया और 4 युवकों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने जिन युवकों को पकड़ा वो नशे की हालत में थे। मेडिकल परीक्षण के लिए उन्हें भेजा गया और पूछताछ जारी है। दरअसल, मामला उरई कोतवाली क्षेत्र के कालपी बस स्टैंड का है। यहां पर बीती देर रात कानपुर से अहमदाबाद के लिए एक स्लीपर बस जा रही थी। जब वह उरई कोतवाली के कालपी बस स्टैंड के पास पहुंची तो उस दौरान सवारियों को बैठाने को लेकर विवाद होने लगा। थोड़ी ही देर में नशे में चूर 4 युवकों ने बस कंडक्टर के साथ मारपीट शुरू करनी शुरु कर दी और उसे सीट से हटाकर खुद बस को ले जाने लगे। यह सब माजरा देख यात्रियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस ने बस का पीछा कर चारों लोगों को हिरासत में ले लिया है।

सिर काट कर चौराहे पर लटका दूंगा

निदा खान को मिली जान से मारने की धमकी, सीएम-डीजीपी से शिकायत

बरेली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सेशन कोर्ट के आला हजरत हेल्पिंग सोसाइटी की अध्यक्ष निदा खान के पक्ष में आदेश देने के अगले दिन ही उनको जान से मारने की धमकी मिल गई। निदा खान के वाट्सएप पर आए मैसेज के माध्यम से आरोपित ने सिर काटने और दस हजार गोली मारने की धमकी दी। निदा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, यूपी पुलिस और बरेली पुलिस को एक्स के जरिये शिकायत कर कार्रवाई करने की मांग की है। सेशन जज विनोद कुमार दूबे ने निदा खान को एकमुश्त 10 लाख रुपये दिलाने और चार हजार मासिक किराये की जगह 10 हजार रुपये मासिक किराये आवास के लिए देने का आदेश दिया। इसके बाद निदा को धमकी भरा संदेश मिला, जिसमें आरोपित ने लिखा कि तेरा सिर काट के चौराहे पर लटका दूंगा। तेरी वजह से मुसलमान औरतें बागी हो रही हैं। तेरा सिर काट के सबको खामोश करुंगा। 10 लाख नहीं मिलेंगे, 10 हजार गोली डालेंगे।

निदा ने सीएम से की शिकायत

धमकी भरा संदेश मिलने के बाद निदा खान ने मुख्यमंत्री, यूपी पुलिस और बरेली पुलिस को ट्वीट करके कार्रवाई करने की मांग की। निदा ने कहा कि जब भी कोई औरत अपने न्याय के लिए लड़ती है तो उसको इस तरह की धमकियां मिलती हैं।

वहीं, बरेली पुलिस इतनी लाचार है कि कोर्ट का आदेश होने के बावजूद मेरे शौहर के विरुद्ध कार्रवाई नहीं कर पा रही है। इस तरह की धमकी से मैं डरने वाली नहीं हूं, लेकिन यह सब चिंतित जरूर करता है। निदा खान के मामले में कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी। किसी को किसी से डरने की जरूरत नहीं है।

शत्रु संपत्ति के दायरे में जौहर विवि के दो भवन, प्रशासन ने जारी किया नोटिस

अमरोहा, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सपा नेता आजम खां के जौहर विश्वविद्यालय के दो भवन शत्रु संपत्ति के दायरे में आ गए हैं। पैमाइश के दौरान दोनों भवनों के शत्रु संपत्ति के दायरे में आने के बाद प्रशासन की ओर से इन भवनों को खाली करने का नोटिस जारी किया गया है। जो दो भवन शत्रु संपत्ति के दायरे में आए हैं, उनमें से एक में खेल गतिविधियों के साथ ही जिम भी चलता है, जबकि दूसरे भवन पर ताला लगा हुआ है। इस बीच यूनिवर्सिटी में स्थित 50 फीसदी शत्रु संपत्ति को प्रशासन ने कब्जे में ले लिया है। सपा नेता आजम खां के ड्रीम प्रोजेक्ट जौहर विश्वविद्यालय पर फिर से संकट के बादल मंडराने लगे हैं। जौहर विश्वविद्यालय में 13.08 हेक्टेयर जमीन शत्रु संपत्ति है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद शत्रु संपत्ति विभाग की ओर से जौहर विश्वविद्यालय में स्थित जमीन का सीमांकन करने के साथ ही उस पर कब्जा लेने के आदेश प्रशासन को दिए गए थे, जिसके बाद प्रशासन बृहस्पतिवार से जौहर यूनिवर्सिटी में स्थित शत्रु संपत्ति पर कब्जा लेने की कार्रवाई शुरू कर दी थी। एसडीएम सदर मोनिका सिंह व नायब तहसीलदार गौरव बिश्नोई व शत्रु संपत्ति विभाग के पर्यवेक्षक प्रशांत कुमार के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम शुक्रवार को भी जौहर यूनिवर्सिटी पहुंची। भारी पुलिस बल के साथ विश्वविद्यालय पहुंची टीम ने जमीन की पैमाइश की और इसे कब्जे में लेने की कार्रवाई शुरू कर दी। दिन भर यहां पर सीमांकन का काम चला। सीमांकन के काम के दौरान जौहर विश्वविद्यालय में स्थित दो भवन भी शत्रु संपत्ति के दायरे में आ गए हैं,जिसके बाद प्रशासन की ओर से इन भवनों को खाली करने का नोटिस जारी किया गया है। प्रशासन ने इन दोनों भवनों को एक सप्ताह के भीतर खाली करने की मोहलत दी है। अफसरों का कहना है कि यूनिवर्सिटी में स्थित पचास फीसदी शत्रु संपत्ति को दूसरे दिन कब्जे में लिया जा चुका है। शेष अभी कार्य जारी है। जौहर यूनिवर्सिटी में स्थित शत्रु संपत्ति के दायरे में दो भवन भी आए हैं। यह दोनों भवन पूर्व में भी सील किए जा चुके थे। अब इन दोनों भवनों को खाली कराने के लिए नोटिस दिया गया है। यहां पर 13.08 हेक्टेयर जमीन है, जिसमें 45 गाटा है। इस जमीन को कब्जे में लेकर शत्रु संपत्ति विभाग के सुपुर्द कर दिया जाएगा।

अब्दुल्ला के दो पैन कार्ड मामले में नहीं पहुंचा गवाह

सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में शुक्रवार को गवाह नहीं पहुंचा, जिस पर सुनवाई टल गई। अब इस मामले की सुनवाई 31 जुलाई को होगी। वर्ष 2019 में शहर विधायक आकाश सक्सेना ने अब्दुल्ला आजम के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में दो पैन कार्ड रखने का मामला दर्ज कराया था। इस मामले में उनके पिता आजम खां को भी भी नामजद किया गया था। यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है। शुक्रवार को इस मामले में गवाह विवेचक दरोगा ऋषिपाल सिंह को पेश होना था। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी अमरनाथ तिवारी एवं भाजपा विधायक के अधिवक्ता संदीप सक्सेना के मुताबिक पैन कार्ड मामले में अब 31 जुलाई को सुनवाई होगी।

आजम खां के खिलाफ दर्ज मामले में भी नहीं हो सकी सुनवाई

सपा नेता आजम खां के खिलाफ गंज थाने में दर्ज आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में भी सुनवाई नहीं हो सकी। सपा नेता के खिलाफ 2019 के लोकसभा चुनाव में गंज थाने में आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है। बुधवार को इस मामले की सुनवाई होनी थी, जो नहीं हो सकी। अब इस मामले की सुनवाई 29 जुलाई को होगी।

तांत्रिक ने खीर में मेवा मिलाकर महिला के साथ किया घिनौना काम, इस हालत में पड़ी मिली महिला

गोरखपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। एक तांत्रिक तंत्र-मंत्र के जरिए घर की समस्याएं दूर करने के बहाने से गोरखपुर के रामगढ़ताल में रहने वाली महिला के घर में घुस गया। घर पहुंचकर जब तांत्रिक ने महिला को अकेला पाया तो उसने खीर में मेवा के साथ नशीला पदार्थ मिलाकर खिला दिया। महिला के बेहोश होने के बाद उसने दुष्कर्म किया और शरीर पर मौजूद गहने और पर्स लेकर वहां से फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक तांत्रिक की पहचान खजनी थाना क्षेत्र के भरोहिया गांव निवासी दिनेश चौरसिया के रूप में हुई।

दिनेश चौरसिया ने तारामंडल इलाके में रहने वाली एक महिला को अपना शिकार बनाया। दिनेश ने महिला को तंत्र मंत्र के माध्यम से समस्या दूर करने का दावा किया परेशान महिला उसके झांसे में आ गई और वह उस वक्त महिला के घर पहुंचा जब घर पर कोई नहीं था। घर में महिला को अकेला पाकर उसने मौके का फायदा उठाया। तांत्रिक ने खीर में मेवा के साथ नशीला पदार्थ मिलाकर महिला को खिला दिया। जब वह बेहोश हो गई तब उसने महिला को निर्वस्त्र कर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। रामगढ़ताल पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी तांत्रिक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

तूफानी सरोज हो सकते हैं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

अखिलेश यादव के त्यागपत्र देने के बाद से खाली है पद

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की दौड़ में अब तूफानी सरोज का नाम भी जुड़ गया है। विधानसभा में सपा पीडीए फार्मूले के तहत वंचित चेहरे को नेता प्रतिपक्ष बनाने की तैयारी कर रही है। ऐसे में पार्टी से जुड़े पूर्व सांसद और जौनपुर की केराकत सीट से विधायक तूफानी सरोज पहली पसंद हैं। उनकी बेटी प्रिया सरोज ने इस बार लोकसभा चुनाव में मछलीशहर सीट से सपा से जीत दर्ज की है। अखिलेश यादव के विधानसभा से त्यागपत्र देने के बाद नेता प्रतिपक्ष का पद खाली हो गया है। इस बीच 29 जुलाई से विधानमंडल का

मानसून सत्र आरंभ हो रहा है। नेता प्रतिपक्ष के लिए अखिलेश के चाचा शिवपाल सिंह यादव, राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज, अति पिछड़ा वर्ग से आने वाले राम अचल राजभर का नाम चल रहा था। वहीं, बसपा से सपा में आए इंद्रजीत सरोज के बजाय पार्टी से ही वर्षों से जुड़े तूफानी सरोज को लेकर संगठन के भीतर सहमति बन गई है। वह समाजवादी पार्टी के टिकट पर तीन बार के सांसद रह चुके हैं। वर्ष 2022 में जौनपुर की केराकत सीट से विधानसभा चुनाव जीते हैं। सूत्रों के अनुसार अखिलेश यादव पूर्वांचल के पासी वोटरों पर अच्छी पकड़ रखने वाले तूफानी सरोज को यह जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। इंद्रजीत सरोज के नाम पर विचार करते हुए कुछ वरिष्ठ नेताओं ने उनके बसपा कैडर से आने के कारण अपनी असहमति जतायी थी।

फिर रातोरात दुल्हन हो गई गायब

अमेठी, 27 जुलाई (एजेंसियां)। शादी को महज 13 ही दिन हुए थे। दूल्हा डिनर करने के बाद सोने के लिए बेडरूम में चला गया। वहां वो बीवी का इंतजार कर रहा था। काफी देर तक जब पत्नी बेडरूम में नहीं आई तो दूल्हा उसे ढूंढने लगा। लेकिन वो कहीं नहीं मिली। रात के 11 बज रहे थे। परिवार के बाकी लोगों से भी पूछा तो उन्हें भी नहीं पता था कि दुल्हन आखिर कहां है। सभी नई नवेली दुल्हन को ढूंढने लगे। उसके मोबाइल पर कई बार फोन भी किया। लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

दूल्हे और उसके परिवार को पता चला कि दुल्हन के सारे गहने और घर का कैश भी गायब है। उन्हें शक हुआ तो उसके मायके में फोन किया। लेकिन दुल्हन वहां भी नहीं थी। फिर कहीं से पता लगा कि दुल्हन अपने प्रेमी संग भागी है। दूल्हा तुरंत नजदीकी थाने पहुंचा। दुल्हन और उसके प्रेमी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने तुरंत दुल्हन की तलाश शुरू की। दूल्हे ने बताया कि दुल्हन का प्रेमी उसी के गांव का है।

सीएए के प्रचार पर शीर्ष भाजपा नेताओं के विरुद्ध हाईकोर्ट में याचिका दायर

राज्य सरकार को दिया जा चुका है नोटिस

प्रयागराज, 27 जुलाई (एजेंसियां)। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) संबंधी अधिनियम का प्रचार प्रसार करने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कुछ अन्य शीर्ष भाजपा नेताओं पर मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। इस पर राज्य सरकार को नोटिस दिया जा चुका है। सुनवाई अगले सप्ताह में होने की संभावना है। याची अलीगढ़ के खुर्शीद-उर- रहमान ने इसी मामले को लेकर पहले धारा 156 (3) के तहत अलीगढ़ जिला न्यायालय में प्रार्थनापत्र दिया था, जिसे सीजेएम ने आठ जनवरी 2024 को खारिज कर दिया था। इस आदेश के विरुद्ध सेशन कोर्ट अलीगढ़ ने भी दाखिल निगरानी याचिका छह अप्रैल 2024 को खारिज कर दी थी। इन दोनों आदेशों को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका में प्रधानमंत्री, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह सहित कमल संदेश नामक पत्रिका के प्रकाशक और प्रबंधक और अन्य लोगों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई है। याची के प्रार्थना पत्र में कमल संदेश नामक पत्रिका में प्रकाशित लेख का हवाला दिया गया है। कहा गया है कि भाजपा के नेताओं ने साजिशन अपने हित में हिंसा, दंगा और धार्मिक भावनाएं भड़काने के लिए पद और शपथ का दुरुपयोग किया। नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर भाजपा नेताओं ने भाषण दिया। होर्डिंग्स तथा कमल संदेश नामक पत्रिका में लेख प्रकाशित करा कर बड़े पैमाने पर प्रचारित कराया। इससे देश में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हुआ, हिंसा भड़की तथा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान हुआ।

गिरफ्तारी के बाद ब्यूटी इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर का बयान, कहा-'फीस के चलते छात्राओं ने लगाए आरोप'

मुरादाबाद, 27 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के मुरादाबाद में धर्मान्तरण के लिए उकसाने के आरोप में लैक्मे एकेडमी की संचालिका रक्षंदा खान गिरफ्तार हुई थी। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए अपने ऊपर लगे आरोपों को झूठा बताया और कहा की मेरे यहाँ सैकड़ों बच्चे पढ़ते हैं। इन छात्राओं ने कोर्स पूरा होने के बाद फीस मांगे जाने पर यह झूठे आरोप लगाए हैं। इसका मेरे पास कैमरे में रिकॉर्ड मौजूद है। लैक्मे इंस्टीटयूट में सैकड़ों बच्चे पढ़ते है। देश का प्रसिद्ध ब्रांड है, जिन बच्चों ने कोर्स के पांच महीने पूरे होने के बाद भी फीस जमा नहीं की है। उन्होंने मेरे ऊपर आरोप लगाए हैं। डायरेक्टर रक्षंदा खान ने यह भी कहा कि पैसे के लिए लोग अपना ईमान बेच रहे हैं। उन्होंने पैसे जमा नहीं किए हैं और हम पर झूठे आरोप लगा रहे हैं। मेरे यहाँ से सीखे हुए छात्र आज अच्छी सैलरी पर नौकरी कर रहे हैं। हमने पुलिस को पूरी बात बताई है और कोर्ट में सब सबूत पेश करेंगे। आप लोगों से इतनी गुज़ारिश है कि सच्चाई का साथ दें सिर्फ मुसलमान होने की वजह से मेरा साथ न छोड़ें। मुझे पुलिस और कोर्ट पर पूरा भरोसा है। निष्पक्ष जांच होने पर सच्चाई सामने आ जाएगी।

बदले बीजेपी विधायक के सुर

सीएम योगी की तारीफ की, पहले जान को बताया था खतरा

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री और कैम्पियरगंज से भाजपा विधायक फतेह बहादुर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपना नेता बताते हुए कहा है कि योगी जी पर पहले भी भरोसा था और आज भी विश्वास है। खुद के जान-माल के खतरे को लेकर हो रही उच्च स्तरीय जांच से संतुष्ट बताते हुए फतेह बहादुर सिंह ने कहा है कि वह जांच से पूरी तरह संतुष्ट हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि उन्हें पिछले पांच सालों से उपलब्ध कराई गई वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की देन है और वह पूरी निष्ठा और आस्था के साथ सीएम योगी के साथ पहले भी थे और अब भी हैं।

अपने लेटर हेड पर एक बयान जारी करते हुए फतेह बहादुर सिंह ने कहा है, "अभी हाल ही में कथित तौर पर कुछ व्यक्तियों द्वारा मेरी जान-माल का खतरा बताया गया, जिसकी प्रशासन द्वारा उच्च स्तरीय जांच एसटीएफ द्वारा कराई जा रही है, लेकिन अभी तक उसकी पुष्टि नहीं हो पायी है। मैं जांच से पूरी तरह संतुष्ट हूं।"

पहले भी था और अभी भी हूं- बीजेपी विधायक

पूर्व मंत्री ने यह भी कहा है, "व्यक्तिगत रूप से मैं माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ पहले भी था और अभी भी हूं। यहां यह भी स्पष्ट करना चाहूंगा कि मुझे पिछले पांच वर्षों से वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा भी माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा उपलब्ध कराई गई है। माननीय मुख्यमंत्री जी योगी आदित्यनाथ जी महाराज के नेतृत्व में मैं पूरी तरह निष्ठा और आस्था के साथ विश्वास रखता हूं।"विधायक ने कहा कि माननीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का उत्तरोत्तर चहुमुखी विकास हो रहा है, जिसकी पूरे देश में सराहना की जा रही है। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी के निर्देश पर विधायक फतेह बहादुर सिंह को वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है। इसके तहत वर्तमान समय में कुल 11 सुरक्षाकर्मी (1-4 की गार्द तथा 6 पीएसओ 8-8 घंटे के लिए) लगाए गए हैं।

सड़क किनारे मिला नोटों की कतरन का ढेर हर कोई हैरान, जांच में जुटी पुलिस

कानपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में उस वक़्त हर कोई हैरान रह गया जब एक ओवर ब्रिज के बाहरी हिस्से पर नोटों की बारीक कटी हुई कतरन मिली। इनमें से दस रुपये से लेकर 20, 50, 100, 200 और 500 रुपये तक के नोट थे। इन नोटों को इतनी बारीकी से क़तरा गया था कि नंबर तक पता नहीं लगाया जा सकता। सड़क पर इतने सारे कटे हुए नोटों को देखने के बाद वहां भीड़ लग गई। पुलिस अब इसकी जांच में जुट गई है कि ये पैसा कहां से आए और कौन इन्हें यहां तक लाया। कानपुर के अरोल थाना क्षेत्र के मेडुआ गांव के पास ओवर ब्रिज से ये नोटों की कतरन का ढेर मिला है। पुलिस के मुताबिक नोटों के ढेर में 10 रुपये से लेकर 500 रुपये तक नोट शामिल हैं। ये नोट ब्रिज के पास बाहरी तरफ पड़े हुए थे। हालांकि ये नोट कहां से आएं। किसने इन्हें काटकर सड़क के किनारे फेंक दिया। ये तमाम सवाल अभी पुलिस के लिए पहेली बने हुए हैं। पुलिस के मुताबिक सड़क के किनारे नोटों की कतरन का ढेर लगा है। लेकिन, इसकी सही कीमत का अंदाजा लगा पाना मुश्किल हैं। इन नोटों को इतनी बारीकी से कतरा गया है कि इन्हें गिन पाना आसान नहीं है। नोटों में लगा वायर भी पूरी तरह से नष्ट करने की कोशिश की गई है। ताकि इस धनराशि का सही से आँकलन न किया जा सके। एक्सपर्ट की माने तो नोटों में एक खास तरह का केमिकल भी लगा होता है जिससे इनकी ठीक से पहचान की जा सकती है। इस मामले पर एडीसीपी विजेंद्र द्विवेदी ने बताया कि पुलिस को सड़क के किनारे नोटों की कतरन पड़े होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद स्थानीय पुलिस और अधिकारियों ने घटनास्थल पर जाकर दौरा किया। वहां पर बड़ी मात्रा में नोटों की कतरन मिली है। इनमें दस रुपये से लेकर सौ, दो सौ और पांच सौ तक के नोट शामिल हैं। पुलिस की ओर से आरबीआई को इसकी जानकारी दे दी गई है।

रत्न भंडार से कीमती सामान गायब होने की आशंका

जस्टिस विश्वनाथ रथ ने जाहिर की चिंता

भुवनेश्वर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पुरी जगन्नाथ मंदिर से क्या भगवान जगन्नाथ जी के खजाना रत्न भंडार से कीमती सामान गायब हैं? रत्न भंडार में संग्रहीत आभूषणों और अन्य कीमती सामानों की सूची के लिए ओडिशा सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ द्वारा किए गए कुछ चौंकाने वाले खुलासे के बाद ऐसे सवालों ने अब एक बार फिर जोर पकड़ लिया है।

जस्टिस रथ ने और क्या बताया?

जस्टिस रथ ने समिति के गठन से लेकर रत्न भंडार खोलने और उसके बाद रत्न भंडार से कीमती सामान स्थानांतरित करने तक की पूरी यात्रा पर प्रकाश डाला है। जस्टिस रथ के मुताबिक, पहले रत्न भंडार की डुप्लीकेट चाबियों को लेकर काफी चर्चा हुई थी, जिसके भीतरी कक्ष में तीन ताले थे। हालांकि, उन्हें एक पैकेट के अंदर एक छोटे सीलबंद कवर के अंदर केवल दो चाबियां मिलीं, जिसमें आभूषणों की एक सूची भी थी। जस्टिस रथ ने कहा है कि कोई भी इंसान सोच सकता है कि ये तो डुप्लीकेट चाबियां हैं, इसलिए सारे ताले इन्हीं दो चाबियों से खुलेंगे। लेकिन कोई भी ताला चाबी से नहीं खुला। हालांकि हमारी एसओपी पहले से ही तैयार थी, इसलिए हमने तीनों ताले तोड़कर रत्न भंडार में प्रवेश किया क्योंकि चाबियां काम नहीं कर रही थीं।

रत्न भंडार की चाबियां तैयार की गईं?

जस्टिस रथ के मुताबिक, पहले से मुझे डुप्लीकेट चाबियों के बारे में तथ्य दिए गए थे। मुझे यकीन था कि कटक के बक्सी बाजार में केवल कुछ व्यक्ति ही ऐसी डुप्लिकेट चाबियां तैयार कर सकते हैं। इसलिए मुझे यकीन था कि रत्न भंडार इन चाबियों से नहीं खुलेगा। मैं लगभग निश्चित था कि चाबियां तैयार थी और ये काम नहीं करेंगी क्योंकि 2018 में प्रयास भी विफल हो गए थे। हम इस बार ताले तोड़कर रत्न भंडार में प्रवेश करने के लिए तैयार थे। जस्टिस रथ के मुताबिक जिस पैकेट में डुप्लीकेट चाबियां थीं और उसमें जो लिस्ट मिली है, वह 1978 की बताई जा रही है। हालांकि जस्टिस रथ ने कहा कि मुझे इस पर आशंका है क्योंकि इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि सूची 2018 में बनायी गई हो, जब डुप्लिकेट चाबियां पाई गईं थीं। अगर यह सूची 1978 में रखी गई होती तो असली चाबियां भी उसी पैकेट में होतीं। कलेक्टर, मुख्य प्रशासक समेत 2018 के तत्कालीन अफसरों ने चाबियां मिल जाने का दावा किया था और कहा था कि डुप्लिकेट चाबियां ट्रेजरी में थी। मुझे ऐसी आशंका है कि 2018 में ही सूची भी तैयार की गई होगी।

रत्न भंडार की स्थिति और मूर्तियों की पहली झलक

1985 के बाद रत्न भण्डार नहीं खुला तो रत्न भण्डार की स्थिति की कल्पना करना स्वाभाविक था। न्यायमूर्ति रथ ने कहा कि मिट्टी के दीपक से पूजा करने के बाद हमने सबसे पहले रत्न भंडार के अंदर प्रवेश किया और सबसे पहले उसमें रखी कुछ छोटी मूर्तियां देखीं।

रत्न भंडार के अंदर खुली अलमारी

जस्टिस विश्वनाथ रथ ने खुलासा किया कि रत्न भंडार के अंदर एक लकड़ी की अलमारी बंद थी। हालांकि दो अन्य लकड़ी की अलमारियों में ताले का प्रावधान था, लेकिन ताले की स्थिति उचित नहीं थी। एक अन्य लोहे के संदूक में दो ताले लगे थे लेकिन एक ताला खुला था। लकड़ी के दो संदूकों में ताले नहीं थे। 1978 में, तत्कालीन सीएम, राज्यपाल और अन्य सहित प्रमुख हस्तियां रत्न भंडार के अंदर गईं थीं। मैं विश्वास नहीं कर सकता कि उन्होंने इन्वेंटरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ताले खुले छोड़ दिए होंगे।

कमेटी को इन्वेंटरी प्रक्रिया के लिए पुरुषों व मशीनों की है आवश्यकता

ओडिशा सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इन्वेंटरी प्रक्रिया 1978 की सूची के अनुसार की जाएगी और एक एसओपी तैयार किया गया है। जस्टिस रथ ने कहा है कि हमने ओडिशा सरकार से आविष्कार (इन्वेंटरी) प्रक्रिया के दौरान आभूषणों, रत्नों और अन्य कीमती सामानों की पहचान करने के लिए आदमी और मशीनें उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। पहले कदम के रूप में, हम 1978 की सूची को ध्यान में रखते हुए रत्न भंडार के अंदर संग्रहीत कीमती सामानों की एक सूची तैयार करेंगे और अब कौन से आभूषण उपलब्ध हैं। आशंका तो है, लेकिन मैं प्रार्थना करता हूं कि भगवान की कोई संपत्ति गायब न हो। इनवेंटरीजेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही चीजें स्पष्ट होंगी।

महिला की गला काटकर हत्या करने वाला आरोपी भोपाल से पकड़ा

बंगलूरू, 27 जुलाई (एजेंसियां)। बंगलूरू में महिला की गला काटकर हत्या करने वाले संदिग्ध आरोपी को मध्य प्रदेश के भोपाल से गिरफ्तार कर लिया गया है। बेंगलुरु पुलिस टीम उसे अपने साथ ले गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

दरअसल, बिहार की रहने वाली 24 साल की कीर्ति कुमारी बंगलूरू की एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी। वह बंगलूरू के कोरामंगला इलाके में एक हॉस्टल में रह रही थी। मंगलवार रात को हॉस्टल में आए एक अज्ञात युवक ने कीर्ति की गला काटकर बेरहमी से हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया।

बेंगलूरू से भागकर आरोपी कई अन्य जगह होते हुए भोपाल पहुंचा, जहां से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की टीम आरोपी को लेकर रवाना हो गई है, जहां उससे घटना के संबंध में पूछताछ की जाएगी। आरोपी युवक द्वारा वीभत्स तरीके से की गई महिला की हत्या और पूरी वारदात हॉस्टल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

एमपी में बारिश से बदला मौसम

आईएमडी ने बताया अगले 24 घंटे का हाल, इन जिलों के लिए अलर्ट जारी

भोपाल, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में बारिश का दौर जारी है। लगातार बारिश होने से राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के अनेक स्थानों पर मौसम में ठंड घुल गई है। मौसम विज्ञान केन्द्र भोपाल के वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश में मौसम की अलग-अलग प्रणालियां सक्रिय हैं, जिसके चलते राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के अधिकतर स्थानों पर रिमझिम बारिश का दौर लगातार जारी है। इस बीच कुछ स्थानों पर तेज बारिश हुई, जिसके चलते उन जगहों पर बाढ़ जैसे हालात बन गए। पिछले चौबीस घंटों के दौरान राजधानी भोपाल में 40.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा रायसेन में 84.4 मिमी, नर्मदापुरम में 61.6 मिमी, पर्यटन स्थल पचमढ़ी में 54. 8 मिमी, जबलपुर में 44. 8 मिमी, सीधी में 46 मिमी, छिंदवाड़ा में 27. 6 मिमी, टीकमगढ़ में 27 मिमी, छतरपुर के नौगांव में 24. 8 मिमी सहित प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी बारिश दर्ज की गई। राजधानी भोपाल में शुक्रवार को दिन भर बारिश की झड़ी लगी रही। हालांकि रात में इसमें राहत रही, लेकिन शनिवार सुबह से फिर बारिश का दौर शुरू हो गया।

मौसम विभाग ने अगले चौबीस घंटों के दौरान रायसेन, सिहोर, नर्मदापुरम, श्योपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, पन्ना, सागर और पांढुर्णा जिलों में जहां अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया, वहीं भोपाल, विदिशा, राजगढ़, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, रतलाम, देवास, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, मुरैना, सीधी, सतना, शहडोल, उमरिया, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, मंडला, दमोह, छतरपुर तथा मैहर जिले में अनेक स्थानों पर भारी वर्षा की चेतावनी दी है। इसके अलावा अन्य स्थानों पर गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को बचाने की हर कोशिश कर रही भारत सरकार, यमन के राष्ट्रपति लेंगे अंतिम फैसला

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। यमन के सुप्रीम कोर्ट ने एक भारतीय नर्स,निमिषा प्रिया को मौत की सजा सुनाई है। कोर्ट ने एक नागरिक, तलाल अब्दो महदी की हत्या के मामले में मौत की सजा सुनाई है। मौत की सजा का मामला फिलहाल यमन की राष्ट्रपति के पास है। हालांकि, दया याचिका पर अभी तक राष्ट्रपति ने कोई कार्रवाई नहीं की है। केंद्र सरकार ने लोकसभा में यह जानकारी दी। कुछ दिनों पहले यह मामला लोकसभा में भी गूंजा था। सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में यह जानकारी दी कि यमन के उच्चतम न्यायालय ने भारतीय नर्स को यमन के एक नागरिक की हत्या के मामले में मौत की सजा सुनाई है और उसका मामला फिलहाल उस देश के राष्ट्रपति के पास है। दया याचिका पर अभी तक यमन के राष्ट्रपति की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में लिखित सवाल का जवाब देते हुए बताया कि भारत सरकार इस मामले में महिला को हर संभव सहायता प्रदान कराने की कोशिश कर रही है। केंद्र सरकार की कोशिश है कि महिला तक राजनयिक मदद पहुंचाई जाए। वहीं, भारतीय नर्स को वकील भी मुहैया कराया जाए। बता दें कि यमन के सना में स्थित सर्वोच्च न्यायालय ने एक यमनी नागरिक की हत्या के आरोप में निमिषा प्रिया को मौत की सजा सुनाई है।

निर्दोषों का उत्पीड़न पाप के समान

गैंगस्टर एक्ट पर इलाहाबाद हाई कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

प्रयागराज, 27 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में गैंगस्टर एक्ट को लेकर सख्त टिप्पणी की है। हाल ही में इलाहाबाद हाई कोर्ट में पांच व्यक्तियों ने गैंग चार्ट तैयार करने को लेकर कोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका में पांच लोगों ने तर्क दिया था कि गैंग चार्ट 2021 के नियमों के अनुसार नहीं तैयार किया गया था, जिस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह अधिकारियों को ट्रेनिंग दें या क्रैश कोर्स के लिए भेजे ताकि वे निर्देशों के अनुसार गैंग चार्ट तैयार करना सीख सकें। जस्टिस सिद्धार्थ वर्मा और जस्टिस अरूण कुमार सिंह की डबल बेंच ने अलग अलग याचिकाओं की सुनवाई करते हुए ये सब कहा है।हाईकोर्ट ने निर्दोष व्यक्तियों पर गैंगस्टर एक्ट लगाने को लेकर चिंता जताते हुए कहा, निर्दोषों का उत्पीड़न एक बड़े पाप के समान है। हाईकोर्ट ने गैंगस्टर प्रक्रिया का पालन किए बगैर गैंगचार्ट तैयार करने पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि यूपी में गैंगस्टर अधीनियम 2021 की निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं हो रहा है।

धार्मिक ग्रंथों का दिया हवाला

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धार्मिक ग्रंथों का हवाला देते हुए कहा, ऋग्वेद, बाइबिल और कुरान निर्दोष लोगों के उत्पीड़न पर रोक लगाते हैं। साथ ही हाई कोर्ट ने अधिकारियों को उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना गैंगस्टर अधिनियम लागू करने के लिए फटकार लगाई है। कोर्ट ने उचित गैंग चार्ट तैयार न करने के लिए सरकारी अधिकारियों की भी की तीखी आलोचना की है। अदालत ने कहा, गैंग चार्ट तैयार करने में अधिकारी विवेक का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। सरकार इन्हें ट्रेनिंग दें। प्रमुख सचिव और सचिव गृह से हाई कोर्ट ने कहा कि निदेर्शों का पालन कराया जाए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नैतिक न्याय पर जोर दिया है।

बाइबल का दिया हवाला

हाई कोर्ट ने बाइबल का भी हवाला देते हुए कहा कि धार्मिक ग्रंथ बाइबल में लिखा है कि "झूठे आरोप से कोई लेना-देना न रखें और निर्दोष या ईमानदार व्यक्ति को मौत की सजा न दें। महोबा के अब्दुल लतीफ, इटावा के हेतराम और बिजनौर के रितिक की तरफ से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट ने अलग-अलग आपराधिक याचिकाओं की सुनवाई करते हुए ये निर्देश दिए। हाई कोर्ट ने कहा कि किसी भी निर्दोष को गैंगस्टर के मामले में न फंसाया जाए।

पबजी की लाइव स्ट्रीमिंग में रिकॉर्ड हुआ हत्या का ऑडियो

लव मैरिज से नाखुश लड़की के परिजनों ने युवक को उतारा मौत के घाट

छत्रपति संभाजी नगर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। जिले में ऑनर किलिंग का एक मामला सामने आया है। हैरान कर देने वाली बात तो ये है कि हत्या के समय मृतक युवक पबजी खेल रहा था। इसी दौरान उस पर हमला किया गया। इस बीच अब पबजी खेलने के दौरान की स्क्रीन रिकॉर्डिंग सामने आई है। इस रिकॉर्डिंग में हत्या के दौरान का ऑडियो सुना जा सकता है। बताया जा रहा है कि मृतक युवक ने अपनी एक दोस्त के साथ शादी की थी, लेकिन लड़की के घर वाले इस शादी से नाखुश थे। दोनों की शादी के अभी एक महीने भी नहीं हुए थे, तब तक युवक पर हमला हो गया। बताया जा रहा है कि युवक की चाकू गोदकर हत्या की गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक घटना महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर की है। यहां अमित नाम के 22 वर्षीय युवक ने अपने बचपन की दोस्त विद्या कीर्तिशाही से शादी की थी। शादी के बाद लड़के के परिवार वालों ने इसे स्वीकार कर लिया था, लेकिन लड़की का परिवार इस शादी से नाखुश था।

इस शादी से युवक और युवती दोनों खुश थे, लेकिन उनकी ये खुशी लगभग एक महीने भी नहीं टिक पाई। लड़की के परिवार में उसके भाई और पिता ने 14 जुलाई को युवक अमित के ऊपर हमला कर दिया। हमले के बाद अमित को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

नवी मुंबई में दर्दनाक हादसा, बहुमंजिला इमारत गिरने से कई लोग मलबे में दबे

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। शहर के शाहबाज गांव में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां पर एक तीन मंजिला इमारत गिर गई है। इमारत गिरने के बाद मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। अभी तक प्राप्त जानकारी के मुताबिक दो लोगों को जिंदा मलबे से बाहर निकाला जा चुका है। फिलहाल मौके पर एनडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन दल और नगरपालिका के अधिकारी पहुंच गए हैं। वहीं राहत और बचाव का कार्य तेजी से किया जा रहा है। पूरी घटना सेक्टर 19, बेलापुर शाहबाज गांव की बताई जा रही है।

सुबह 4:50 बजे हुआ हादसा

फायर विभाग के एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सुबह 4 बजकर 50 मिनट पर उन्हें इमारत गिरने की जानकारी मिली थी। सूचना मिलने के बाद हमारी टीम यहां पर पहुंची, जिसके बाद हमने देखा कि दो लोग फंसे हुए थे। सैफ अली और रुख्सार खातुन को हमने जीवित बाहर निकाल लिया है। मोहम्मद सिराज नाम का एक शख्स अभी भी लापता चल रहा है, जिसकी तलाश की जा रही है। कई टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।

सिर्फ 10 साल पुरानी थी इमारत

इसके अलावा नवी मुंबई नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि इमारत गिरने की सूचना हमें मिली तो हम यहां पर पहुंचे। इसमें तीन दुकानें और 13 फ्लैट थे। अभी तक 52 लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। इसके अलावा दो लोगों को रेस्क्यू करके बाहर निकाला गया। अभी भी जो लोग फंसे हुए हैं उनको बाहर निकालने का काम किया जा रहा है। जो लोग सुरक्षित हैं उनको रेस्क्यू शेल्टर में भेज दिया गया है। इसके अलावा घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बिल्डिंग अभी 10 साल ही पुरानी बताई जा रही है। हालांकि इस घटना के पीछे क्या वजह रही इसकी जांच की जा रही है।

कांग्रेस नेता की अगरबत्ती फैक्ट्री में लगी आग

लाखों का नुकसान, पहले भी हो चुका है हादसा

भोपाल, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल में बैरसिया रोड स्थित लांबाखेड़ा में बनी कांग्रेस नेता गोविंद गोयल की अगरबत्ती की फैक्टरी में देर रात अचानक आग लग गई। आग लगने की खबर लगते ही मौके पर पहुंची गांधीनगर, छोला, कबाड़खाना और फतेहगढ़ फायर स्टेशन की दमकलों ने आग पर काबू पाया। बता दें कि घटना रात तीन बजे की होना बताई जा रही है। आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। नगर निगम के फायर फाइटर पंकज यादव ने बताया कि फैक्टरी में कुछ टूव्हीलर्स भी रखे थे, जो आग की चपेट में आने से बच गए। आग से कोई जनहानि नहीं हुई है। आग कैसे लगी, यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। लांबाखेड़ा इलाके में कांग्रेस के सीनियर नेता गोयल की पूजा-पाठ नाम से अगरबत्ती की फैक्टरी है।

आग की वजह से खासा नुकसान होने की बात भी सामने आ रही है। आग की सूचना के बाद में ईंटखेड़ी पुलिस भी मौके पर पहुंची। इसी फैक्ट्री में पहले आग लग चुकी है। करीब छह घंटे की कोशिश के बाद आग पर काबू पाया जा सका है। आग लगने से लाखों रुपये का नुकसान होने की बात सामने आई है।

58 घंटे से बरस रही है आफत

बाढ़ से घर टूट गए और खाने-पीने का सामान भी नष्ट, अब कहां जाएं?

कटनी, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के कटनी जिले में करीब 58 घंटे हुई बारिश ने कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात कर दिए। लोगों के धर पानी में डूब गए और सारा सामान खराब हो गया। हालांकि, अब बाढ़ का पानी धीरे-धीरे उतरने लगा है, लेकिन जाते-जाते उसने सिर्फ तबाही के निशान छोड़े हैं। कटनी जिले के ढीमरखेड़ा, स्लिमानाबाद के करीब 20 गांव में आई बाढ़ ने सैकड़ों कच्चे घरों को निस्तोनाबूत कर दिया। किसी ने अपना घर और गृहस्थी का सामान खोया तो किसी के मवेशी बाढ़ में बह गए। जिला प्रशासन, पुलिस, स्थानीय समाजसेवी समेत एसडीईआरएफ और एनडीआरएफ की रेस्क्यू टीम ने करीब 2300 लोगों को सुरक्षित राहत शिविरों तक पहुंचाया, जहां उनको खाने-पीने से लेकर अन्य व्यवस्थाएं कराई जा रही हैं।

फिर भी लोगों के चेहरे पर परेशानियों की लकीर साफ नजर आ रही है। कटनी जिला प्रशासन द्वारा लोगों के रुकने और खाने-पीने की व्यवस्थाओं के लिए 9 अस्थाई राहत केंद्र बनाए गए हैं जहां महिला, पुरुष, बच्चे सहित कुल 2300 लोग आश्रय लिए हुए हैं। हालांकि, वहां मौजूद लोगों की एक ही परेशानी है कि यहां से निकलकर कहां जाएंगे। उमरियापान के छोटी पौड़ी निवासी पुष्पलता बर्मन ने अपनी आपबीती बताई कि किस तरह वो अपने पति और 2 बच्चों को कंधे पर बिठाकर गले तक भरे पानी से बाहर आई हैं। लेकिन, उनका सब कुछ पानी में तबाह हो गया है, न घर बचा, न खाने को अनाज। लोगों से उनकी स्थितियों और समस्याओं का जायजा लेने राहत शिविर केंद्र पहुंचे कलेक्टर दिलीप कुमार यादव और बड़वारा विधायक धीरेंद्र सिंह को देख लोगों की आस जाग उठी।

पीड़ितों ने उन्हें बताया कि हमारी फसल नष्ट हो गई और कच्चे मकान टूट गए हैं। पहनने के कपड़े से लेकर खाने का अनाज खराब हो गया, पैसों का भी कुछ पता नहीं है। प्रशासन ने 4 दिनो की व्यवस्था की है, लेकिन हम सब लौटकर कहां जाएं। हमने सब कुछ खो दिया है, हमारे लिए मकान और राशन का इंतजाम कराएं, ताकि जीवन यापन की शुरुआत हो सके।

शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल शुरू करेगा केरल

महीने में 4 दिन 'बैग फ्री डेज' पर फैसला लेने जा रही विजयन सरकार

तिरुवनंतपुरम, 27 जुलाई (एजेंसियां)। देश के सभी राज्यों में से दक्षिण भारतीय राज्य केरल में सबसे ज्यादा साक्षरता दर है। इसके पीछे कई वजहें हो सकती हैं, लेकिन इसी बीच केरल सरकार शिक्षा के क्षेत्र में एक और कदम उठाने जा रही है। बच्चों के माता-पिता को इस बात की चिंता रहती है कि उनके बच्चे का बैग भारी है। सरकार अभिभावकों की इसी चिंता का निवारण करने पर विचार कर रही है। केरल की पिनाराई विजयन सरकार 'बैग फ्री डेज' पहल पर काम कर रही है। अगर सब कुछ सही रहा तो बच्चों को अब स्कूल में भारी बैग लेकर नहीं जाना पड़ेगा। योजना के मुताबिक बच्चों को महीने में चार दिन बैग ले जाने से मुक्ति मिलेगी। केरल के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने कहा है कि स्कूल बैग के वजन को लेकर बढ़ती शिकायतों के मद्देनजर राज्य सरकार बच्चों और अभिभावकों की चिंताओं को दूर करने के लिए कई उपायों पर विचार कर रही है।

भारी स्कूल बैग के मुद्दे पर जल्द फैसला लेगी सरकार

शिवनकुट्टी ने शुक्रवार को दिए एक बयान में कहा कि सरकार राज्य में कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों के भारी स्कूल बैग के मुद्दे पर जल्द ही फैसला लेगी। अभिभावकों और सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली को पसंद करने वाले लोगों की ओर से कई शिकायतें और सुझाव आ रहे हैं।

स्कूल बैग अभी भी बहुत भारी हैं की शिकायतें मिल रहीं

शिक्षा मंत्री शिवनकुट्टी ने कहा कि केरल में बच्चों के कंधे के बोझ को कम करने के मकसद से पाठ्यपुस्तकों को पहले से ही दो भागों में छापकर बांटा जा रहा है, लेकिन, ऐसी शिकायतें हैं कि स्कूल बैग अभी भी बहुत भारी हैं।

स्कूल बैग के वजन को लेकर निर्देश होंगे जारी

उन्होंने कहा कि कक्षा 1 के छात्रों के स्कूल बैग का वजन 1.6 से 2.2 किलो और 10वीं के छात्रों के स्कूल बैग का वजन 2.5 से 4.5 किलो के बीच रखने के निर्देश जारी किए जाएंगे।

मां से झगड़ा कर इंदौर पहुंची नाबालिग, स्टेशन पर मिले शख्स ने रचाई शादी; एक साल बाद दिया तलाक

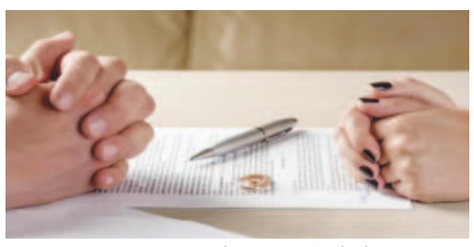

राजगढ़, 27 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के ब्यावरा में शादी के एक साल बाद तलाक देने का मामला सामने आया है। हैरान करने वाली बात तो ये है कि पीड़िता नाबालिग है। पीड़िता की आरोपी से पहचान इंदौर रेलवे स्टेशन पर हुई थी। दरअसल, एक साल पहले अपनी मां से किसी बात को लेकर हुए विवाद के बाद पीड़िता नाराज होकर इंदौर पहुंच गई थी। यहीं इंदौर रेलवे स्टेशन पर नाबालिग को एक युवक ने झांसा दिया और उससे शादी कर ली। अब एक साल बाद जब पीड़िता ने घर जाने की बात कही तो आरोपी ने उसे तलाक दे दिया है।

मामले की जानकारी देते हुए ब्यावरा एसडीओपी नेहा गौड़ ने बताया कि ब्यावरा सिटी थाना क्षेत्र से 08 अप्रैल 2023 को एक नाबालिग बिना बताए कहीं चली गई थी। इसके बाद ब्यावरा सिटी थाने में गुमशदगी का मामला दर्ज किया गया और उसकी तलाश शुरू की गई लेकिन वो कहीं नहीं मिली। इसके एक साल बाद पुलिस ने नाबालिग को दस्तयाब कर उसका बयान लिए। पुलिस को दिए बयान में नाबालिग ने बताया कि वह अपनी मां से झगड़े के बाद नाराज होकर बड़ी बहन के यहां अशोकनगर जाना चाहती थी। लेकिन गलत ट्रेन में बैठने की वजह से इंदौर पहुंच गई।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि इंदौर रेलवे स्टेशन पर उसे 26 वर्षीय युवक संदीप वाल्मीकि मिला। संदीप ने उसे झांसे में लिया और करीब 20 दिन तक उसको साथ में रखा। इसके बाद उससे शादी रचा ली। शादी के बाद करीब एक साल तक दोनों साथ रहे। जब पीड़िता ने संदीप से अपने घर जाने की कही तो संदीप ने उसे तलाक दे दिया। इसके बाद पुलिस ने नाबालिग को दस्तयाब कर नाबालिग के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। ब्यावरा एसडीओपी नेहा गौड़ ने बताया कि नाबालिग के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी संदीप को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

लोक आस्था के पितामह : भगवान शिव

अतुल कुमार

श्रावण मास को पूरे बारह महीनों में सबसे उत्तम माना गया । वर्षा धरती पर बरस उसका श्रृंगार करती है तो लोग घरों मंदिरों में भगवान शिव का जलाभिषेक कर उनकी आराधना करते हैं । श्रावण अर्थात श्रवण (सुनना) भक्तिपूर्ण कथाओं के ज्ञान का मन पर अभिषेक होगा तो मन शांत और शक्ति से युक्त होगा ।दरअसल श्रावण मास भगवान शिव का सबसे प्रिय मास है इस मास में श्रावण सोमवार को व्रत रखने का विधान है । सोमवार भगवान भोलेनाथ का दिन माना गया । इसी पावन मास में शिव भक्तों द्वारा कांवण यात्रा का आयोजन किया जाता है । आम बोलचाल की भाषा में इसे " सावन का महीना " कहा जाता है । पुराणों के अनुसार इस महीने भगवान शिव और पार्वती धरती लोक पर निवास करते हैं अतः यह पूर्ण भक्ति का मास कहलाया । ईश्वर की स्तुति कर किसान नयी फसल की बुआयी करते हैं तो प्रकृति भी सावन मास में नये पेड पौधों को जन्म देती है मनुष्य ,पशु , पक्षी भी इससे खुशहाल महसूस करते हैं ।

गुज़रे ज़माने की फिल्मों में सावन पर गाने होते जो खूब चलते जिनमें सावन की महत्ता का वर्णन होता ।अब फिल्मों में ऐसे गाने सुनायी नहीं देते । मौजूदा फिल्मों पर रिमेक , नकल और फार्मूला हावी है जो जडों से कटा है तुर्रा यह कि आडियंस यही चाहती है । सावन प्राण शक्ति ,बारिश और प्रकृति के विलक्षण सौंदर्य का मास है जिसमें ऊर्जा, ऊष्मा और उमंग का वास कूट कूट कर भरा है ।बख़्शी साहब ने यूं ही नहीं लिखा " बदरा हो बदरा छाए कि झूले पड गये हाय कि ,मेले लग गये ,मच गयी धूम रे ,बदरा हो बदरा छाए कि झूमे पर्वत हाय रे कजरारी बदरिया को चूम रे कि आया सावन झूम के " आज की तरुण और युवा पीढी चैनलों पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों में झूम झूम कर यही 55 साला पुराना गाना गा रही है । सोचिये ! उस दौर के गानों में प्रकृति ,मौसम और उसकी छटा का कितना दिलकश बयां होता । इसी गीत में लक्ष्मीकांत प्यारेलाल का मधुर संगीत और ढोल की ऐसी थापें कि मन मुग्ध होता ।उस दौर में बडे पर्दे पर फिल्म में यह गाना आता तब चवन्नियों और अठन्नियों की बारिश होती । और अब ?

श्रावण मास में शिव तत्व की खोज को जीवन के लिये ज़रूरी माना गया। शिव हमेशा ध्यान मग्न ,चिंतन , और तपस्या में लीन रहते हैं इसे मानसिक और शारीरिक शक्ति का स्रोत माना गया ।ऊर्जा का विस्तार ही शिव को असीम ,अनंत और अपरंपार बनाता है । भीतरी ऊर्जा के विस्तार के कारण ही शिव नृत्य करते हैं और प्रकृति की भिन्न भिन्न शक्तियों को देख प्रसन्न होते हैं क्यों कि सावन में प्रकृति अपने संपूर्ण रस और रंगों के साथ अठखेलियां करती हैं दरअसल सावन वास्तविक जीवन में मनुष्य को अपने अंदर की शक्तियों को पहचानने का मौका देता है । सावन में ही रसीले फलों की आवक अधिक होती है ताकि मनुष्य अधिक ऊर्जावान बने । प्रकृति ने हमेशा मानव को प्रिय पुत्रवत प्यार दिया । इसलिये किसी ने खूब कहा , " मोहब्बत तो वो बारिश है जिसे छूने की चाहत में / हथेलियां तो गीली हो जाती हैं पर हाथ खाली ही रह जाते हैं // "

शिव आदियोगी या पहले योगी हैं , जिसे हम आज योगिक विज्ञान के रूप में जानते हैं उसके जनक शिव ही हैं । वह सर्वेश्वर देवता ,सर्वात्मा और सभी के दृष्टा हैं ।उनकी महिमा से संपूर्ण जगत व्याप्त है। अतः कण कण में उनको माना गया । इतने विशाल ,विराट और व्यापक हृदय कि

प्रकृति की सभी वंचित और ठुकरायी चीज़ों को भी आश्रय दिया जैसे धतूरा जिसमें लंबे शूल होते हैं को अपनी पूजा में स्थान दिया । शास्त्रों के अनुसार एक बार ध्यान मग्न बैठे थे लंबी अवधि के बाद आंखें खोलीं तो उससे जल की दो बूंदे धरती पर गिरीं जिससे रुद्राक्ष के वृक्ष का जन्म हुआ जो उनको प्रिय है रुद्राक्ष की माला या रुद्राक्ष को पूजनीय मान मनुष्य के लिये कल्याणकारी माना गया ।

शिव कला साधक हैं नृत्य कर्ता के रूप में नटराज कहलाए । इसके माध्यम से मानव को पांच कलाएं प्रदान कीं वह हैं कला , विद्या , राग , काल और नियति जो मनुष्य के कर्तृत्व से बनती हैं । शिव की सभी शिक्षाएं जगत कल्याण के लिये हैं । धरती पर जीवन की शुरुआत शिव ने ही की इसलिये उनको आदिदेव या आदिनाथ कहा गया । पुराणों के अनुसार सृष्टि के आरंभ में धरती हिमयुग की चपेट में थी इसलिये भगवान शंकर ने धरती के केंद्र कैलाश को अपना निवास स्थान बनाया विष्णु ने समुद्र को और ब्रह्मा ने नदी के किनारे को अपना स्थान बनाया । प्रसंगानुसार एक बार भगवान शिव धरती के लोगों पर कुपित हो गये और कहा जब तक यह सुधरेंगे नहीं बारिश नहीं होगी उनके शंख बजाने से बारिश होती है । अत; शंख नहीं बजाया । एक दिन भरी दोपहर में देखा कि एक किसान धूप में खेत की जुताई कर रहा है पसीने में नहाया लेकिन अपनी धुन में मगन जी तोड मेहनत कर रहा है पर उसकी आंखों में आत्मविश्वास था कि बारिश होगी शिव और पार्वती वेश बदल आकाश से नीचे उतर किसान के पास गये और कहा अरे भाई तू क्यों बेकार कष्ट उठा रहा है किसान ने हल चलाते हुए उत्तर दिया हां ! श्रीमान ठीक कह रहे हैं ,भोलेनाथ की कृपा से कभी तो बारिश होगी तब तक मैं हल चलाने के गुण भूल न जाउं इसलिये हल चला रहा हूं जिससे मुझे परमानंद मिलता है ।

इसे सुन शिव इतने प्रसन्न हुए कि कहा मुझे भी शंख बजाने से आनंद की अनुभूति होती है । कह ! झोले में से शंख निकाला और बजाने लगे इसलिये कहा गया भक्ति और भक्त के बस में हैं भगवान । शंख के बजते ही बारिश होने लगी । उक्त प्रसंग सीख देता है कि प्रतिकूल परिस्थितियों में हिम्मत हार परिश्रम को न त्यागें क्यों कि जो कहा जाता है ऊपर वाला देख रहा है उसी के साकार रूप को यह दर्शाता है ।

भगवान शिव घर गृहस्थी के देवता हैं जिन्होंने सबसे पहले परिवार के स्वरूप की शुरुआत की । पार्वती उनकी पत्नी हैं तो गणेश और कार्तिकेय उनके पुत्र हैं ।आज भी शिव के पति रूप को सर्वश्रेष्ठ माना गया अतः कुंवारी कन्याएं शिव समान पति पाने के लिये सोमवार का व्रत करती हैं ।" उं नम : शिवाय " को पृथ्वी की संपूर्ण शक्तियों का मंत्र माना गया । उनका अर्धनारीश्वर रूप इसका द्योतक है कि प्रकृति (स्त्री) और पुरुष दोनों एक दूसरे के बिना अधूरे हैं और साथ मिलकर ही संपूर्ण होते हैं । किसी की महत्ता कम नहीं बल्कि समान ।वह निर्माता और विध्वंसक भी हैं अतः कहा गया वो प्रकाश हैं तो अंधेरा भी । आंदोलन हैं तो शांति भी वही हैं । कल्याणकारी इतने कि एक लोटा जल चढाने से प्रसन्न होते हैं वास्तव में वो जल जीवन और जंगल के देवता हैं इसलिये उन्हें देवाधि देव महादेव कहा गया ।

श्रावण मास में शिव पूजन की परंपरा है वह समय अर्थात काल के स्वामी हैं अतः उन्हें महाकाल कहा गया । पूरे विश्व के स्वामी हैं इसलिये विश्वनाथ कहलाए । उनके सिर पर गंगा है , चंद्रमा सिर पर विराजते हैं इसलिये चंद्रमौलि कहे गये । शिव की स्तुति प्रकाश है जहां सदा प्रेम ,करुणा ,साधना और बंधुत्व का भाव है इसलिये कहा गया कि शरीर ,मन और बुद्धि से आत्मा की यात्रा है अतः यह शिवार्चन ही तो है । मान्यता है कि शिव की साधना करने पर परिवार में सुख शांति और समृद्धि बनी रहती है क्यों कि वह इसके जनक हैं ।इसलिये उन्हें महेश्वर और लोक पितामह कहा गया ।

काव्य कुंज

आशाओं की लड़ी सावन की झड़ी

प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

सावन की झड़ी
आई आशाएं कितनी लाई,
हरित हरियाली धरती पर उग आई
कुंभलाए से पत्तों पर
प्राण वायु भर आई
सावन की झड़ी आई ।
छम - छम संगीत के
सुर में कजरी लहराई,
धान की रोपाई के संग चूड़ियों की खनक खनकी,
पायल की छनक से चहूं दिशा गूंज आई।
सावन की झड़ी आई।
कवियों के कलम ने भी कागज के रंग डाले,
कितने सारे पन्ने, फिर भी कुछ कमी पाई,
सावन की झड़ी आई ।
मयूर के नर्तन से, कोयल की कूक से, पपीहे की पीहु से,
हवाओं के झोंकों के संग प्रकृति में खुशियां छाई।
सावन की झड़ी आई ।
सावन का महीना शुचिता का महीना,
अन्न दाताओं का महीना,
वसुंधरा के भरण पोषण का महीना,
फसलों का महीना ।
कल- कल नदियों के बहने का महीना,
घनघोर घटा के संग उत्सव मना लाई,
सबके मन को हर्षाई सावन की झड़ी आई।

मधुर संगीत - मधुर वातायन

कुमुद बाला,
हैदराबाद

मधुर संगीत - मधुर वातायन ,
जीवन में बहती सुंदर सरिता ,
आकाश के नीले पन्नों पर ,
मैंने भी लिख डाली एक कविता।।
उमंगों से भरे हुए ,
पंछियों के सुंदर कलरव
हरी - हरीतिमा लिये हुए ,
शाखों के पल्लव
इंद्रधनुष के सप्त रंगों की अद्वितीय दिव्य प्रत्यंचा
झरनों-खलिहानों का गुंजारित-उमंगित वैभव
अच्छा लगता है जब कल्पना के पँखों पर रच जाती सुंदरता
आकाश के नीले पन्नों पर, मैंने भी लिख डाली एक कविता।।
सच तो यह है जले नहीं हैं , दीये खुशबू के
गुलज़ार हवा नहीं है , अब बागों - मधुमय में
शाख - शाख बिखरी हैं मुरझाई व निरीह सी
एक कली भी नहीं खिली मन-आँगन-उपवन में
उलझते संसार के दीपक की लौ में, सुलग रही है कटूरता,
है सीमा पर बढ़ता आक्रोश , आखिर कब तक
नेता के घर करोड़ों रुपये , आखिर कब तक
जनता को लूट मने दीवाली , आखिर कब तक
हाय कर भूख से मरते बच्चे , आखिर कब तक
आयेगी कब ताज़ा हवा औ कब होंगे बाग हरित हर्षिता,
गरीब किसान रोज़ मरता , किससे दुखड़ा कहे
बेईमान सारे यहाँ , किससे वह विपदा कहे
लूट का रुपया ही बस , नेता को दिखाई देता
हो समस्या का निवारण , ये नहीं सुनाई देता
कैसे दूर हो दुःख जनता का , कैसे आये खेतों से संपदा,
प्रदूषण ही प्रदूषण है , आज वातावरण में
पौधों की दुनिया से , अनभिज्ञ हैं स्वयं आँगन में
रंगबिरंगी तितलियाँ और श्यामल शलभ का गुंजन
वह संसार कहाँ जिसमें है , पवित्रता प्राँगण में
घर-घर हो वृक्ष की अगर कल्पना तो,बज उठेगी बंसरी हरिता ,
आकाश के नीले पन्नों पर , मैंने भी लिख डाली एक कविता।।

पतवार बन जाओ

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

भँवर बिच फँसी जीवन नैय्या।
गुरु जी पतवार बन जाओ ना।
डूब न जाये नाव मेरी।
आप मोहे पार लगाओ ना।
पार लगाकर मुझे गुरु जी।
कुछ ज्ञान मुझे सिखाओ ना।
जीवन व्यर्थ न जाये मेरा।
जीवन सार समझाओ ना। हमारे भीतर अज्ञान अंधेरा।
आप आये ले ज्ञान सवेरा।
मुझ अंधे को राह दिखाकर, लक्ष्य तक पहुंचओ ना।
अंधकार भरे जीवन मे। प्रकाश ईश दिखलाओ ना।
हर सांस है ईश नाम भरोसे। आप ज्ञान अमृत पिलाओ ना।
गुरु बिन सूझे न रास्ता कोई।
गुरु बिन मुझे वास्ता न कोई।
काम क्रोध मद लोभ में हूँ फँसी,
इस दल दल से मुझे बचाओ ना।
झूठे रिश्ते झूठे नाते।झूठी कसमे झूठे वादे।
सच मे मेरा कोई नहीं हैं। अक्ल मुझे सिखलाओ ना।
मेरा भरम मिटाओ गुरु वर। मेरा सपन हटाओ गुरुवर।
नींद में अनमोल जन्म गंवाया,नींद से मुझे जगाओ गुरुवर।
ईश से मुझे मिलाओ गुरुवर।भक्ति दीप जलाओ ना।
धोखा सबसे खाकर बैठी।आप से आस लगाकर बैठी।
कुछ तो जतन कराओ गुरु जी। जीवन धन्य बनाओ गुरु जी
ईश दरस कराओ गुरु जी। गुरु धर्म निभाओ ना।
सुख की आस लगा के बैठी। अज्ञान से विश्वास जगा कर बैठी।
घर मे रहते सब अलग अलग, मां को कोई देख पाए ना।
कीचड़ में कमल सी रहती। मछली हूँ जल बिन तड़पती।
आत्मा मेरी रोती दिन रात , घर मेरा बचालो ना।
आपको मेरा प्रणाम गुरु जी। दुनिया से नहीं काम गुरु जी।
चरणों मे अर्पण गुलाब आपके,
आप साधे तो सधते काम गुरू जी।
मुश्किल मेरी मिटाओ ना। सुख एहसास कराओ ना।
दर्शन से दुःख दूर करिये।वेदना पूरी हर लीजिये।
भक्ति प्रकाश फैलाइये।मेरी ओर नज़र घुमाइए।
मोह का तम बिसराओ ना।जीवन सार दिखलाओ ना।
दर्पण सा मन बनाओ ना। छवि निर्मल दिखलाओ ना।

चलो चलो शिव के आंगन

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

बारिश की फुहार से
भीग रहा घर आंगन,
मन को लुभा रहा सावन
सबको भिगो रहा सावन,
जलाभिषेक का समय आ गया
चलो चलो शिव के आंगन।।
तीज त्योहार से भरे भरे दिन
नया जोश भर देवे मन में ,
बम बम भोले गूंज हो रही कावड चल पड़े जल भर के,
सावन की होए जब दस्तक जलाभिषेक ही है मकसद,
कावड़ से हो जाएं पावन। चलो चलो शिव के आंगन।।
हरिद्वार से कावड़ भरकर रामेश्वरम ले जाना है,
कठिन डगर है दूर नगर है पर हमको वहां जाना है,
सावन के महीने का तो, हमको लाभ उठाना है,
कावड़ का पकड़ के दामन। चलो चलो शिव के आंगन।।
बचपन से कांधे पे कावड़संस्कार बन गये हैं कावड़,
जबतक जलाभिषेक न करे कावड़ धरती पर न धरे
नंगे पांव धरती पर चलकरशिवरात्रि पे जल अर्पण कर,
सोमवार का करके ध्यानम। चलो चलो शिव के आंगन।।

बड़ी हसरत से...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

हुनर जिसमें था झुक जाने का,मुस्कराते रहे
थे राहों में बवंडर,हस्ते हसाते गले लगाते रहे
यह रीत जिसने सीख ली,समझो प्यारे जंग जीत ली
कहीं थक गए मार्ग में
उलझी गुत्थियां सुलझाते रहे
हां अगर चलते रहे तो सफर चांदी
बड़ी हसरत से गुजर गई
कल शाम मेरे घर से आंधी
अच्छा तो लगता हाथ में लिए शमशीरें
विंगा विंगा चलता
कहता काट डालूंगा हाथ की लकीरें
कभी कभार पासा पलट जाता है
चीखता चिल्लाता मुंह की खाता है
हार या जीत,यह तो जिंदगी का हिस्सा
अगर विनम्र रहे तो बॉजी मारी
बड़ी हसरत से..
देखा कभी कांटों से लिपटा फूल गुलाब
झूमता नाचता गाता,मस्ती भरा शबाब
चेहरे पर रौनक ही रौनक, नहीं थी बेचैनी
जीना इसी का नाम,बना गुलशन का नवाब
तू तू मैं मैं में जो उलझा रहा,उसकी जगत में हासी
बड़ी हसरत से...

बौनी लड़की

पूजा महेश
हैदराबाद

एक मोटी, काली सी बौनी लड़की
मेरे घर के पास थी
अपने रंग, रूप और कद के कारण
वह अपने जीवन से उदास थी
लोगों के तानों ने उसका
सीना छलनी कर दिया था
जिंदगी के अरमानों का दीया
जलने से पहले ही बुझ गया था
दुनिया के तानों से घायल हो कर
उसने आत्महत्या करने की ठानी
तभी धैर्यवान धरती ने
उसके दिल की हालत जानी
धरती ने मां की तरह बौनी को समझाया
बेटी ! मुझे देखो मैं किस तरह
सुख दुःख, सर्दी गर्मी
लोगों के अत्याचार और बोझ सहती हूं
क्या कभी मैं उदास दिखतीं हूं ?
तभी एक नन्हा सा माटी का कण
कहीं से उड़ कर आया और
समझदार भाई की तरह
बौनी को ढांढस बंधाया
अरे ओ बौनी! मुझे देख
मैं एक छोटा सा माटी का कण हूं
रुप और आकार में तुझसे कितना कम हूं
पर फिर भी मैं शान से रहता हूं
और अपनी सार्थकता सिद्ध करता हूं
तभी कहीं से शीतल मन्द हवा
बहती हुई आयी एक बहन की तरह उसने भी
बौनी को हिम्मत बंधायी
बहन मेरा तो रुप न आकार है
लेकिन फिर भी मेरा अस्तित्व साकार है
इसी तरह आकाश ने पिता की तरह
अग्नि ने एक सहेली की तरह
उस बौनी का हौसला बढ़ाया
और फिर से उसे जीना सिखाया
आज वही बौनी अपने कामों से
आकाश की ऊंचाईयों को छूती है
स्वयं तो खुश रहतीं हैं
औरों को भी नसीहत देती है
वे लोग जो बौनी का मजाक बनाते थे
आज वही बौनी के कद के सामने
स्वयं बौने नजर आते हैं।।

अनुराग

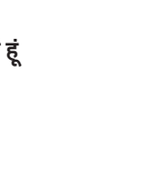

टी तारासिंह
हैदराबाद

जिंदगी की पहेलियाँ भी अजीब लगती
ये तो बाद मे समझ मे आ जाती
सब अपनी अपनी बिती सी लगती
बस दिल को ही छु जाती
प्यार के एक एक पलो मे
अपनापन होता सच्चा प्यार होता
सदगी होती एक मिठास सी होती
नफरत नही करते अपनों से
शिकायत भी नही करते अपनों की
दिन ढलने से अंधेरा छा जाता
राह गलियां भी चुप चाप शांत हो जाती
प्यार का जलवा खुशियाँ लाता
चारो तरफ नूर ही नूर छाया रहता
शायद इसको ही अनुराग कहते ।।

दस्तक..

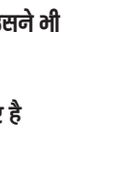

डॉ डी डी देसाई

आज फिर दरवाजे परदस्तक हुई हैं...
देखो.... कौन हैं..?
बेटा हो.. तो वहीं से रफा दफा करना।
कहना...तुम नहीं सुधरोगे..,
कुकर्मों से बाज़ नहीं आओगे।
रम.. रमा...रमी के चक्कर में,
विरासत डूबा के बैठोगे...।
स्कूल कॉलेज छूटा.. नौकरी छूटी,
नशे की हालत में परिवार भी छूटा।
लड़खड़ाते कदमों पर सवार तुम..
एक दिन अपना वजूद मिटाओगे।
आज फिर दरवाजे पर
दस्तक हुई हैं.....। देखो.... कौन हैं..?
बेटी हो...तो अंदर बुला लेना।
पूजा की थाल लिए स्वागत करना।
कहना...तुम ही हमारा कुलदीपक हो,
जिसको लेनी थी दखल हमारी..
उसीने बेदखल कर दिया।
बेटे से तो एक घर नहीं सम्भला...
तूने तो दो दो घरों को तार दिया।
गलत कहते हैं लोग..
कि बेटी पराई होती हैं।
डूब जाते हैं आशियाने बेशर्मों के,
शर्म तो बेटी के लिहाज में होती हैं।

नखरे

हेमंत सुराना

नदी के हजार नखरे देखे,
घाट का पत्थर फिर भी खामोश है
खुशियों के भी सैकड़ो नखरे देखे,
खाव्हिशे फिर भी नादान है
चांद तेरी दीद के भी नखरे देखे,
ईद या करवा चौथ, फिर भी सब तेरे साथ है
तसल्ली के भी बहुत नखरे देखे,
मिलती नहीं फिर भी कोशिश जारी है
जिंदगी तुझे भी देखा है नखरे दिखाते हुए,
एक दिन हँसा के, कई दिन रुला के
नाज़ नखरे सब भूल जाओ,
गमों के भी इतने नखरे नहीं देखे
अपनों से शिकायत करने वाले भी,
ज़माने के नखरे सह लेते हैं,
ज़माने के नखरे सह लेते हैं ।

नशा

कीर्ति देवानी,
नागपुर

नशा ही नशा है,
नशे में डूबा सारा जहां हैं,
किसी को शराब का नशा,
किसी को शबाब का नशा,
किसी को दौलत का नशा,
किसी को शोहरत का नशा,
किसी को जीत का नशा,
किसी को कामयाबी का नशा।
नशा ही नशा है ,
इस नशे में डूबा सारा जहां हैं।
कोई सब पाके भी रोया,
कोई सब कुछ खोके भी मुस्कराया।
नशे ने किसी को आसामान दिया,
तो किसी को ज़मीन पे लाके रख दिया।
नशा ये नशा, कैसा है ये नशा?

मुस्कान

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

मन की परतों से,स्नेह स्निग्ध ,
जो निर्मल धारा बहती है,
हौले हौले , चलते चलते,
हृदय का स्पंदन बनती है,
आगे चल धीमे- धीमे, वो ही,
अधरों की मुस्कान बनती है।
मुस्कान कभी घायल करती,
कभी टूटे दिल पर,
मरहम रखती,
कभी रूठे हुए प्रेमियों को,
प्रेम के रंग में रंग देती,
कभी बिछड़े हुए दोस्तों को,
दोस्ती की मिसाल देती।
मुस्कान से प्रेरित दिन और रात,
सूर्य उदय और रजत चांदनी,
दोनों ही मुस्कान की पहचान।
नुपुर झंकार का प्रेमगीत,
झरनों के कलरव में रची बसी,
प्रकृति की तरंग और उमंग में,
चहुंओर विचरती है मुस्कान।।
भाग्यशाली हैं वो इंसान,
जिनके अधरों की शोभा है मुस्कान,
जो दुखियों को दे दे संबल,
मानव मात्र का करे कल्याण।।

न मेरा, न तेरा

उजाले का हिस्सा, न मेरा, न तेरा।
खुली आँख जब से, अंधेरा अंधेरा।
कई दिन से आई न झपकी-जम्हाई,
पलक थरथराई तो भागा सवेरा।
कहीं भूख से ऐंठ जाएं अंतड़ियां
कहीं भोग छप्पन लगाए लुटेरा।
मरीं-अधमरीं कांचघर में मछलियाँ
न मारे, न छोड़े, कसाई मछेरा।
ये मौसम हरामी ठहाके लगाए,
कुलीनों के घर में कमीनों का डेरा।

-जयप्रकाश त्रिपाठी

रुक जाना नहीं तू कहीं हार के

सफलता जिसे पानी है उसे मेहनत करनी होगी ।
हर मोड़ पर मुश्किलें होगी पर कोशिश करनी होगी ।
पक्षी एक-एक तिनका जोड़कर अपना घोंसला बनाते हैं ।
चींटी भी अपनी भविष्य के लिए
बारिश से पहले अपना खाना इकट्ठा करती है ।
हर सफलता के पीछे मेहनत
करनी पड़ती है यह प्रकृति हमे सिखाती है ।
समय मुट्ठी में रेत की तरह है जिसे पकड़ कर नहीं रख सकते ।
समय हमारे अनुसार नहीं ,
समय के अनुसार हमें चलना पड़ता है ।
आज का काम जो कल पर टाले,
वह कल कभी नहीं आएगा ।
छात्रों को पढ़ना-लिखना होगा,
अपने अध्यापकों और बड़ों के अनुसार चलना होगा ।
जिसने समय पर मेहनत कर ली ,
उसका भविष्य उज्ज्वल होगा ।
कामयाबी उसके साथ होगी,वह सारी उपलब्धि पाएगा।
जिसने आलस्य को अपना लिया ,
वह कभी उपलब्धि नहीं पाएगा ।
यही कहती है गंगा तुमसे
रुक जाना नहीं तू कही हार के
मेहनत करते जाओ, हर मोड़ पर ,मिलेगी सफलता जरूर तुम्हें।
काबिल बनो काबिल ! सफलता खुद चलकर तुम्हारे पीछे आएगी ।

-गंगा पचौरी

पानी का क़हर

जे गंगाधर 'गंध'
जियागुडा,हैदराबाद

पानी ...पानी ...पानी,
बारीश के पानी का लहर,
बरपा रहा है बाढ़ का क़हर,
क्या गाँव क्या शहर,
डगर डगर नगर नगर,
बाढ़ बारीश का ऊफान
तब्दील होता दिख रहा तूफ़ान।
हर सड़कें होने लगे मानो नहर
ऊबड़ खाबड़ रास्ते तितर-बितर
बेहतर का नामो निशान नहीं कहीं
हालात हो गये हैं बत्तर से बत्तर।
गिरने लगे है पुराने कच्चे मकान,
ढ़हने लगे है ऊँचे पहाड़ व चट्टान,
डूबने लगे है राज-मार्ग और मैदान,
बरबाद होने लगे फसल खाद्यान्न।
हम विकास के नाम विनाश ले बैठे,
जंगल तबाह कर शहर बसाने लगे,
पहाड़े फोड़ फाड़ कर महल ठहराने
रोड़ बिचने लगे पेड़ों के पेड़ लगे कटने।
बरसा पानी ठहरेगा तो ठहराव कहाँ,
नदी नाले तालाब नहर बचे है कहाँ,
बाढ़ को रोकने थामने के बड़े पेड़ कहाँ,
बहता पानी को जमीन पीने को है कहाँ।
पानी तो पानी चारों तरफ पानी ही पानी,
नगर डूबे, डूबें गाँव तहस नहस यही कहानी,
फसल भीगें खेत उजड़े बिगड़ी है जिंदगानी,
प्रकृति के साथ छेड़खानी से हुई है परेशानी।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

मुस्लिम होने से तलाक मिला लेकिन गुजारा-भत्ता नहीं

दिल्ली के जसोला में रहने वाली फौजिया का 4 साल पहले तलाक हुआ था। अब वे दो बच्चों के साथ रह रही हैं। घरों में काम करके 10 हजार रुपए महीने कमाती हैं। तलाक के बाद पति से कुछ नहीं मिला। फौजिया चाहती हैं कि पूर्व पति कम से कम बच्चों की जिम्मेदारी ले और हर महीने कुछ पैसे भेजे।

इसी तरह एमपी के छतरपुर की गजाला का भी 4 साल पहले ही तलाक हुआ। काफी मुश्किलों के बाद हर्जाने के तौर पर 2500 रुपए मिलना तय हुआ था, लेकिन पति सलमान पैसे नहीं भेज रहा। कोर्ट ने कई नोटिस भी भेजे, लेकिन हर बार 500 रुपए का फाइन भरकर छूट जाता है। कोई सजा नहीं होती।

ये सिर्फ फौजिया या गजाला की कहानी नहीं है। ज्यादातर तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं इसी परेशानी से गुजर रही हैं। ऐसे ही एक केस में 10 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं के पक्ष में फैसला सुनाया है। इसके बाद अब तलाकशुदा मुस्लिम महिला अपने पति से गुजारा भत्ता मांग सकती हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला शरिया कानून से टकराव पैदा करता है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता दिए जाने वाले कोर्ट के फैसले को नकार दिया है। बोर्ड ने इस फैसले को मुस्लिम पर्सनल लॉ के खिलाफ बताया है।

दिल्ली की रहने वाली फौजिया प्रेग्नेंट थी, तब दूसरी औरत के लिए पति ने छोड़ दिया, तलाक के बाद एक रुपया नहीं मिला। फौजिया दो बच्चों के साथ अम्मी-अब्बू के एक कमरे के मकान में रहती हैं। फौजिया की शादी 2018 में शाहजहांपुर के हमीद से हुई थी। शादी के बाद दोनों दिल्ली में ही रहने लगे। उसी साल अक्टूबर में हमीद अचानक गांव चला गया। उस वक्त फौजिया प्रेग्नेंट थी। कई हफ्तों तक इंतजार करने के बाद भी हमीद नहीं आया। फौजिया कहती हैं, 'हमीद एक लड़की के साथ रिश्ते में था। मुझे इस बारे में कुछ भी पता नहीं था। एक दिन अचानक वो उस लड़की के साथ गांव चला गया। मैंने पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। तब पता चला कि हमीद किसी लड़की के साथ गया है। उस वक्त हमीद को जेल भी हुई थी। तब मैं प्रेग्नेंट थी, फिर भी रोज उससे मिलने के लिए तिहाड़ जेल जाती थी। 6 फरवरी, 2019 को हमीद जेल से बाहर आया। मैंने हमीद से साफ कह दिया कि मैं बहुत अकेले रह चुकी। अब मैं भी उसके साथ गांव चलूंगी।

फौजिया बताती हैं, 'गांव में हमीद और उसके परिवार का रवैया बिल्कुल बदल गया। हमीद घर पर रहता नहीं था। उसके मां-बाप मुझ पर हाथ उठाने लगे थे। 2020 में दूसरा बेटा पैदा हुआ। हमीद की मां ने इन दो सालों में मुझसे दो लाख रुपए मांगे। पैसे नहीं दे पाई तो हमीद तलाक की धमकी देने लगा। मुझे डंडे से मारता-पीटता था।'

फौजिया बताती हैं, 'मेरी मां हमारा रिश्ता बचाने के लिए पैसा भेज देती थीं। पैसा हमीद के अकाउंट में जाता था। एक दिन उसकी मां ने मुझसे घर छोड़ने के लिए कह दिया। हमीद ने कहा कि वो भी मुझसे अलग रहना चाहता है। इस बात पर मुझे बहुत हैरानी हुई। उसने बच्चों पर भी ध्यान देना छोड़ दिया। बहुत दिन तक ये सब झेलने के बाद मैंने फोन कर अम्मी को सारी बात बताई। एक दिन मेरी सास हमीद की गर्लफ्रेंड को घर ले आई। इसके बाद मेरे और मेरे बच्चों के साथ परिवार का बर्ताव और खराब हो गया। खेत में छिड़कने वाली दवा देकर मुझे और मेरे बच्चों की जान लेने तक की कोशिश हुई। मैंने ये सब देख लिया।'

'हमने पूरे दिन डरकर घर पर कुछ नहीं खाया। पड़ोसियों ने बच्चों को दूध और बिस्कुट दिया। इसके बाद परिवार ने हमें घर में बंद कर दिया। नवंबर, 2020 में मेरे अब्बा पुलिस लेकर हमीद के घर पहुंचे और हमें छुड़वाया। मैं गांव से दिल्ली आ गई और अपनी अम्मी-अब्बू के पास रहने लगी। मेरा तलाक हो गया। तभी से

हमीद गायब है। फौजिया बताती हैं, 'हमीद ने दो साल से बच्चों को देखा भी नहीं है। बच्चे स्कूल और ट्यूशन जाते हैं। कभी-कभार बीमार भी पड़ते हैं। सारे खर्च मुझे ही उठाने पड़ते हैं। मैं कोर्ट जाती हूं, तब भी हमीद बच्चों से बात नहीं करता। मैं चाहती हूं कि हमीद हर महीने पैसे भेजे। 10 जुलाई को मुस्लिम महिलाओं के पक्ष में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले से फौजिया की उम्मीद जागी है। हमने उन्हें बताया कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड फैसले का विरोध कर रहा है। इस पर फौजिया सवाल पूछती हैं, 'अगर मेरे अब्बू-अम्मी मुझे घर में नहीं रखते तो मैं कहां जाती।' मुंबई की 27 साल की साफिया (बदला हुआ नाम) बरेली की रहने वाली हैं। पिता का कम उम्र में ही इंतकाल हो गया तो मां के साथ नानी के घर बरेली में रहने लगीं। 2019 में साफिया की शादी मुंबई में रहने वाले अबुल हमीद शेख से हुई। शादी के बाद साफिया अबुल के परिवार के साथ मुंबई में रहने लगी। साफिया कहती हैं, 'मेरी सास ने मुझे बहुत परेशान किया। 2020 में मैं प्रेग्नेंट हुई तो अबुल ने मुझे दो महीने के लिए बरेली में नानी के पास भेज दिया। मैंने बहुत कॉल किए लेकिन वो मुझे लेने नहीं आता था। वो तब तक बरेली आने को तैयार नहीं हुआ, जब तक मेरी बहन ने उसका टिकट नहीं कराया। करीब ढाई महीने बाद मैं मुंबई लौटी। मुश्किल से एक महीने ही रही, फिर उसने मुझे वापस नानी के घर भेज दिया। मेरी डिलीवरी बहुत क्रिटिकल रही। बच्चे को काफी दिन अस्पताल में रखना पड़ा, तब भी अबुल देखने तक नहीं आया, न ही पैसे भिजवाए।

मैंने उसे बच्चे की फोटो और रिकॉर्डिंग भी भेजी, लेकिन वो नहीं आया।' साफिया आगे बताती हैं, 'जब तक ससुराल में रही, तब तक सास मुझे ताने देती थी कि मैं अपने घर से कुछ लेकर नहीं आई। अबुल मुझे धमकी देता था कि अगर मैं घर से पैसे नहीं लाई तो तलाक दे देगा। तलाक के वक्त काजी के सामने भी सास ने मुझ पर चोरी का इल्जाम लगाया। उन्होंने कहा कि मैं गोल्ड और कपड़े चोरी करके ले गई हूं, जबकि वो मेरा अपना सामान था।'

तंग आकर साफिया ने अबुल और उसके परिवार पर दहेज प्रताड़ना का केस कर दिया। वो बताती हैं, 'अब भी मेरा तलाक प्रोसेस में है। मुझे उससे या अदालत से कुछ नहीं चाहिए। मैं बस इस रिश्ते को हमेशा के लिए खत्म करना चाहती हूं।

छतरपुर के एक स्कूल में गेस्ट टीचर के तौर पर नौकरी कर रहीं 30 साल की गजाला की शादी 2017 में सलमान के साथ हुई थी। गजाला की सास और पति उसे बहुत पीटते थे। वे अपने ऊपर हुए जुल्म का जिक्र नहीं करना चाहतीं। तलाक को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई के बारे में जरूर बताती हैं। गजाला कहती हैं, '2020 में मेरा तलाक हुआ। तब मैं स्कूल में काम कर रही थी। मेरी सैलरी सिर्फ 3500 रुपए थी। मैंने कोर्ट में भत्ते के लिए याचिका दायर की थी। इसकी वजह से मुझे काफी दिक्कतें झेलनी पड़ीं। सलमान मुझे बदनाम करने के लिए मेरे वर्कप्लेस पर लेटर भेजता था। वो मेरा स्टेटस और सैलरी पूछता। लेटर के जरिए वो स्कूल की टीचर्स और प्रिंसिपल को बताना चाहता था कि मैंने तलाक ले लिया है। कोर्ट ने मेरे प्रिंसिपल को मेरी नौकरी की जानकारी लेने के लिए बुलाया था।'हर्जाने के तौर पर मुझे सिर्फ 2500 रुपए मिलना तय हुआ। सलमान वो भी नहीं भेजता। 2022 से गुजारा-भत्ता देने का फैसला सुनाया गया। कोर्ट ने सलमान को कई नोटिस भी भेजे, लेकिन हर बार वो सिर्फ 500 रुपए का फाइन भरकर छूट जाता है। उसे कभी सजा नहीं हुई। वो अपनी मर्जी से मुझे कभी 2 हजार तो कभी 5000 रुपए भेजता है। आखिरी बार उसने मुझे 5000 रुपए भेजे थे। उसकी चार बार पेशी भी लग चुकी। वारंट भी जारी हुआ। फिर भी पिछले दो महीने से उसने मुझे पैसे नहीं भेजे।'

दिल्ली के शाहीन बाग में रहने वाली रिहाना रियाज कहती हैं, 'पति जब पत्नी को छोड़ देता है तो वो बिल्कुल टूट जाती है। परिवार का साथ छूट जाता है। अगर हर महीने गुजारा भत्ता मिलने लगेगा, तो कम से कम उसकी मदद हो जाएगी। मेहर में अगर पति ज्यादा रकम देता तो अदालत जाने की जरूरत नहीं पड़ती।'

वहीं, मध्यप्रदेश के छतरपुर की रहने वाली निदा रहमान कहती हैं, 'जब शाह बानो का मामला सामने आया था, तब वक्फ बोर्ड या मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को फंड बनाने की सलाह दी गई थी। इससे तलाकशुदा और बेसहारा महिलाओं को भत्ता दिया जाना था। बोर्ड ने ऐसा कोई फंड नहीं बनाया। इतने साल में बोर्ड ने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया। क्या बोर्ड केवल अदालत के फैसले के खिलाफ जाने के लिए बैठा है।'

'मुस्लिम महिलाएं आज तक अनपढ़ हैं। उनकी कम उम्र में शादी हो जाती है। उनके पास नौकरियां नहीं है। आदमी का मन बदला तो उसने तलाक दे दिया और बच्चों को छोड़ दिया। महिलाएं क्या करें। वे मायके चली जाती हैं, लेकिन परिवार भी सक्षम नहीं होते। जब तक महिला की दूसरी शादी नहीं हो जाती या जब तक बच्चे बड़े न हो जाएं पिता की कुछ तो जिम्मेदारी बनती है।'

'अब सवाल उठता है कि तलाक के बाद महिला कहां जाएगी? वो वहीं जाएगी, जहां वो शादी से पहले रहती थी। अपने माता-पिता और भाई-बहन के साथ। अब महिला की जिम्मेदारी उसके माता, पिता और भाई-बहन की होती है। अगर उसके बच्चे हैं तो भी उसका परिवार देखभाल करता है। जो स्थिति एक विधवा की है, वही तलाकशुदा महिला के लिए भी है। तलाक के बाद रिश्ता खत्म हो चुका है, तो पति पर उम्र भर के लिए भत्ते की जिम्मेदारी लाद देना गलत है। मुस्लिम धर्म में निकाह के समय मेहर का अमाउंट तय किया जाता है। अगर निकाह टूटा तो ये पैसा महिला को दिया जाता है। उस समय ये नहीं पता होता कि तलाक कब होगा और बच्चे कितने होंगे। ये बहुत छोटा अमाउंट होता है, जो एक बार में दे दिया जाता है। वहीं एलिमनी की रकम अदालत लड़के की आमदनी और जमापूंजी के आधार पर तय करती है। ये हर महीने दिया जाता है।

बाइडेन के पीछे हट जाने से चुनाव का रुख बदल गया है

आधुनिक अमेरिकी इतिहास के सबसे शानदार राजनीतिक करियर में से एक का तब अंत हो गया, जब जो बाइडेन ने राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के अपनी पार्टी के आग्रह को स्वीकार कर लिया।

ऐसा करके उन्होंने निःस्वार्थता और शालीनता का आदर्श प्रस्तुत किया। लेकिन इसके बावजूद पिछले एक महीने का समय डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए अंतर्संघर्षों से भरा रहा है, जिसने पार्टी की उन विसंगतियों को उजागर कर दिया है, जो न केवल उसकी संभावनाओं बल्कि अमेरिका के भविष्य को भी खतरे में डाल सकती हैं। इस ड्रामे की शुरुआत 27 जून को रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ आमने-सामने की बहस में बाइडेन के डगमगा जाने के बाद हुई। इसके बाद के हफ्तों में, डेमोक्रेटिक पार्टी के वरिष्ठजनों- जिनमें नैन्सी पेलोसी, बराक ओबामा और चक शूमर शामिल हैं- के साथ ही उसके प्रमुख समर्थक अखबारों (मुख्यतया न्यूयॉर्क टाइम्स और वॉशिंगटन पोस्ट) के सम्पादकीय बोर्ड और प्रमुख सेलिब्रिटी फंडरेजर (जॉर्ज क्लूनी) ने भी बाइडेन से पद छोड़ने का सार्वजनिक आग्रह किया।

इस बीच बाइडेन की मानसिक क्षमताओं पर सवाल उठने लगे थे। हालांकि उनके पूर्व प्रतिद्वंद्वी बर्नी सैंडर्स और वामपंथी धारा की स्टार एलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज तब भी उनके प्रति निष्ठावान बने रहे थे। लेकिन राजनीति में आधी सदी बिताने वाले बाइडेन ने तीन सप्ताह तक दृढ़ता का प्रदर्शन करने के बाद आखिरकार हार मान ली। अलबत्ता कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। बाइडेन ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का नाम आगे बढ़ाया है, और क्लिंटन दंपती (बिल और हिलेरी) सहित अन्य हाई-प्रोफाइल डेमोक्रेट्स ने भी उनका समर्थन किया है।

कुछ अन्य ऐसे भी हैं- जिनमें बराक ओबामा प्रमुख हैं- जिन्होंने तुरंत कमला का समर्थन करने से परहेज किया है। शायद वे एक खुली प्रतिस्पर्धा-प्रक्रिया या

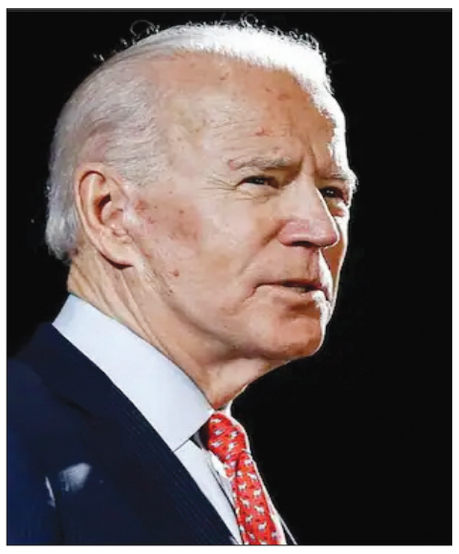

किसी प्रकार की 'मिनी-प्राइमरी' की मांग कर रहे थे। बहरहाल, कमला हैरिस ने नामांकन हासिल करने के लिए अभी तक पर्याप्त डेमोक्रेटिक-प्रतिनिधियों को अपने पक्ष में कर लिया है। जब डेमोक्रेट्स बाइडेन को दौड़ से हटाने के लिए सार्वजनिक रूप से अपनी ही पार्टी की छीछालेदर कर रहे थे, तब रिपब्लिकंस ने मिल्वौकी में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में एकता का प्रदर्शन किया। प्राणघातक हमले के बाद सहानुभूति की लहर पर सवार डोनाल्ड ट्रम्प ने औपचारिक रूप से अपनी पार्टी के नामांकन को स्वीकार कर लिया। उन्होंने अपने साथी के रूप में ओहायो के जूनियर सीनेटर जे.डी. वैंस को चुना है, जो श्वेत श्रमिकों की दुर्दशा के बारे में एक बेस्टसेलिंग किताब के लेखक हैं। निक्की हेली और रॉन डीसैंटिस जैसे ट्रम्प के पूर्व प्रतिस्पर्धियों ने भी उन्हें बिना शर्त अपना समर्थन दिया है, जबकि ट्रम्प के प्रति अपना समर्थन जताने के लिए उनके डेलीगेट्स कान पर बैंडेज बांधे घूम रहे हैं। संक्षेप में, रिपब्लिकन राजनेता आराम से बैठकर डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर चल रही उथल पुथल का मजा लेने के लिए तैयार हैं। डेमोक्रेट्स की खुद से सवाल पूछने वाले, आलोचनात्मक भावना रिपब्लिकन पार्टी की तुलना में प्रशंसनीय लग सकती है, लेकिन इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण अमेरिकी चुनावों में से एक के 100 दिन पहले अब सार्वजनिक बहस करने का समय नहीं रह गया है। आज से लेकर चुनाव के दिन तक तमाम सूत्रों को एक साथ जोड़े रखने के लिए अब डेमोक्रेट्स को को-ऑपरेशन के विज्ञान से सबक लेना चाहिए। 'ग्रुप सिलेक्शन थ्योरी' के अनुसार, 'मल्टी-लेवल सिलेक्शन' मनुष्यों जैसे सामाजिक प्राणियों में इवोल्यूशन को प्रेरित करने वाला मुख्य फैक्टर है। जिन समुदायों ने तेज गति से तरक्की की है, उन्होंने ऐसा इसलिए नहीं किया था, क्योंकि उन्होंने व्यक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा को अपनाया, बल्कि वे ऐसा इसलिए कर पाए क्योंकि उन्होंने समूहों के भीतर सहयोग को बढ़ावा दिया था। ऐसे में डेमोक्रेट्स के लिए सीख यह है कि वे जिस उम्मीदवार को मैदान में उतारते हैं, उसकी क्षमताएं आज उनके लिए उतनी मायने नहीं रखतीं, जितनी कि यह बात कि वे उसके समर्थन में कितनी ताकत से लामबंद हो सकते हैं! अगर डेमोक्रेट्स ट्रम्प का मुकाबला करना चाहते हैं तो उन्हें याद रखना होगा कि उनका अनिश्चय ही उनका सबसे बड़ा शत्रु है। 2016 में भी हिलेरी क्लिंटन के प्रति डेमोक्रेट्स की अंदरूनी दुविधा ने ही ट्रम्प को व्हाइट हाउस में पहुंचा दिया था। और इस बार तो- बाइडेन के शब्दों में- न केवल अमेरिका का लोकतंत्र बल्कि उसकी अंतरात्मा भी दांव पर लगी हुई है। डेमोक्रेट्स के लिए सीख यह है कि वे जिस भी उम्मीदवार को मैदान में उतारते हैं, उसकी क्षमताएं आज उनके लिए उतनी मायने नहीं रखतीं, जितनी कि यह बात कि वे उसके समर्थन में कितनी ताकत से लामबंद हो सकते हैं!

सम्राट चौधरी की कुर्सी यूं ही नहीं गई

भारतीय जनता ने जिन राज्यों में सांगठनिक फेरबदल किया है, उनमें बिहार भी है। बिहार में सम्राट चौधरी अब भाजपा के सम्राट नहीं रहे। यानी उनकी अध्यक्ष की कुर्सी की मियाद खत्म हो गई है। उनकी जगह भूमि सुधार व राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल पर भाजपा ने भरोसा किया है। सम्राट का साम्राज्य छिन जाने की अटकलें तो उसी समय से लगने लगी थीं, जब लोकसभा चुनाव के नतीजे आए। भाजपा को लड़ी गईं 17 सीटों में सिर्फ 12 पर ही कामयाबी मिली। जिस मकसद से सम्राट को भाजपा ने बिहार का सांगठनिक साम्राज्य सौंपा था, उस पर वे खरे नहीं उतरे। कुल मिलाकर एलकेवी मोर्चे पर फेल रहने के चलते उनकी एक ल में ही विदाई हो गई। सम्राट की कुर्सी छिन जाने का पहला और बड़ा कारण लोकसभा चुनाव में भाजपा का उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन का न होना माना जाता है। वर्ष 2014 और 2019 में क्रमशः 22 और 17 सीटें जीतने वाली भाजपा 2024 में 12 सीटों पर सिमट गई। पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने इसका ठीकरा सम्राट चौधरी के सिर पर यह कह कर फोड़ा था कि आयातित नेताओं से भाजपा का भला नहीं हो सकता। भाजपा को अपने कोर कार्यकर्ताओं-नेताओं पर भरोसा करना होगा। अश्विनी चौबे के विचार को तब उनकी निजी राय बता कर कुछ लोगों ने हवा में उड़ा दिया था। भाजपा में अब दूसरे दलों से आए नेताओं को लेकर केंद्रीय स्तर पर मंथन शुरू हो गया है। केंद्रीय नेतृत्व भी अब यह बात समझने लगा है कि अपने ही काडर पर भरोसा करना सही है। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में दूसरे दलों से आए 100 से अधिक उम्मीदवारों को टिकट देकर देख लिया है कि वे अधिक कारगर साबित नहीं हुए। सम्राट पर भाजपा ने तब भरोसा किया था, जब बिहार में लव-कुश (कुर्मी-कोइरी) वोटों के एकमात्र दावेदार नीतीश कुमार थे और वे महागठबंधन इंडिया ब्लॉक के साथ चले गए थे। भाजपा को उम्मीद थी कि ओबीसी में खासा आबादी वाले कुशवाहा वोटों को अपने पाले में लाने के लिए सम्राट चौधरी मुफीद साबित होंगे। इसलिए कि वे कोइरी समाज से ही आते हैं। पर, इसका कोई लाभ भाजपा को नहीं मिला। उल्टे कुशवाहा वोटरों ने भाजपा या एनडीए की बजाय इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवारों के प्रति विश्वास जताया।

शाहाबाद इलाके की पांच संसदीय सीटें एनडीए हार गया। भाजपा को सबसे अधिक तकलीफ इस बात की थी कि राजपूत बहुत औरंगाबाद सीट से उसके राजपूत उम्मीदवार सुशील कुमार सिंह हार गए और राजद के उम्मीदवार अभय कुशवाहा जीत

गए। इतना ही नहीं, कोइरी बिरादरी से आने वाले एनडीए के घटक राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा को भी हार का सामना करना पड़ा। इससे सम्राट चौधरी की अपनी बिरादरी पर कमजोर पकड़ का राज भी उजागर हो गया। भाजपा को यह बात भी शायद अखरी अखरी होगी कि जदयू की मदद से केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के तुरंत बाद सम्राट ने ऐलान कर दिया कि बिहार विधानसभा चुनाव का अगला चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। यह भाजपा समर्थकों को हतोत्साहित करने वाली घोषणा थी। उसके बाद ही अश्विनी चौबे ने कहा था कि भाजपा के नेतृत्व में ही विधानसभा चुनाव लड़ा जाना चाहिए।

भाजपा ने लोकसभा टिकटों के बंटवारे से लेकर केंद्र में मंत्री पद देने में भी वैश्यों की अपेक्षा की थी। शायद भाजपा का यह अति आत्मविश्वास था कि वैश्य उसके ही वोटर हैं और आगे भी रहेंगे। पर इसकी वैश्य समाज में व्यापक प्रतिक्रिया हुई। वैश्य समाज भाजपा द्वारा अपनी उपेक्षा का लगातार आरोप लगा रहा था। इस बीच लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद ने कुशवाहा के साथ वैश्यों को भी अपने पाले में करने की कोशिश शुरू कर दी है। रितु जायसवाल को लोकसभा का टिकट देकर आरजेडी ने कोसी-सीमांचल के वैश्यों को अपने पक्ष में गोलबंद करने की कोशिश की। विधानसभा चुनाव में इसके विस्तार का भी खतरा था। शायद यही वजह रही कि भाजपा ने कुशवाहा वोटों का मोह त्याग कर पारंपरिक वोटों पर ध्यान केंद्रित किया है। सुशील मोदी और संजय जायसवाल के बाद दिलीप जायसवाल बिहार प्रदेश भाजपा के तीसरे वैश्य नेता हैं, जिन्हें भाजपा ने पार्टी का राज्य अध्यक्ष बनाया है।

चिंता की वजह है भूजल का गिरता स्तर

डॉ. आशीष वशिष्ठ

जल हमारे ग्रह पृथ्वी पर एक आवश्यक संसाधन है। इसके बगैर जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यही कारण है कि खगोलविद पृथ्वी-इतर किसी अन्य ग्रह पर जीवन की तलाश करते समय सबसे पहले इस बात की पड़ताल करते हैं कि उस ग्रह पर जल मौजूद है या नहीं। 'जल है तो कल है' तथा 'जल जो न होता तो जग खत्म हो जाता' जैसी उक्तियों के माध्यम से हम जल की महत्ता को ही स्वीकारते हैं।

पृथ्वी का तीन चौथाई यानी 75 प्रतिशत भाग जल से आच्छादित है लेकिन इसमें से पीने योग्य स्वच्छ जल की मात्रा बहुत कम है। बढ़ते औद्योगीकरण तथा गांवों से शहरों की ओर तेजी से पलायन तथा फैलते शहरीकरण ने भी अन्य जल स्रोतों के साथ भूमिगत जलस्रोत पर भी दबाव उत्पन्न किया है। भूमिगत जल का तेजी से गिरता स्तर चिंता का कारण है। भूजल की सहज व सस्ती उपलब्धता उसके अधिक उपयोग को प्रेरित करती है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में सिविल इंजीनियरिंग और पृथ्वी विज्ञान के 'विक्रम साराभाई चेयर प्रोफेसर' के एक अध्ययन में बताया गया है कि उत्तर भारत में भूजल का स्तर 450 घन किलोमीटर तक घट गया है। पिछले दो दशकों में आई यह गिरावट इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में खेती व जीवन यापन के लिए पानी की किल्लत हो सकती है। दो दशक में भूजल में आयी यह कमी भारत के सबसे बड़े जलाशय इंदिरा सागर बांध की कुल जल भंडारण मात्रा का 37 गुना है। दरअसल, भूजल में इस कमी की एक बड़ी वजह वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी बारिश में 8.5 फीसदी की कमी आना है। इस संकट का दूसरा पहलू यह भी है कि उत्तर भारत में सर्दियों के तापमान में 0.3 सेल्सियस वृद्धि देखी गई है। इस बात की पुष्टि हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय भूभौतिकी अनुसंधान संस्थान के शोधार्थियों के एक दल ने की है। मानसून के दौरान कम बारिश होने और सर्दियों के दौरान तापमान बढ़ने के कारण आने वाले वर्षों में निश्चित रूप से सिंचाई के लिये पानी की मांग में वृद्धि होगी। वहीं पानी की मांग बढ़ने से भूजल पुनर्भरण में भी कमी आएगी। जिसका दबाव पहले से ही भूजल के संकट से जूझ रहे उत्तर भारत के इलाके पर पड़ेगा।हैदराबाद स्थित एनजीआरआई का अध्ययन चेताता है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जहां एक ओर मानसून के दौरान बारिश में कमी आएगी, वहीं सर्दियों में अपेक्षाकृत अधिक तापमान रहने से भूजल पुनर्भरण में छह से 12 फीसदी तक की कमी आ सकती है। संकट का एक पहलू यह भी है कि हाल के वर्षों में मिट्टी में नमी में कमी देखी गई है। जिसका निष्कर्ष यह भी है कि आने वाले वर्षों में सिंचाई के लिये पानी की मांग में वृद्धि होगी। निश्चित ही यह स्थिति हमारी खेती और खाद्य श्रृंखला की सुरक्षा के लिये चिंताजनक कही जा सकती है।देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि भूजल के स्तर को कैसे ऊंचा रखा जा सके। जहां एक ओर वर्षा जल संग्रहण को ग्रामीण व शहरी इलाकों में युद्धस्तर पर शुरू करने की जरूरत है, वहीं अधिक पानी वाली फसलों के चक्र में बदलाव लाने की भी आवश्यकता है।विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले चार दशकों में कुल सिंचित क्षेत्र में लगभग 84 प्रतिशत की वृद्धि का मुख्य कारण भूजल है अतिदोहन का मुख्य कारण कृषि के लिए भूजल की बढ़ती मांग है। इसके आलावा अधिकांश क्षेत्रों में भूजल उपलब्धता पर ध्यान दिये बिना फसलों के पैटर्न और मात्रा के सम्बन्ध में फैसले लिए गए।भूजल के अतिदोहन की समस्या से निपटने हेतु कृषि में माँग प्रबंधन का प्रयोग किया जाना चाहिये। इससे कृषि में भूजल पर निर्भरता कम होगी। भूजल निकासी, मानसून में वर्षा और जल स्तर को देखते हुए किसी विशिष्ट क्षेत्र के लिये शुष्क मौसम की फसल की योजनाएं बनानी चाहियें।

पांडव भीम ने एक रात में बनाया था श्रीधर्मराजेश्वर मंदिर

चंदवासा से 3 किलोमीटर दूर ओर शामगढ से 20 किलोमीटर दूर प्राचीन धरोहर श्रीधर्मराजेश्वर मंदिर स्थित है इस मंदिर मे भगवान भोलेनाथ विराजमान हैं यह मंदिर बरसों पुराना है इस धार्मिक स्थल पर काफी दूर दराज के लोग दर्शन करने आते हैं।

यहां पर आने जाने का सिलसिला तो वर्षभर चलता रहता है लेकिन श्रावणमास में तो भगवान भोलेनाथ की नगरी श्रीधर्मराजेश्वर मंदिर पर एक अलग ही नजारा देखने को मिलता है।

मंदिर मे दर्शन के लिए भक्तो का तांता लग जाता है श्रावणमास मे सोमवार के दिन भगवान शंकर के दर्शन कर भक्त उनके चरणो मे शीश नमाते हैं ओर अपने जीवन मे मंगलमय होने की मनन्त मांगते हैं। श्रावणमास मे कावडयात्रा भी आती है भक्तगण भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं।

इस मंदिर मे भगवान विष्णु की प्रतिमा भी स्थापित है। मंदिर के अंदर एक कुईया भी हे इस कुईया का निर्माण भिम के द्ववारा किया किया हे तथा मंदिर निर्माण मे ईट,सीमेन्ट, रेत व अन्य सामान का उपयोग नही किया गया हे ऐसा बताया जाता हे कि इस मंदिर से जमीन के अंदर उज्जेन जाने का रास्ता भी है लेकिन सुरक्षा की द्रष्टि से इसे बंद कर रखा है। मंदिर के आस पास गुफाएँ हैं जिसमे मुर्तिया स्थापित हे भिम, हाथी खुटा, बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण पाण्डवो के अग्यात वास के समय हुआ इसे भीम ने एक रात मे बनाया था। यहां पर अनोखा दृश्य देखने को मिलता हे अब इसे पर्यटन स्थल का दर्जा शासन द्ववारा मिल चुका है इसकी सुन्दरता पर्यटको का मनमोह लेती हे श्रावणमास मे भोलेनाथ के जयकारे गुंजते हे ओर हजारो श्रदालुओ का सैलाब उमड जाता हे इस मंदिर को देखने काफी दुर-दुर से लोग आते हे तथा इसकी बनावट को देखकर हेरानियत मे पड जाते हे मंदिर का निर्माण कैसे किया गया हे इसकी विशेषता यह हे कि पुरे मंदिर का निर्माण एक ही पत्थर हआ हे वैद गुफाएँ (श्रीधर्मराजेश्वर मंदिर) की तुलना महाराष्ट के अजंता एलोरा मंदिर से की गई है।

दुनिया का इकलौता मंदिर

जहां लगती है यमराज की कचहरी, शाम चौरासी में तय होता है कि आप स्वर्ग जाएंगे या नरक!

हिमाचल प्रदेश को देवी-देवताओं की भूमि कहा जाता है। यहां पर हजारों की संख्या में मंदिर हैं।

कहा जाता है कि हिमाचल के मनु की नगरी मनाली में सृष्टि की रचना हुई थी। वहीं चंबा के शाम चौरासी मंदिर में यमराज की कचहरी लगती है।

मान्यता है कि चंबा के भरमौर स्थित शाम चौरासी में यमराज का इकलौता मंदिर है। यहां पर यमराज की कचहरी लगती है और मृत्य के बाद यहां पर इंसान की आत्मा आती है और तय होता कि वह स्वर्ग लोक जाएगी या नरकलोक।

शाम चौरासी मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां पर यमराज व्यक्ति के कर्मों का फैसला करते हैं। यह मंदिर देखने में एक घर की तरह दिखाई देते हैं और यहां पर कुल 84 छोटे बड़े मंदिर हैं। एक कमरे में यमराज विराजमान हैं तो दूसरे कक्ष चित्रगुप्त रहते हैं।

इस क्षेत्र में माना जाता है कि मंदिर में चार अदृश्य द्वार हैं जो स्वर्ण, रजत, तांबा और लोहे के बने हैं। यमराज के फैसले के बाद यमदूत आत्मा को कर्मों के अनुसार इन्हीं द्वारों से स्वर्ग या नर्क में ले जाते हैं। गरुड़ पुराण में भी यमराज के दरबार में चार दिशाओं में चार द्वार का उल्लेख मिलता है।

यमराज के कोप से बचने के लिए भाई दूज पर यहां मंदिरों में भक्तों की भीड़ लगती है। कहा जाता है कि भाई दूज के दिन यमराज अपनी बहन यमुना से मिलने आते हैं। इसी वजह से भाई दूज पर यमराज की विशेष पूजा की जाती है।

चंबा से यह मंदिर करीब 60 किमी की दूरी पर है। बड़ी संख्या में यहां श्रद्धालू आते हैं। शाम चौरासी से ही मणिमहेश य़ात्रा शुरू होती है।

जनजातीय भरमौर को शिव की नगरी भी कहा जाता है। यहां से आगे हंडसर से मणिमहेश झील के लिए पैदल यात्रा शुरू होती है। शाम चौरासी में करीब 84 मंदिर हैं।

कुंभकर्ण की कितनी पत्नियां और बेटे थे राक्षस की मौत के बाद उनका क्या हुआ?

कुंभकर्ण रावण का छोटा भाई तथा ऋषि विश्रवा का पुत्र था। कुंभकर्ण की ऊंचाई छह सौ धनुष के बराबर थी। कुंभकर्ण 6 महीने बाद एक दिन जागता और भोजन करके फिर सो जाता था। कुंभकर्ण की पत्नी बाली की कन्या वज्रज्वाला थी। इनकी दूसरी पत्नी का नाम कर्कटी था। कुंभकर्ण की तीसरी पत्नी तडित्माला थी।

कुंभकर्ण के बेटे

ग्रंथों में ऐसा जिक्र मिलता है कि पहली पत्नी के पुत्रों का नाम कुंभ और निकुंभ था। ये दोनों बहुत बड़े राक्षस थे। निकुंभ के बारे में बताया गया है कि वो भी काफी शक्तिशाली था। उसे कुबेर ने निगरानी का खास दायित्व सौंप रखा था। दूसरी पत्नी के बेटे का नाम था भीमासुर। माना जाता है कि वो भी बहुत शक्तिशाली था। उसने अपने पिता की मृत्यु की बदला लेने के लिए देवताओं से युद्ध भी किया था। हालांकि, बाद में भगवान शिव से उसका मुकाबला हुआ और शिव ने उसे भस्म कर दिया। भगवान शिव ने उसे जहां भस्म किया था। वहीं शंकर भगवान का प्रसिद्ध मंदिर भीमाशंकर है। तीसरी पत्नी से हुए पुत्र का नाम मूलकासुर था। इसके बारे में धार्मिक ग्रंथों में ज्यादा कुछ जिक्र नहीं मिलता है।

कैसे वह इतना विद्वान था

कुंभकर्ण के पिता ऋषि विश्रवा विद्वान थे। उन्होंने कुंभकर्ण को शिक्षा दी थी। इसलिए उसे तमाम वेदों और धर्म-अधर्म की जानकारी थी। वह भूत और भविष्य का ज्ञाता था। उसके बारे में ये भी कहा जाता है कि वो अच्छे चरित्र और स्वाभाव का राक्षस था, जिसके बारे में ये भी माना जाता था कि वो महान लड़ाका था, उसे कोई नहीं हरा पाता था। हालांकि जब वो भगवान राम से युद्ध करने पहुंचा तो वहां उसने बड़े पैमाने पर सैनिक वानरों को मार दिया। बाद में श्रीराम के बाणों से उसकी मृत्यु हुई। ये कहा जाता है कि एक दिन के लिए जब वो जगता था तो वो शोध के काम भी करता था।

मुंबई का बेहद अद्भुत मंदिर, जहां होती है सभी देवी-देवताओं की पूजा, लगती है भारी भीड़

अनोखे मंदिरों की भारत में कमी नहीं है। हर राज्य और जिले में आपको अलग-अलग भगवानों के अद्भुत मंदिर देखने के लिए मिल जाएंगे। मुंबई के महालक्ष्मी में स्थित एक ऐसे ही खास मंदिर की कहानी आज हम आपके लिए लेकर आए हैं। यहां आपको हर देवी देवताओं के दर्शन प्राप्त हो जाएंगे, जो हर किसी मंदिर में देखने को नहीं मिलते हैं। इस मंदिर का नाम त्रयंबकेश्वर मंदिर है। यह भगवान शिव का मंदिर है और इसमें भगवान शिव के साथ माता पार्वती की प्रतिमा भी स्थापित है।

त्रयंबकेश्वर मंदिर

हर रोज रणछोड़राय (द्वारिकाधीश) की इस मंदिर में विधि पूर्वक पूजा होती है। इनका अलग से कमरा बनाया गया है। मंदिर सुबह 6 बजे खुलता है और 8 बजे तक भगवान का श्रंगार किया जाता है। सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक भक्तों के दर्शन का समय होता है। इसके बाद शाम के चार बजे तक रणछोड़राय (द्वारिकाधीश) को विश्राम करने दिया जाता है। इस समय इस कमरे का दरवाजा बंद कर दिया जाता है। फिर शाम से लेकर रात के 9 बजे तक यह द्वार खुला रहता है।

हर देवी देवताओं के लिए विशेष स्थान

भले ही यह मंदिर भगवान शिव का मंदिर है, परंतु यहां अनेकों देवी देवताओं की मूर्तियां मौजूद हैं। हर देवी देवताओं को अलग-अलग कमरे में उनके परिवार के साथ स्थापित किया गया है। इसी कारण

इस मंदिर में भक्त बड़ी मात्रा में आते हैं। एक कमरे में भगवान श्री राम और सीता की मूर्ति को स्थापित किया गया है। वहीं, दूसरी तरफ भगवान शिव के दाहिने तरफ गणेश भगवान की मूर्ति है, जिनके साथ उनकी दोनों पत्नी सिद्धि और बुद्धि की मूर्तियां भी लगी है।

गणेश भगवान के बेटे

आमतौर पर आपको मंदिरों में सिर्फ गणेश भगवान की प्रतिमा देखने के लिए मिलती होगी। पर इस मंदिर में आपको गणेश भगवान के दोनों बेटे शुभ और लाभ भी नजर आएंगे। ऐसा नजारा आपको किसी और मंदिर में बहुत मुश्किल से देखने के लिए मिलेगा। तभी तो रोजाना दूर-दूर से लोग इस मंदिर में भगवान का आर्शीवाद लेने के लिए पहुंचते हैं।

अजीब कशमकश में है ज़िंदगी

राम प्रसाद बिस्मिल देश के प्रमुख क्रांतिकारी थे। एक बार किसी बात पर विवाद हो जाने से राम प्रसाद बिस्मिल की कुछ लोगों ने हत्या करने का प्रयास किया लेकिन वह सौभाग्य से बच गए। राम प्रसाद बिस्मिल अपनी हत्या का प्रयास करने वाले लोगों को भूले नहीं लेकिन वह इसका बदला न ले पाए। इस बात का उन्हें प्रतिपल मलाल रहता था। वह बदला लेने की ठान चुके थे। एक-दो बार वे इसके लिए गए भी किन्तु सफलता नहीं मिली। मन में हर समय मंथन चलता रहता था। इसी चिंता में वे बीमार पड़ गए। उन्हें बुखार रहने लगा। कई महीनों तक इलाज किए जाने पर भी ठीक नहीं हो पाए। उनकी मां इस रोग का कारण समझ गईं। उन्होंने बिस्मिल से पूछा, ''तो बिस्मिल ने मां को सच-सच बता दिया। मां समझ चुकी थीं कि प्रतिशोध की प्रबल भावना ने रोग का रूप धारण कर लिया है।

मां ने आज्ञा दी और बोली, ''बेटा प्रतिज्ञा करो कि तुम उन लोगों से बदला नहीं लोगे जिन्होंने तुम्हारी हत्या का प्रयास किया था।''इस पर राम प्रसाद ने आनाकानी की तो मां फिर से बोली, ''तुम इसे मातृ ऋण ही समझ लो और इसे चुकाने के लिए तुम्हें एक प्रतिज्ञा करनी होगी। बोलो - क्या तुम इस ऋण को नहीं चुकाओगे?''इस पर रामप्रसाद बिस्मिल ने कहा, ''मैं बदला लेने की प्रतिज्ञा कर चुका हूं।'' मां भी अपनी बात पर अड़ गई।रामप्रसाद सच्चे आर्य समाजी थे। मातृ ऋण से उऋण होना उनका धर्म था। मां खुद अपना ऋण चुकाने के लिए उनसे कुछ मांग रही थी। अंततः उन्हें बदले का प्रण भंग करना पड़ा और मां के सामने प्रतिज्ञा करनी पड़ी कि वे उन लोगों से बदला नहीं लेंगे। उस दिन से उनका ज्वार कुछ कम होने लगा तथा कुछ ही दिन में वे पूर्ण स्वस्थ हो गए। वह इस बात को पूरी तरह समझ चुके थे कि जिंदगी में सबसे बड़ा एहसान माता का ही होता है।

भक्त नहीं बना पाते यहां मां का मंदिर...5000 साल से पेड़ के नीचे विराजमान हैं मां चंद्रावली देवी

मथुरा के महावन क्षेत्र स्थित यमुना पार मार्ग पर मां चंद्रावली देवी का 5000 से एक पेड़ के नीचे विराजमान है । मां चंद्रावली उसी पेड़ के नीचे पिंडी स्वरूप में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दे रही हैं। कई भक्तों ने मां का भव्य मंदिर बनाने का प्रयास किया, लेकिन किसी न किसी अड़चन के कारण मंदिर बन ही नहीं सका।

मथुरा के महावन क्षेत्र स्थित यमुना पार मार्ग पर मां चंद्रावली देवी का 5000 से एक पेड़ के नीचे विराजमान है । मान्यता है कि द्वापर युग में राधा रानी की अनेकों सहेली थीं। उन्हीं में से सबसे प्रिय चंदा नाम की सहेली थी।

धार्मिक मान्यता है कि मां आज भी भगवान श्री कृष्ण का इंतजार करती हैं और वट के वृक्ष के नीचे विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देती हैं। भक्तों के लाखों प्रयास के बाद भी यहां आजतक मंदिर नहीं बन पाया।

मां चंद्रावली देवी राधा रानी की प्रिय सहेलियों में से एक थीं। भगवान श्री कृष्ण से गोकुल आने की जिद करती थीं। भगवान श्रीकृष्ण ने करीब 5000 साल पहले राधा रानी की सहेली को वह अपने साथ अपने पिता नंद बाबा से मिलाने के लिए लेकर आए। गोकुल से 3 किलोमीटर दूर चंदा थक गई और भगवान श्रीकृष्ण से उन्होंने रुकने को कहा। जब भगवान को ध्यान आया कि चंद्रावली तो विश्राम कर रही हैं। राधा-कृष्ण की जुगल जोड़ी चंद्रावली के पास पहुंची, तो वह रूठ कर बैठ गईं और बात करने से इंकार कर दिया। इसके बाद भगवान ने उनको मनाते हुए वरदान दिया कि कलयुग में चंद्रावली की पूजा देवी के रूप में इसी स्थान पर होगी।

मां चंद्रावली देवी मंदिर में केवल 4 पिलर लगे हैं। गुंबद अभी तक नहीं बना है। धार्मिक मान्यता है कि मां अपना मंदिर बनवाना नहीं चाहती। खुले में रहना मां को पसंद है। यहां दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश अनेक प्रांत से भक्त दर्शन करने आते हैं। भक्तों का कहना है कि यहां जो आता है, मां उसे कभी निराश नहीं करती हैं।

मां चंद्रावली मंदिर की पुजारिन ओमवती देवी ने बताया कि कई बार हम लोगों ने मंदिर बनाने का प्रयास किया, लेकिन मां खुद नहीं चाहती कि हम मंदिर बनाएं। खुले आसमान के नीचे रहकर मां भक्तों को दर्शन देती हैं। कई बार मंदिर बनाने की कोशिश की गई तो कुछ ना कुछ अड़चन मंदिर बनाने में आ जाती है।

मां चंद्रावली देवी के दर्शनों के लिए नवरात्रि में आस्था का सैलाब उमड़ता है। यहां मथुरा बलदेव रोड से ही भक्त नवरात्र के दौरान पैदल दर्शनों के लिए जाते हैं। नवरात्रि में 9 दिन यहां मेला लगता है।भक्त यहां भंडारे एवं कन्या पूजन कर पुण्य कमाते हैं। इसके अलावा हर सोमवार को मां चंद्रावली मंदिर में भव्य मेला लगता है और हजारों की संख्या में देश के कोने-कोने से श्रद्धालु मां चंद्रावली के दर्शन के लिए आते हैं।

अपने 'काम' को बोलने दो : सुम्बुल तौकीर

सुम्बुल तौकीर का कहना है कि सीखना एक ऐसी प्रक्रिया है, जो हमेशा चलती रहती है। उसने कहा कि वह फिलहाल अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है।

धारावाहिक 'काव्या एक जज्बा, एक जुनून' में लीड रोल निभा रही सुम्बुल ने बताया, मैं हर अनुभव से सीखने और अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए काम करती हूं। आजकल मैं अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ अपने काम में भी सुधार लाने की कोशिश कर रही हूं। उसने कहा, ये कौशल मुझे बेहतर प्रदर्शन करने और उद्योग में विभिन्न भूमिकाओं और चुनौतियों के लिए लचीला बने रहने में मदद करते हैं।

सुम्बुल को लगता है कि मनोरंजन उद्योग में सामाजिक होना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे नए कनैक्शन और संपर्क बनाने में मदद मिलती है। सुम्बुल ने कहा, मनोरंजन उद्योग में नैटवर्किंग और रिश्ते बहुत महत्वपूर्ण हैं। वे हमें नए अवसरों और सीखने की ओर ले जाते हैं। मुझे लगता है कि यह केवल सम्पर्क बनाने के बारे में नहीं, बल्कि रिश्तों को स्वीकार करने के बारे में भी है।

उसने इस बात पर जोर दिया कि मनोरंजन उद्योग में तालमेल बैठाना बेहद आवश्यक है क्योंकि यहां चीजें तेजी से बदलती हैं। उसने कहा, मैं नए विचारों के साथ खुली रहना चाहती हूं, लगातार अपने कौशल में सुधार करना चाहती हूं और अलग-अलग रोल तथा चैलेंज लेना चाहती हूं।

उसने आगे कहा, मुझे पता है कि असफलताएं सफर का हिस्सा हैं लेकिन मैं उन्हें सीखने और आगे बढ़ने के अवसरों के रूप में देखती हूं। मुझे लगता है कि मजबूत बने रहने और अपने लक्ष्यों तथा विश्वासों को ध्यान में रखते हुए मैं और भी मजबूती से वापसी कर सकती हूं। मनोरंजन उद्योग बहुत प्रतिस्पर्धी है और सुम्बुल इस बात से सहमत है। उसने कहा, प्रासंगिक बने रहना कठिन हो सकता है, इसलिए मैं हमेशा सुर्खियों में बने रहने के दबाव की बजाय अपने काम की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करती हूं। मैं अच्छा काम और सार्थक प्रोजैक्ट लेकर अपने लिए एक स्थायी करियर बनाना चाहती हूं। अंत में मुझे लगता है कि यह सब वास्तविक होने, महत्वाकांक्षी बने रहने और अपने काम को बोलने देने के बारे में है।

बोल्ड सीन्स बने 'जी का जंजाल' : सुबुही जोशी

सुबुही जोशी इन दिनों वैब सीरीज 'नागवधू : एक जहरीली कहानी' में बोल्ड सीन्स को लेकर चर्चाओं में है लेकिन ये सीन पहले उसके लिए जी का जंजाल बन गए। थे थ क्योंकि वह इन्हें लेकर काफी डरी हुई थी लेकिन अब वह अपने काम को लेकर मिल रही दर्शकों की प्रतिक्रिया से बेहद खुश है। इसमें सुबुही नई दुल्हन आभा के किरदार में है।

सुबुही ने कहा, मुझे लगता है कि कुल मिलाकर, मुझे बहुत पॉजिटिव रिस्पांस मिला। मैं बहुत डरी हुई थी क्योंकि मैंने कुछ बोल्ड सीन किए थे लेकिन, सभी ने इसके बारे में अच्छी बातें कहीं, क्योंकि स्क्रीन पर बिल्कुल भी ऐसा नहीं लग रहा था कि यह गैर-जरूरी हो। मुझे कुल मिलाकर बहुत अच्छे कमैंट्स मिले हैं।

उसने कहा कि फीडबैक बहुत पॉजिटिव रहा है। दर्शकों को यह कहानी के लिए जरूरी और दिलचस्प लगा, जो मेरे लिए राहत की बात थी। तारीफों ने सीन्स की सुंदरता को बढ़ा दिया।

उसने कहा, मुझे 'नागवधू...' जैसा कुछ फिर से करने में कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि कहानी के लिहाज से, यह अच्छा था। जिन चीजों को लेकर मैं सबसे ज्यादा डर रही थी, वे असल में अच्छी निकलीं, इसलिए मुझे उन्हें फिर से करने में कोई आपत्ति नहीं। हर प्रोजैक्ट के साथ आपको नई चीजें करने और नए किरदार निभाने का मौका मिलता है। यह नयापन दर्शकों को जोड़े रखने के लिए बहुत जरूरी है।

उसने कहा कि दर्शकों के पास कंटेंट के कई ऑप्शन हैं, जिससे उनकी अटैंशन पाना मुश्किल हो जाता है। उसने कहा, आजकल बोल्ड कंटेंट को इसलिए स्वीकार किया जा रहा है क्योंकि लोग इन चीजों के बारे में ज्यादा खुले हैं। लोग इसे लेकर काफी सहज हैं, हालांकि अभी भी कुछ जगहें ऐसी हैं, जहां इसे ज्यादा पसंद नहीं किया जाता क्योंकि परिवार एक साथ शो देखना चाहता है।

मुझे 'क्लासिक' चीजें पसंद हैं : मानुषी छिल्लर

स्टाइल का मतलब है व्यक्तित्व और मैं अपनी पहचान नहीं खोना चाहती। मुझे लगता है कि यही वजह है कि मैं फैशन का आनंद लेती हूं। यह बात मेरे स्टाइलिस्ट भी मुझसे कहते हैं और इसकी वकालत करते हैं।

अभिनेत्री और पूर्व 'मिस वर्ल्ड' मानुषी छिल्लर इस वर्ष दो फिल्मों 'ऑप्रेशन वैलेंटाइन' और 'बड़े मियां छोटे मियां' के चाद जल्द ही फिल्म 'तेहरान' में नजर आने वाली है। शानदार स्टाइल और कमाल की फैशन सैस के लिए भी ढेरों प्रशंसक सो श ल मीडिया पर उसे फॉलो करते हैं।

अपने पर्सनल स्टाइल के बारे में बात करते हुए वह कहती है, मुझे क्लासिक चीजें पसंद हैं लेकिन साथ ही मुझे लगता है कि में खुद को उस पल के अनुसार स्टाइल करना चाहती हूं,जैसा कि मैं महसूस कर रही होती है। यह इस पर भी निर्भर करता है कि उस समय मैं कहां हूं और मुझे वहां क्या करना चाहिए।

समय के साथ, मैं नई चीजें आजमाने लगी हूं और मैंने बहुत से नए स्टाइल भी अपनाए हैं। मुझे प्रयोग करना पसंद है।

'मिस वर्ल्ड' के रूप में समय के साथ फैशन और सुंदरता के बारे में उसकी धारणा कि स तरह से बदली, इस पर उसने कहा, ₹बेशक, फैशन और सुंदरता के बारे में मेरी धारणा पिछले कुछ सालों में बहुत अधिक एक्सपोजर के कारण विकसित हुई है। मैं कहूंगी कि मेरे लिए यह सब इस समय आत्मविश्वास और सहज महसूस करने के बारे में है।

आखिरकार हम अपने हिसाब से कपड़े पहनते हैं और हमें इस बात का आनंद लेना चाहिए कि हम कैसे दिख रहे हैं और किस तरह के स्टाइल में हैं। यही सबसे महत्वपूर्ण है।

अपनी पसंद पर भरोसा

फैशन तथा स्टाइल को लेकर मिली सबसे अच्छी सलाह के बारे में पूछे जाने पर वह कहती है, ₹मैं हमेशा इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट रही हूं कि मुझे क्या चाहिए। 'मिस इंडिया' बनने के बाद से ही, जब मैं 'मिस वर्ल्ड' के लिए गई थी, तब से ही मुझे पता था कि मुझे क्या पहनना है। मैंने उस समय उपलब्ध विशेषज्ञों से सलाह लेकर लगभग सब कुछ खुद ही तय किया।

आज तक मैं इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट रही हूं कि मुझे कैसी डैड्रेस पहननी है। कई बार ऐसा भी हुआ है कि जब मैंने वही किया जो मुझे लगा कि बाकी सभी कर रहे हैं लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं वह करके खुश रहूंगी जी बाको सभी कर रहे हैं। मैं हमेशा अपनी पसंद से ही खुश रही हूं।

सबसे अच्छी सलाह

₹एक बहुत बड़े डिजाइनर ने मुझसे कहा था, 'मानुषी, तुमने हमेशा शुरू से अपने फैसले खुद लिए हैं, तुम्हें पता है कि तुम्हें क्या पहनना है, तो तुम भीड़ में क्यों रखो जाना चाहती हो?' मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छी सलाह है। स्टाइल का मतलब है व्यक्तित्व और मैं अपनी पहचान नहीं खोना चाहती। मुझे लगता है कि यही वजह है कि मैं फैशन का आनंद लेती हूं।

फैशन में पर्यावरण का ध्यान

फै श न जगत में भी अब पर्यावरण का ध्यान रखने के लिए आवाज उठाई जाने लगी है। यह बात मानुषी के लिए कितनी महत्वपूर्ण है और वह अपनी जीवनशैली में इसे शामिल करने के लिए क्या कदम उठाती है, पर उसने कहा, ₹निश्चित रूप से यही अब आगे बढ़ने का रास्ता है, खासकर फैशन उद्योग में, जो बहुत ज्यादा कचरा पैदा करता है। एक सैलीब्रिटी तथा पब्लिक फिगर के रूप में, हमसे हर बार बहुत सारे नए लुक्स में दिखने की उम्मीद की जाती है।

मैं पूरी तरह से रीसाइक्लिंग में विश्वास करती हूं। मुझे अपने कपड़ों को दोहराने में भी कोई समस्या नहीं है। बेशक, डिजाइनर भी इस दिशा में बहुत सक्रिय है, इसलिए यह बहुत अच्छा है क्योंकि आप जानते हैं कि यह कपड़ों की बर्बादी नहीं है।

'स्लो फैशन' की प्रशंसक

साथ ही, मैं 'स्लो फैशन' की प्रशंसक बन गई हूं। मुझे लगता है कि समय के साथ मैं उस तरह के फैशन में भी विश्वास करने लगी हूं, जिसे मैं अपने तरीके से दोहरा और स्टाइल कर सकती हूं। मुझे 'स्लो फैशन' यानी ऐसे कपड़े पसंद हैं, जो पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए बनाए जाते हैं। मुझे लगता है कि ये छोटे-छोटे कदम हैं जिन्हें मैंने अपने जीवन में शामिल किया है, ताकि फैशन के दौरान पैदा होने वाले कचरे को कम से कम किया जा सके। साथ ही, जिस ब्रांड को मैंने लॉन्च किया है, उसके साथ भी हम पर्यावरण का पूरा ध्यान रख रहे हैं। हम कपड़े बनाने के लिए समुद्री प्लास्टिक को रीसाइकिल करते हैं।₹ ₹कपड़े तथा सिलाई से लेकर पैकेजिंग तक, सब पर्यावरण हितैषी तरीकों से किया जा रहा है। इस पर मुझे गर्व है और उम्मीद है कि मैं इसे और आगे बढ़ा पाऊंगी। मैं पर्यावरण हितों को लेकर बहुत ही सजग हूं और इन बातों को दिन- प्रतिदिन के जीवन में शामिल करने की कोशिश कर रही हूं।

उसके पर्सनल स्टाइल ने उसके ऑन-स्क्रीन किरदारों को कैसे प्रभावित किया है, पर उसने कहा, मैंने अब तक जितने भी किरदार निभाए हैं, वे सभी बहुत अलग-अलग हैं इसलिए + उन की शैली और रूप-रंग किरदार की जरुरतों के हिसाब से हीतय होता है, न कि मैं मेरी असल जिंदगी से।

लक्ष्य पाने के लिए आगे बढ़ते रहें : सनी लियोन

सनी लियोन ने अपने करियर में एक लम्बा सफर तय किया है। वह उन कुछेक अभिनेत्रियों में से एक है, जिन्होंने पोर्न इंडस्ट्री को छोड़ कर मुख्यधारा की फिल्मों में लोकप्रियता हासिल की। कनाडा में करनजीत कौर वोहरा के नाम से जन्मी सनी ने अमरीका की पोर्न इंडस्ट्री में खासी सफलतापाने के बाद बॉलीवुड का रुख किया और 'जिस्म 2','जैकपॉट', 'रागिनी एमएमएस 2', 'एक पहेली लीला' जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुकी है।

अब तो वह हिन्दी ही नहीं, कई अन्य भाषाओं की फिल्मों में काम कर रही है। इस वर्ष एक मलयालम फिल्म 'मुर्द्ध भावे बुडा कुचे' में एक आईटम नम्बर में नजर आई सनी की झोली में इसइ समय तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिन्दी भाषाओं की कुल 8 फिल्में हैं।

इतना ही नहीं, वह अभिनय के अलावा, बिजनैस जगत में भी खूब कामयाबी हासिल कर चुकी है। यही कारण है कि गत दिनों, एक पैनलिस्ट के रूप में उसे 'द बिग ब्रेक' में शामिल किया गया था। यह एक अनूठी पहल है, जिसका उद्देश्य महिला उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

मुझे लगता है कि हर उद्यमी की अपनी मात्रा होती है। इसकी किसी और के साथ तुलना नहीं की जा सकती। हर किसी के लिए सफलता के तत्व अलग-अलग होते हैं। मेरे हिसाब से, अगर आपने शुरुआत से हो अपना स्तर ऊंचा रखा है, तो आप सही रास्ते पर हैं और प्रगति कर चुके हैं। इसी तरह मैं खुद का मूल्यांकन करती हूं। सभी महिला उद्यमियों को मेरा संदेश है कि हमेशा विकास करती रहें आगे बढ़ती रहें और अपने लिए उन्ब लक्ष्य निर्धारित करें। अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आपको अपने दम पर कदमों की पहचान करनी होगी और प्रेरित रहना होगा। आपको खुद को सशक्त बनाना होगा। आपके काम का कोई न कोई उद्देश्य होना चाहिए। महिलाओं के लिए, व्यवसाय का मार्ग आमतौर पर आसान नहीं और चुनौतियों से भरा होता है।

मुझे लगता है कि एक उद्यमी और एक मां होने का सबसे अच्छा हिस्सा यह है कि मुझे दोनों दुनिया को सर्वोत्तम चीजों का आनंद लेने का अवसर मिलता है।

समय बीतने के साथ मैं उन चीजों में निवेश करना चाहती हूं जो मुझे अपने परिवार और तीन बच्चों के लिएस्थिरता और सुरक्षा का एहसास दिलाती हैं। मैं अपनेपरिवार और तीन बच्चों की खुशहाली के अनुसार अपनीप्रतिबद्धताओं को संतुलित करना चाहती हूँ।

मैं खुश हूं और मुझे अपनी जिंदगी पसंद है तथा मैं इसी तरह जीना जारी रखना चाहती हूं। मैं जीवन में अलग- अलग लक्ष्य हासिल करना चाहती हूं और उद्यमी बनना उनमें से ही एक था।

अपने जीवनसाथी और सपोर्ट सिस्टम डैनियलसे ही में हर तरह की सलाह लेती हूं।

हम हर एक चीज पर चर्चा करते हैं और अपनी भूमिकाएं विभाजित करते हैं। मैं अपने चिजगैस में फॉर्मूलेशन और पैकेजिंग टीम के साथ मिलकर काम करती हूं, जबकि डैनी कॉन्ट्रैक्ट, बिक्री, व्यवसाय विकास, विस्तार और बिजनैस के अन्य हिस्सों पर काम करता है। फिर भी कुछपहलू हमेशा एक-दूसरे से टकराते रहते हैं।

अपने परिवार के साथ समय बिताना मुझे बहुत आराम देता है। मैं बॉलीवुड जैज और चेट बेकर सहित विभिन्न शैलियों के संगीत सुनती हूं। मैं अपने बच्चों और खुद के लिए बहुत सारा शास्त्रीय संगीत भी सुनती हूं।

मुझे बैंकिंग और कुकिग का शौक है। मैं खाना बना सकती हूं। अगर कोई मेरे घर आता है तो तो मैं उन्हें खुद बेक किया कुछ खाने के लिए देती हूं। मैं जो कुछ भी करती हूं उसका संबंध खाने से ही होता है (हंसती हैं)।

मैं अपने बिजनैस पार्टनर साहिल के साथ नोएडा के चिका लोका में एक नया रेस्तरां खोल रही हूं। हमारे पास चार अन्य लोकेशन्स हैं, जहां हम इसका विस्तार करने वाले हैं। हम एक शानदार शुरुआत की उम्मीद कर रहे हैं। हम दिलचस्प व्यंजन और प्रगतिशील मेनू पेश करने केलिए बहुत उत्साहित है।

करनजीत कौर बोहरा और सनी लियोन एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। हालांकि, मैं यह नहीं कह सकती कि यह 'एक ही व्यक्ति, एक ही पहचान' है। एक हिस्सा दूसरे का हिस्सा नहीं है। असल जिदगी में, मैं ज्यादातर लोगों की तरह थोड़ी ज्यादा निजी रहना पसंद करती हूं।

मुझे अपने परिवार से प्यार है। मुझे घर पर रहना पसंदहै। मैं कभी कभी लोगों से मिलती-जुलती हूं लेकिन वह मेरे मूड पर निर्भर करता है।

मुझे लगता है कि हमारा सफलता मंत्र अन्यों की ही तरह है- कड़ी मेहनत करें, संघर्ष करें, सुनिश्चित करें कि आप जो भी पेश कर रहे हैं वह असाधारण हो। लोग हमेशा नकारात्मकता फैलाकर आपको नीचे गिराने की कोशिश करेंगे, लेकिन आपको अपना ध्यान भटकने नहीं देना है।

इन दिनों किसी भी उत्पाद के बारे में नेगेटिव रिव्यू बहुत आम हैं। निराश नहीं होना चाहिए और एक अच्छा उत्पाद ही आपका जवान होना चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आपके पास मौजूद सभी तथ्य सही हों और आप कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार रहें। काम पर लग जाओ और रुको मत। यह दिन-रात का काम है। आपको कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

'बड़ी तकलीफ' होती है अच्छा काम हाथ से निकलने पर : शिवांगी वर्मा

'छोटी सरदारनी', 'रिपोर्टर्स' जैसे शोज में नजर आ चुकी खूबसूरत अभिनेत्री शिवांगी वर्मा इन दिनों शो 'तेरा इश्क मेरा फितूर' को लेकर चर्चा में है। हाल ही में उनसे बातचीत हुई तो उन्होंने अपने संघर्ष और अपनी निजी बातें दिल खोलकर शेयर कीं। पेश हैं इसी बातचीत के कुछ अंश :

- इंडस्ट्री में बहुत स्ट्रगल है और यह हर कोई जानता है। लोग कितना आसान समझते हैं कि टी.वी. में आना कोई बड़ी बात नहीं है लेकिन उन लोगों को मैं कहना चाहती हूं कि इंडस्ट्री के हर कदम पर काफी स्ट्रगल है। जितने टैलेंटेड लोग इंडस्ट्री में आते हैं, उतना ज्यादा कम्पीटीशन बढ़ता जा रहा है।

एक रोल पाने के लिए आपको बहुत मेहनत करनी पड़ती है, लुक पर ध्यान देना पड़ता है, वर्कआऊट करना पड़ता है। यह स्ट्रगल जारी ही रहता है। इमोशन एक ऐसी चीज है, जिसे कंट्रोल करना नामुमकिन होता है। आप खुद के अंदर सारी क्वालिटी देखते हैं लेकिन सामने वाला आपको किस नजर से देखता है, वह मायने रखता है। जब अच्छा काम हाथ से चला जाता है तो बड़ी तकलीफ होती है, मूड ऑफ हो जाता है। किसी के साथ बातचीत करने का मन नहीं करता। पहले मैं इन सबको बहुत सीरियसली ले लेती थी, लेकिन अब मुझे पता चल गया है कि सिर्फ काम करते जाओ और आगे बढ़ते रहो।

हम जैसे एक्टर्स के लिए काम बहुत महत्वपूर्ण होता है। पसंदीदा प्रोजैक्ट मिलते हैं तो काफी खुशी होती है। जब मुझे यह शो ऑफर हुआ, तब मैं न्यूयॉर्क में थी। जब मुझे यह स्टोरी सुनाई गई तो काफी अच्छी लगी। स्टोरी सुनते ही मैंने हां कर दी। काफी अच्छी लव स्टोरी है।

के.एल. सहगल के 'इंकार' से जागी मोहम्मद रफी की किस्मत

मोहम्मद रफी का जन्म 24 दिसम्बर, 1924 को श्री अमृतसर साहिब के पास गांव कोटला सुल्तान सिंह, हलका मजीठा में हुआ था। उनके पिता का नाम हाजी अली और माता का नाम अल्ला क्खी था। रफी साहब ने दो शादियां कीं। पहली पत्नी का नाम बशीरा बीबी था जो 1947 के विभाजन के दौरान पाकिस्तान चली गईं। फिर उन्होंने बिलकिस बानो से शादी की। रफी साहब को बचपन से ही गाने का शौक था।

ऐसा कहा जाता है कि एक फकीर अपने घर के पास एक गाना गाता था, 'खेडन दे दिन चार नी मांएं'। इस फकीर के गाने सुनकर रफी साहब बहुत प्रभावित हुए।

उनके शौक को देखते हुए रफी साहब के बड़े भाई मोहम्मद दीन ने उन्हें संगीत सीखने के के लिए उस्ताद अब्दुल वहीद खान के पास भेजा। मोहम्मद रफी की किस्मत तब जागी, जब एक दिन लाहौर में एक संगीत कार्यक्रम में के. एल. सहगल ने लाइट चली जाने की वजह से गाने से मना कर दिया। कार्यक्रम देखने आए मोहम्मद रफी के भाई ने आयोजकों से रफी साहब

को गाने देने का अनुरोध किया, जिस कारण रफी साहब को गाने का मौका दिया गया। उनकी सुरीली आवाज सुनकर पंडाल तालियों से गूंज उठा। संगीतकार शाम सुंदर भी कार्यक्रम को देखने आए थे। उन्होंने रफी साहब की आवाज सुनी और उन्हें मुंबई आने का आमंत्रण दिया। 1941 में वह मुंबई चले गए, जहां संगीत निर्देशक शाम सुंदर ने रफी साहब को अपनी पंजाबी फिल्म 'गुल बलोच' में गाने का मौका दिया।

इसके बाद संगीतकार शाम सुंदर ने उनके गाने को अपनी हिंदी फिल्म 'गांव की गोरी' में शामिल किया और उसके बाद रफी साहब ने बुलंदियों को छुआ और गानों में जान फूंक दी। रफी साहब के सुपरहिट पंजाबी गानों में 'दाना पानी खिच के लेआंदा, कौण किसे दा खांदा' (गुड्डी), 'लग्गी वाले कदी ना सौंदे (सस्सी सस्सी फ्लू), 'सप दी तोर ना तुरीए नी कुड़िए' (धन्ना जट्ट) और कई अन्य शामिल हैं। हिंदी फिल्मी गीतों से वह न सिर्फ भारत बल्कि विदेशों में भी लोकप्रिय हो गए। रफी साहब के कुछ हिट गाने थे 'आज मौसम बड़ा बेईमान है' (लोफर), 'पुकारता चला हूं मैं' (मेरे सनम), 'तुमने मुझे देखा होकर मेहरबां' (तीसरी मंजिल), 'तेरी गलियों में न रखेंगे कदम' (हवस), 'लिखे जो खत तुझे' (कन्या दान) आदि। 31 जुलाई, 1980 की रात को दिल का दौरा पड़ने से मोहम्मद रफी का निधन हो गया। रफी साहब को अनेक फिल्म पुरस्कार और 1965 में पद्मश्री मिला। उन्होंने हिंदी सहित विभिन्न भाषाओं में लगभग 26000 गाने गाए।

ओला-वीजा समेत तीन फाइनेंस कंपनियों पर आरबीआई ने लिया एक्शन, लगा इतना जुर्माना

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ने फाइनेंस सेक्टर से जुड़ी तीन कंपनियों के ऊपर कार्रवाई की है। आरबीआई ने जिन कंपनियों के ऊपर कार्रवाई की है, उनके नाम हैं ओला फाइनेंशियल सर्विसेज, मणप्पुरम फाइनेंस और वीजा। सेंट्रल बैंक के द्वारा इस कार्रवाई में जुर्माना भी लगाया गया है।

ओला फाइनेंशियल पर 87 लाख से ज्यादा जुर्माना

आरबीआई ने शुक्रवार को अलग-अलग आदेश में इन कार्रवाइयों की जानकारी दी। आरबीआई के एक आदेश के अनुसार, ओला फाइनेंशियल सर्विसेज के ऊपर 87.50 लाख रुपये से ज्यादा का जुर्माना लगा है। कंपनी के ऊपर एक मामले में 33.40 लाख रुपये का जुर्माना लगा है। यह जुर्माना केवाईसी के प्रावधानों का पालन नहीं करने के लिए है। उसके अलावा पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम से जुड़े प्रावधान के अनुपालन में कमी के चलते 54.15 लाख रुपये का दूसरा जुर्माना भी लगा है।

मणप्पुरम फाइनेंस पर 41.50 लाख का जुर्माना

इसी तरह रिजर्व बैंक ने मणप्पुरम फाइनेंस के ऊपर 41.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। मणप्पुरम फाइनेंस के ऊपर की गई कार्रवाई केवाईसी के नियमों के अनुपालन में कमी के चलते है। आरबीआई ने बताया है कि मणप्पुरम फाइनेंस उसके द्वारा केवाईसी (नो योर कस्टमर) पर जारी प्रावधानों का सही से अनुपालन करने में असफल रही। इस कारण आरबीआई ने जुर्माना लगाने का फैसला लिया है।

वीजा के ऊपर लगभग 2.5 करोड़ जुर्माना

सबसे तगड़ा जुर्माना वीजा के ऊपर लगा है। पेमेंट प्रोसेसिंग वाली मल्टीनेशनल कंपनी वीजा प्राइवेट लिमिटेड के ऊपर रिजर्व बैंक ने 2.4 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। वीजा के ऊपर आरोप था कि उसने रिजर्व बैंक से नियामकीय मंजूरी के बिना पेमेंट ऑथेंटिकेशन सॉल्यूशन को इम्पलीमेंट किया।

वीजा ने कहा नियमों का करती है सम्मान

वीजा ने रिजर्व बैंक के एक्शन के बाद एक बयान में कहा कि वह अनुपालन के दिशानिर्देशों, नियमनों और अपने परिचालन के सभी देशों के स्थानीय नियमों का सम्मान करती है व उनका अच्छे से पालन करती है। कंपनी ने आरबीआई के द्वारा की गई कार्रवाई को स्वीकार करते हुए कहा कि वह भारत में रिजर्व बैंक के द्वारा तय नियमों व नियमनों का पालन करेगी और सुरक्षित भुगतान समाधान मुहैया कराते रहेगी।

इस 'महारत्न' कंपनी की खुली किस्मत, यहां लगी 10 हजार करोड़ की लॉटरी

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। देश की महारत्न कंपनी की किस्मत खुल गई है. उसकी 10 हजार करोड़ रुपए की लॉटरी लगी है. ये लॉटरी झारखंड से आई है. वास्तव में कंपनी को थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट का ठेका मिला है. जिसकी वजह से कंपनी के लिए ये काफी बड़ी खबर मानी जा रही है. वास्तव में ये महारत्न कंपनी कोई और नहीं बल्कि भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड यानी भेल है. इस ऑर्डर के बाद कंपनी के शेयरों में शुक्रवार को 2.21 फीसदी की तेजी देखने को मिली थी. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर कंपनी को कहां से और किसने 10 हजार करोड़ रुपए का ठेका दिया है.

यहां होना है ये प्रोजेक्ट

सरकारी कंपनी और महारत्न से सम्मानित भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड यानी भेल को दामोदर घाटी निगम यानी डीवीसी से 10 हजार करोड़ रुपए का थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट का ठेका मिला है. कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 800-800 मेगावाट की दो यूनिट्स कोडरमा ताप

बिजलीघर के दूसरे चरण की परियोजना के तहत झारखंड में स्थापित की जाएगी. जानकारी के अनुसार इस प्रोजेक्ट को 52 महीनों में पूरा किया जाना है. यह ऑर्डर 10 हजार करोड़ रुपए का है. इस कार्य में बॉयलर, टरबाइन, जनरेटर और संबंधित सहायक उपकरणों की सप्लाई शामिल है. इसके अलावा, भेल सिविल कार्य के अलावा प्रोजेक्ट को चालू करेगी. जानकारों की मानें तो कंपनी के लिए ये काफी बड़ा ऑर्डर है.

कंपनी के शेयरों में तेजी

शेयर बाजार को दी जाने वाली जानकारी से पहले कंपनी के शेयर में दो फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली. बीएसई पर कंपनी का शेयर कारोबारी सत्र के दौरान 2.28 फीसदी की तेजी के साथ 318.05 रुपए के दिन के हाई पर पहुंच गया. बाजार बंद होने के बाद कंपनी का शेयर करीब दो फीसदी की बढ़ोतरी के बाद 317.25 रुपए पर देखा गया. वैसे कंपनी का शेयर 313.85 रुपए के साथ ओपन हुआ था. वैसे कंपनी का मार्केट कैप 1,10,468.46 करोड़ रुपए है.

11 महीनों में 3 गुना की तेजी

9 जुलाई को कंपनी का शेयर 335.40 रुपए के साथ 52 हफ्तों के हाई पर पहुंच गया था. जबकि 7 अगस्त 2023 को कंपनी का शेयर 94.80 रुपए पर था. इसका मतलब है कि करीब 11 महीने में कंपनी के शेयर में 3.50 गुना यानी 254 फीसदी की तेजी देखने को मिल चुकी है.

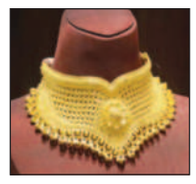

बीते एक साल में कंपनी ने निवेशकों को 206.58 फीसदी का रिटर्न दे चुका है. मौजूदा साल में कंपनी के शेयर में 60 फीसदी की तेजी देखने को मिल चुकी है. एक महीने में कंपनी ने निवेशकों 6.75 फीसदी का रिटर्न दिया है. जबकि एक हफ्ते में 6.85 फीसदी का इजाफा देखने को मिल चुका है.

अगस्त में कुल तेरह दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। अगस्त का महीना कई मायनों में काफी अहम होता है. इस महीने में कई तरह के त्योहार पूरे देशभर में सेलीब्रेट किए जाते हैं. 15 अगस्त के दिन देश स्वतंत्रता दिवस सेलिब्रेट करता है. वहीं दूसरी ओर रक्षाबंधन का दिन भी इसी महीने आता है. भगवान श्री कृष्ण का जन्मदिवस यानी जन्माष्टमी भी अगस्त के महीने में सेलीब्रेट होगी.इन तमाम त्योहारों के अलावा स्टेट स्पेसिफिक फेस्टिवल भी होते हैं. जिन्हें लोकल लेवल पर काफी धूमधाम से मनाया जाता है. ऐसे में इन तमाम अवकाशों की वजह से

अगस्त के महीने में कई दिन बैंक बंद रहने वाले हैं. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की हॉलिडे लिस्ट के अनुसार अगस्त के महीने में दूसरे और चौथे शनिवार साथ में 4 रविवार को जोड़ दिया जाए तो कुल 13 अवकाश हैं. अगर आपने अगस्त के महीने में कोई प्लानिंग की हुई है तो आरबीआई की हॉलिडे लिस्ट देख लेना काफी जरूरी है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर अगस्त के महीने में कौन सी तारीख को कहां पर बैंकों का अवकाश रहने वाला है.

अगस्त के महीने में इन तारीखों पर रहेगा बैंकों का अवकाश

3 अगस्त 2024, शनिवारः केर पूजा के मौके पर अगरतला में अवकाश 4 अगस्त 2024, रविवारः पूरे देश में बैंकों का अवकाश 8 अगस्त 2024, गुरुवारः टेंडोंग लो रम फाट के मौके पर सिक्किम में अवकाश 10 अगस्त 2024, शनिवारः दूसरे शनिवार को पूरे देश में बैंकों का अवकाश 11 अगस्त 2024, रविवारः पूरे देश में बैंकों का अवकाश 13 अगस्त 2024, मंगलवारः देशभक्त दिवस के मौके पर मणिपुर में अवकाश 15 अगस्त 2024, गुरुवारः स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पूरे देश में अवकाश 18 अगस्त 2024, रविवारः पूरे देश में बैंकों का अवकाश 19 अगस्त 2024, सोमवारः रक्षा बंधन के मौके पर देश के कई राज्यों में अवकाश 20 अगस्त 2024, मंगलवारः श्री नारायण गुरु जयंति के मौके पर कोच्चि और तिरुवंतपुरम में अवकाश 24 अगस्त 2024, शनिवारः चौथे शनिवार को पूरे देश में बैंकों का अवकाश 25 अगस्त 2024, रविवारः पूरे देश में बैंकों का अवकाश 26 अगस्त 2024, सोमवारः जन्माष्टमी के मौके पर भारत भर के कई राज्यों में अवकाश।

रिटर्न दाखिल करने आखिरी तारीख 31 जुलाई

विभाग ने दिक्कतों ठीक करने का भरोसा दिलाया

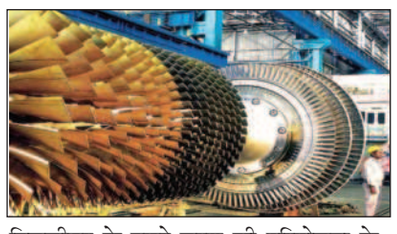

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। आयकर रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई 2024 है। बीते कुछ दिनों से मीडिया में खबरें चल रही हैं कि ई-फाइलिंग साइट पर आ रही दिक्कतों को देखते हुए रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख को बढ़ाया जा सकता है। हालांकि अब तक सरकार की ओर से ऐसा कोई ठोस संकेत नहीं मिला है। ऐसे में अगर आपने अभी तक आईटीआर रिटर्न दाखिल नहीं किया है, तो जल्दी कर लें नहीं तो आपको परेशानी उठानी पड़ सकती है। इस बार करदाताओं को ई-फाइलिंग पोर्टल पर अपना रिटर्न फाइल करने के दौरान कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोगों ने ऐसी शिकायतें की हैं, पर आयकर विभाग की ओर से हर बार परेशानियों को ठीक कर लेने का भरोसा दिया गया है। ऐसे में इस बात की संभावना कम ही है कि सरकार रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई से आगे बढ़ाएगी।

27 जुलाई तक 5 करोड़ करदाताओं ने भरे रिटर्न

आयकर विभाग के आंकड़ों के अनुसार 26 जुलाई 2024 तक करीब 5 करोड़ आयकर दाताओं ने अपना टैक्स रिटर्न फाइल कर दिया है।

विभाग के अनुसार 5 करोड़ आयकर रिटर्न का आंकड़ा इस साल एक दिन पहले ही हासिल कर लिया गया है। पिछली बार आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या 5 करोड़ के पार 27 जुलाई को पहुंची थी।आयकर विभाग ने उम्मीद जताई है कि इस साल पिछले साल की तुलना में अधिक लोग अपना रिटर्न दाखिल करेंगे। पिछले वर्ष 31 जुलाई तक 6.77 करोड़ लोगों ने अपना आयकर रिटर्न दाखिल किया था। आयकर विभाग ने अपने एक्स हैंडल पर बचे हुए करदाताओं से अपील की है कि वे भी आखिरी हफ्ते की मशक्कत से बचते हुए समय रहते अपना रिटर्न फाइल कर लें।

आयकर पोर्टल पर रिटर्न दाखिल करने में आ रही दिक्कतों से जुड़ी शिकायत के जवाब में विभाग ने कहा है कि यदि समस्याओं के समाधान के बाद भी आपको दिक्कत आ रही है तो आप अपना पैन और मोबाइल नंबर अपनी परेशानी के साथ लिखकर orm@cpc.incometax.gov.in पर भेज सकते हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आयकर विभाग की ओर से कहा गया है कि वे लगातार समस्याओं को ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं।

म्यूचुअल फंड कंपनी पर चला सेबी का डंडा, नियामक ने लगाई लाखों रुपये की पेनल्टी

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)।म्यूचुअल फंड कंपनी एचएसबीसी एसेट मैनेजमेंट की परेशानियां बढ़ गई हैं। बाजार नियामक सेबी ने न सिर्फ उसके खिलाफ एक पुराने मामले को दोबारा ओपन किया है, बल्कि साथ-साथ उसके ऊपर 5 लाख रुपये की पेनल्टी भी लगा दी है।

सेबी ने फिर से ओपन किया केस

बाजार नियामक ने संबंधित मामले में पहले भी एक आदेश जारी किया था, लेकिन अब उसका कहना है कि पुराने आदेश में एसेट मैनेजमेंट कंपनी का हक बहाल करने का आदेश त्रुटिपूर्ण है। नियामक ने पिछले आदेश की गलती को सही करने के लिए मामले को री-ओपन किया है और कंपनी के ऊपर 5 लाख रुपये की पेनल्टी लगाई है।

एलएंडटी एएमसी के अधिग्रहण का मामला

सेबी का यह एक्शन एचएसबीसी समूह के द्वारा एलएंडटी एसेट मैनेजमेंट कंपनी के किए गए अधिग्रहण से जुड़ा हुआ है। एचएसबीसी ग्रुप ने पिछले साल मई महीने में एलएंडटी एसेट मैनेजमेंट कंपनी का अधिग्रहण किया था और उसे अक्टूबर 2023 में अपनी एसेट मैनेजमेंट कंपनी एचएसबीसी एएमसी के साथ मर्ज कर दिया था।

इस प्रावधान का हुआ है उल्लंघन

मौजूदा नियमों के अनुसार, एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को निवेश के सभी निर्णयों को साबित करने वाले रिकॉर्ड मेनटेन रखने होते हैं। उन रिकॉर्ड में निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार डेटा, फैक्ट और ओपिनियन शामिल होते हैं। मतलब एसेट मैनेजमेंट कंपनियां जिन डेटा, फैक्ट और ओपिनियन के आधार पर निवेश के निर्णय लेती हैं, उनका रिकॉर्ड उन्हें मेनटेन रखना पड़ता है। एचएसबीसी एएमसी के द्वारा एलएंडटी एएमसी के अधिग्रहण के मामले में इसी प्रावधान से जुड़ी गड़बड़ियां पाई गई हैं।

विजय माल्या को प्रतिभूति बाजार में प्रवेश करने से रोका, पहचान छिपाकर व्यापार करने का था आरोप

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भगोड़े व्यवसायी विजय माल्या पर तत्काल प्रभाव से तीन साल के लिए प्रतिभूति बाजार में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। माल्या पर अपनी पहचान छिपाकर भारतीय प्रतिभूतियों में व्यापार करने का आरोप है। सेबी ने कहा, माल्या को तीन साल की अवधि के लिए किसी भी सूचीबद्ध कंपनी या सूचीबद्ध होने के लिए प्रस्तावित कंपनी के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ने से रोका जाता है। एक आदेश में, सेबी ने कहा कि माल्या को प्रतिभूति बाजार तक पहुंचने से रोका गया है और प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिभूतियों को खरीदने, बेचने या अन्य लेनदेन करने या किसी भी तरह से प्रतिभूति बाजार से जुड़े रहने पर भी तीन साल तक प्रतिबंध लगाया गया है।

इसके अलावा, प्रतिबंध की अवधि के दौरान, माल्या की म्यूचुअल फंड की इकाइयों की होल्डिंग सहित प्रतिभूतियों की मौजूदा होल्डिंग जमी रहेगी।सेबी ने अपने 37 पन्नों के आदेश में कहा कि यह स्पष्ट रूप से स्थापित है कि माल्या ने विदेश में रखे अपने अधिशेष धन को निवेश करने के लिए विदेशी संस्थागत निवेश तंत्र या मार्ग का दुरुपयोग किया है।

भारत में इन कंपनियों के निवेशकों को इसका खुलासा नहीं किया है। इसलिए, मुझे लगता है कि नोटिस प्राप्तकर्ता ने भारतीय कंपनियों के शेयरधारकों के हितों की हानि के लिए एफआईआई यानी मैटरहॉर्न वेंचर्स की आड़ में अपनी पहचान छिपाकर एफआईआई मार्ग के माध्यम से निवेश करने का स्पष्ट रूप से सहारा लिया है। नोटिस प्राप्तकर्ता के ऐसे कृत्य न केवल धोखाधड़ी और भ्रामक हैं, बल्कि प्रतिभूति बाजार की अखंडता के लिए खतरा हैं।

जेब में संभालकर रखें पैसा अगले हफ्ते मालामाल करने वाले 8 आईपीओ

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)।अगर आप शेयर बाजार में निवेश करने का मन बना रहे हैं, तो जेब में पैसा संभालकर रखें. अगले हफ्ते 8 आईपीओ आने वाले हैं. जिसमें एक आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट से होगा और 7 आईपीओ एसएमई सेगमेंट के होंगे. वहीं दूसरी ओर शेयर बाजार में 11 कंपनियों की लिस्टिंग भी देखने को मिलेगी. जानकारों की मानें तो डॉमेस्टिक और फॉरेन इंवेस्टर दोनों ही भारत के शेयर में पैसा लगा रहे हैं. लगातार निवेश की वजह से भारत के शेयर बाजार की वैल्यूएशन में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है. मौजूदा समय में भारत दुनिया का 5वां सबसे बड़ा शेयर बाजार है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर अगले हफ्ते कौन-कौन सी कंपनियां अपना आईपीओ लेकर आ रही हैं.दिल्ली बेस्ड एकम्स ड्रग एंड फार्मास्यूटिकल्स के आईपीओ का साइज 1,857 करोड़ रुपए है जिसका सब्सक्रिप्शन 30 जुलाई को ओपन होगा और एक अगस्त को बंद हो जाएगा. इस आईपीओ में 680 करोड़ रुपए के फ्रेश शेयर है. वहीं 1.73 करोड़ शेयरों का ओएफएस शामिल है. आईपीओ का प्राइस बैंड 646-679 रुपए है. एक्सिस कैपिटल, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया और एंबिट इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं, जबकि लिंक इनटाइम इंडिया ऑफर के रजिस्ट्रार हैं.लगभग 5 एसएमई आईपीओ — बल्ककॉर्प इंटरनेशनल, सथलोखर सिनर्जिस, किजी अपैरल्स, आशापुरा लॉजिस्टिक्स, राजपूताना इंडस्ट्रीज – सब्सक्रिप्शन के लिए 30 जुलाई को खुलेंगे और 1 अगस्त को बंद होंगे. सथलोखर सिनर्जिस का 93 करोड़ रुपए का आईपीओ सबसे बड़ा है, इसके बाद आशापुरा लॉजिस्टिक्स, जो लगभग 52.66 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है. इसके अलावा, उत्सव गोल्ड और धारीवालकॉर्प के आईपीओ क्रमशः 31 जुलाई और 1 अगस्त को सब्सक्रिप्शन के ओपन होंगे.

बजट ने बनाया सोना खरीदने का शुभ मुहूर्त

चार महीने में सबसे सस्ता हुआ भाव

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू से लेकर अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सोने-चांदी की कीमतों में पिछले कुछ दिनों में कमी देखी जा रही है. चीन में सोने की मांग में पिछले कुछ दिन में गिरावट दर्ज होने के बाद गोल्ड में जबरदस्त बिकवाली देखने को मिली है. इसका असर गोल्ड की इंटरनेशनल कीमतों पर दिख रहा है और कॉमेक्स में सोना एक सप्ताह में 4.50 फीसदी तक सस्ता हुआ है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024 में सोने-चांदी की कीमतों में कस्टम ड्यूटी में 9 फीसदी की कटौती का ऐलान किया है. इसका असर सोने-चांदी की कीमतों में दिख रहा है.

10 दिनों में 9 फीसदी तक सस्ता हुआ सोना

सोने-चांदी की कीमतों में हाल के दिनों में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली है. भारत में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 17 जुलाई 2024 को 74,731 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बना हुआ था. अब इसमें 9 फीसदी की गिरावट देखी गई है.

देश के महानगरों में सोने-चांदी के भाव जानें-

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 69,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 84,500 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है चेन्नई में 24 कैरेट सोना 70,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी

89,000 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है मुंबई में 24 कैरेट सोना 69,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 84,500 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है कोलकाता में 24 कैरेट सोना 69,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 84,440 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है पटना में 24 कैरेट सोना 69,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 84,500 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है पुणे में 24 कैरेट सोना 69,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 84,500 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है नोएडा में 24 कैरेट सोना 69,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 84,500 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है लखनऊ में 24 कैरेट सोना 69,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 84,500 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है जयपुर 24 कैरेट सोना 69,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 84,500 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है गुरुग्राम में 24 कैरेट सोना 69,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 84,500 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है हैदराबाद में आज का सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 69,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 64,000 रुपये है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 05-57
सूर्यास्त. -18-47
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -197294912 5
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी 19-26 तक उपरान्त नवमीं
मास - श्रावण कृष्ण , रविवार 28 July
नक्षत्र - अश्विनी 11-47 तक उपरान्त भरणी
योग - शूल 20-10 तक उप गण्ड
करण- बालव 08-21 तक उप कौलव
विशेष:- सर्वार्थ सिद्ध योग - 06-05 से
व्रत -त्योहार - वन महोत्सव

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	कर्क	मे	कर्क-	05-11	बजे
चंद्र-	मेष	मे	सिंह..	07-24	बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या..	09-30	बजे
बुध-	सिंह	मे	तुला...	11-36	बजे
गुरु-	वृष	मे	वृश्चिक..	13-45	बजे
शुक्र-	कर्क	मे	धनु....	16-00	बजे
शनि-	कुंभ.	मे	मकर...	18-05	बजे
राहु-	मीन	मे	कुंभ...	19-56	बजे
केतु-	कन्या	मे	मीन-	21-34	बजे
			मेष---	23-10	बजे
			वृष--	00-55	बजे
			मिथुन-	02-55	बजे

विशेष:- राशिफल ग्हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 17:13 से 18:50 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	05:57 - 07:32	अशुभ	शुभ	18:47 - 20:13	शुभ
चंचल	07:32 - 09:09	शुभ	अमृत	20:13 - 21:36	शुभ
लाभ.	09:09 - 10:46	शुभ	चंचल	21:36 - 22:59	शुभ
अमृत	10:46 - 12:23	शुभ	रोग	22:59 - 00:23	अशुभ
काल	12:23 - 13:59	अशुभ	काल	00:23 - 01:46	अशुभ
शुभ	13:59 - 15:36	शुभ	लाभ	01:46 - 03:09	शुभ
रोग	15:36 - 17:13	अशुभ	उत्पात	03:09 - 04:33	अशुभ
उत्पात	17:13 - 18:47	अशुभ	शुभ	04:33 - 05:57	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे । आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें । आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे । आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही है। छोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें ।एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा ।अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी । घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
अगर कुछ लोग आपको नहीं समझ पा रहें हैं तो उन्हें अपना हरेक काम समझाने में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद ना करें । वे कभी नही मानेंगे । आप काफी व्यस्त रहेंगे लेकिन आपको आने वाली जरूरतों के कारण पहले वाली योजनाओं में भी कुछ बदलाव करने पड सकते हैं । स्थिति की मांग के अनुसार कार्य करें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है , जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है । आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे । क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपकी वित्तीय नियोजन और कड़ी मेहनत ने रंग दिखाया है । जो लोग पहले आप पर शक करते थे और आपके निर्णय से सहमत नहीं होते थे , वे आपके तर्क और दूरदर्शिता की आपकी शक्तियों से प्रभावित होंगे । वित्तीय सफलता की इस अवधि का आप आनंद लें । आज आप विलासिता से संभंधित वस्तुओ पर व्यय कर सकते है , जो आप लम्बे समय से करना चाह रहे थे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप एक आकर्षक आभा और मीठी वाणी के स्वामी है । इन अलंकारो की वजह से आप अपना रास्ता खुद बना सकते है । आपका बच्चों का सा रवैया हर जगह खुशी फैलाता है और सबके लिए बहुत आसान परिस्थितियों का निर्माण होता है , और आप अपने चुटकुलों और हास्य से सबके मनोविज्ञान को प्रभावित करते है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपकी करियर से सम्भंधित योजना बिगड़ रही है। आप एक बात पर अपना दिमाग एकाग्रचित नहीं कर पा रहे है । आप सोच सोच कर समय को बर्बाद कर रहे हैं। आप किसी भी अनुभवी पेशेवर या एक कैरियर सलाहकार से सलाह ले सकते हैं। एक कैरियर सलाहकार के मार्गदर्शन से आप को एक मार्ग मिल सकता है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप बहुत महत्वाकांक्षी महसूस करेंगे । नए अवसर आपके कार्य क्षेत्र में खुलेंगे और आप उनका लाभ लेने के लिए उत्सुक होंगे । ध्यान रखे की आपकी उत्सुकता आपके सहयोगियों के बीच ईर्ष्या का कारण न बने इसलिए सावधान रहें। आपको ये एहसास करने की जरूरत है की अपनी परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए , न केवल अपने वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित बल्कि अपने सहकर्मियों का समर्थन हासिल करना भी बहुत आवश्यक है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपके कार्य क्षेत्र का भाग्य आपके साथ चल रहा है और आपके पास काफी परियोजनायें है , फिर भी आज एक नया अवसर आपको मिल सकता है जो की आपके करियर के लिए काफी अच्छा रह सकता है । ये आपके कार्य क्षेत्र में आप पर अधिक जिम्मेदारी डालेगा । आप थोड़ा बदलाव चाहेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आपको अपने कार्य क्षेत्र की जटिलताओं से बचने के लिए अपने भूतकाल का ज्ञानं काफी मदद करेगा । आपका व्यावहारिक अनुप्रयोग और जल्दी सोच की क्षमता आपके वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगी जिससे नए और रोमांचक कैरियर के अवसर नजदीक आयेंगे । आप इस अवसर को न खोये और इसका भरपूर उपयोग करे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्यों की आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी , हालांकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करे । ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें। आज आपको खर्चों की तुलना में अधिक बचत पर ध्यान देना होगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप उस पैसे के साथ काफी लापरवाह है जो आपने अपनी जरूरत के लिए बचाया है , लेकिन आपको भविष्य में अपनी वित्तीय सुरक्षा के लिए , अपनी असाधारण आदतों को नियंत्रित करना होगा । आप अपने निवेश के बारे में एक विशेषज्ञ से परामर्श करें जो आपको धन के बारे में उचित परामर्श दे सके जिससे धन की वृद्धि हो ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

नीट केस- धनबाद के तालाब से बोरी में मोबाइल मिले

दो इंसुलेटर, गले हुए डॉक्यूमेंट्स भी बरामद, सीबीआई ने एक और आरोपी पकड़ा

धनबाद, 27 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक केस की जांच कर रही सीबीआई की टीम ने शुक्रवार को धनबाद से एक और गिरफ्तारी की है। गिरफ्तार होने वाले शख्स का नाम पवन है। वह पेशे से कार ड्राइवर है। सीबीआई ने पवन को धनबाद की कंबाइंड बिल्डिंग के पास से गिरफ्तार किया है।

पवन से पूछताछ के बाद सीबीआई ने शहीद गुरुदास चटर्जी फुटबॉल मैदान के पास भाटबांध तालाब पर पहुंची। गोताखोरों की मदद से सीबीआई ने यहां से एक प्लास्टिक की बोरी से एक दर्जन टूटे हुए मोबाइल, दो इंसुलेटर और गले हुए कई डॉक्यूमेंट्स बरामद किए हैं। भाटबांध तालाब पहुंची टीम ने एनडीआरएफ से मदद मांगी, लेकिन उनके आने में काफी देर हो गई। इसके बाद स्थानीय गोताखोरों की मदद से तालाब में तलाशी की गई।

दो आईफोन सहित कई दूसरी कंपनियों के मोबाइल

तालाब से सीमेंट की बोरी को बाहर निकाले जाने के बाद टीम ने उसकी तलाशी ली। तलाशी में बोरी से दो आईफोन बरामद हुए। इसके अलावा कई दूसरी कंपनियों के स्मार्टफोन थे। अधिकांश मोबाइल को तोड़ दिया गया था।

हालांकि, इस पूरी जांच-पड़ताल के दौरान न तो सीबीआई की टीम ने कुछ कहा और न ही स्थानीय पुलिस ने कोई जानकारी साझा की है। बताया जा रहा है कि पटना से आई टीम गिरफ्तार आरोपी बंटी को भी साथ लाई थी। बाद में सभी को लेकर देर शाम सीबीआई की टीम पटना चली गई। इससे पहले पिछले सीबीआई ने बुधवार को अविनाश उर्फ बंटी को धनबाद से गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने उसे 30 जुलाई तक रिमांड पर भेज दिया है। बंटी ने ही अभ्यर्थियों को 16 मोबाइल से पेपर और आंसर भेजे थे। फिर सबूत मिटाने के लिए सभी मोबाइल तालाब में फेंक दिया था।

बंटी के ठिकाने से ब्लूटूथ, प्रिंटर और अन्य डिवाइस भी बरामद हुए। सूत्रों के मुताबिक चचेरे भाई शशिकांत की निशानदेही पर बंटी की गिरफ्तारी हुई। शशिकांत राज गेस्ट हाउस के मालिक राजकुमार सिंह उर्फ राजू का दोस्त है।सीबीआई की टीम हजारीबाग के राज गेस्ट हाउस में। इससे पहले गुरुवार को केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) तीन आरोपियों को हजारीबाग के उस राज गेस्ट हाउस में ले गई थी, जहां सॉल्वरों ने पेपर सॉल्व किया था। सीबीआई ने वहां जांच के दौरान सीन रीक्रिएट किया और ये समझने की कोशिश की थी कि कैसे ओएसिस एग्जाम सेंटर से प्रश्नपत्र गेस्ट हाउस लाने के बाद उसे सॉल्व कराया गया। इस गेस्ट हाउस से सीबीआई प्रिंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस समेत कई दस्तावेज ले गई थी।

सील किए गए इन दस्तावेज पर बीपी राजू, एडिशनल सुपरिटेंडेंट, साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिवीजन, सीबीआई, नई दिल्ली लिखा था। सीबीआई की 12 सदस्यीय टीम के साथ बिहार की टीम भी थी। करीब तीन घंटे तक इस गेस्ट हाउस को खंगाला गया था। उसके बाद गेस्ट हाउस को फिर से सील कर दिया गया।

किरंदुल में फिर बाढ़ का अटैक, लोगों को बचाया जा रहा है

बालोद का देवरीकला डैम फूटा, भोपालपटनम में बाढ़ के हालात, कांकेर के कई गांव टापू बने

रायपुर/दंतेवाड़ा, 27 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही बारिश से नदी-नालों का जलस्तर काफी बढ़ गया है। वहीं, एनएमडीसी का डैम टूटने से बाढ़ की चपेट में आए किरंदुल शहर में फिर पानी बढ़ रहा है। एहतियातन प्रशासन लोगों से घर खाली कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को कह रहा है। इस बीच कई ऐसी तस्वीरें आई हैं, जिनमें हालात काफी चिंताजनक दिख रहे हैं।

वहीं, कांकेर जिले के कई गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। कोयलीबेड़ा की मेंढकी नदी उफान पर है ऐसे में ग्रामीण साप्ताहिक बाजार भी नहीं जा पा रहे हैं। इधर, बिलासपुर में बारिश का पानी घरों में घुस रहा है। कलेक्टर ने मैदानी अमले को अलर्ट पर रहने को कहा है।

इसके साथ ही बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लॉक के कई इलाकों में फिर से बाढ़ के हालात बन गए हैं। नेशनल हाइवे-163 तारलागुड़ा और नेशनल हाइवे-63 पर बने पुलों के ऊपर से पानी बह रहा है। लिहाजा, महाराष्ट्र का

सड़क संपर्क छत्तीसगढ़ से टूट गया है। भोपालपटनम ब्लॉक के देपला, मेटलाचेरू, दुधेड़ा, तारुड़, भद्रकाली, तारलागुड़ा, अन्नारम समेत दर्जन भर से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। एक तरफ रामपुरम तो दूसरी तरफ टेकुलगुडम के पास पानी चढ़ने से कई गांव बाढ़ प्रभावित हो गए हैं। तिमेड़ स्थित इंद्रावती नदी का जलस्तर दो दिन से लगातार बाढ़ रहा है।

भोपालपटनम में बने बाढ़ के हालात के बीच नेशनल हाइवे-163 तारलागुड़ा और नेशनल हाइवे-63 पानी से घिरे हैं। इसलिए महाराष्ट्र का सड़क संपर्क छत्तीसगढ़ से टूट गया है। बाढ़ की वजह से दोनों राजमार्गों में 4 फीट तक पानी चढ़ गया है। इसके चलते दोनों ओर से आवागमन पूरी तरह से ठप हो चुका है।

राजिम में एक बार फिर त्रिवेणी संगम का जलस्तर बढ़ गया है। नदी के बीच स्थित कुलेश्वर महादेव मंदिर का चबूतरा चारों ओर से पानी से घिर गया है। ऐसे में लोग दर्शन के लिए मंदिर नहीं जा पा रहे हैं। नदी में चार एनिकट बने हुए हैं। चारों एनिकट के ऊपर से पानी बह रहा है। कांकेर जिले में लगातार बारिश हो रही है। नदी-नाले उफान पर हैं। जिसके चलते अंदरूनी इलाके के कई गांवों का सड़क संपर्क टूट गया है। पानीडोबीर, चिलपरस, गुंदुल, हेटाडकसा, जुंगड़ा, आलपरस, आदनार, मर्रम और गोमे गांव पूरी तरह टापू बन चुके हैं। पिछले 24 घंटे हुई मूसलाधार बारिश से कोयलीबेड़ा की मेंढकी नदी भी उफान पर हैं। जल स्तर बढ़ने से शुक्रवार को नदी उस पार के ग्रामीण साप्ताहिक बाजार करने कोयलीबेड़ा नहीं आ सके।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पिछले 4 दिनों से लगातार हो रही बरसात के चलते निचले हिस्सों में जलभराव की समस्या होने लगी है। शुक्रवार को हुई बारिश के बाद शहर के कई जगहों पर घरों में पानी घुस गया, जिससे लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कलेक्टर ने भी आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम के साथ ही मैदानी अमले को तैयार रहने के निर्देश दिए हैं।

13 लाख रुपये की इनामी महिला नक्सली रानीता ने किया सरेंडर

तीन राज्यों में घोषित था इनाम

कबीरधाम, 27 जुलाई (एजेंसियां)। शनिवार को कवर्धा के ट्रैफिक प्लाजा के मीटिंग हॉल में तीन राज्य की 13 लाख रुपए इनामी महिला नक्सली रानीता ने सरेंडर कर दिया है। इस नक्सली के खिलाफ एमपी के बालाघाट जिले में 19 व सीजी के केसीजी जिले में 3 अपराध दर्ज है। महिला नक्सली गोंदिया-राजनांदगांव-बालाघाट, जीआरबी डिवीज़न अंतर्गत टांडा/मलाजखंड एरिया कमेटी सदस्य के रूप में सक्रीय थी। इस पर छत्तीसगढ़ में 5 लाख रुपए, मध्यप्रदेश राज्य में 3 लाख रुपए व महाराष्ट्र राज्य में 5 लाख रुपए इनाम घोषित है। महिला नक्सली पर कुल 13 लाख का इनाम घोषित है। छत्तीसगढ़ शासन के नक्सल उन्मूलन व नक्सल पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर सरेंडर किया है। कबीरधाम एसपी डॉ.अभिषेक पल्लव ने बताया कि महिला नक्सली रानीता उर्फ हिड़मे कोवासी पति प्रेम पिता सन्नू कोवासी उम्र लगभग 22 वर्ष निवासी पुलनपाड़, गोल्लापरा थाना चिंतलनार जिला सुकमा ने जून 2016 में किस्टाराम एरिया में बाल संगम में शामिल हुई। इसके बाद जनवरी-फरवरी 2024 तक संगठन में सक्रिय रूप से काम किया। ये एमपी, सीजी व महाराष्ट्र में सक्रिय रहीं है। आत्मसमर्पित महिला नक्सली को पुनर्वास नीति के तहत मौके पर ही कबीरधाम कलेक्टर जन्मेजय महोबे के हाथों 25 हजार रुपए सहायता राशि प्रदान की गई। इसके साथ छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति के तहत अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जून 2016 में किस्टाराम एरिया में बाल संगम में शामिल हुई। वर्ष 2017 में संगठन में पूर्ण सदस्य बनी। 6 माह किस्टाराम क्षेत्र में रही। सितंबर 2017 में विस्तार के लिए एमएमसी जाने कोतुल एरिया माड़ आई। माड़ क्षेत्र से 20 लोगों के साथ विस्तार के लिए एमएमसी में आकर टांडा एरिया पहुंची। अक्टूबर2017 से 2020 तक टांडा एरिया कमेटी में रही। वर्ष 2021 से टांडा एरिया कमेटी को समाप्त कर मलाजखंड व दरेकसा में शामिल करने पर मलाजखंड एरिया कमेटी में सदस्य के रूप में जनवरी-फरवरी 2024 तक सक्रिय रही।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की स्थापना दिवस मनाया गया

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। रिप्रेसेंटेटिव पुलिस के रूप में नीमच (मध्य प्रदेश) में 01 बटालियन के रूप में देशी रजवाड़ों में कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से की गयी थी। देश की आजादी इस बल के लिए भी एक बड़ा परिवर्तन लेकर आयी और 28 दिसम्बर 1949 को एक अधिनियम के तहत इसका नाम सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स यानि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस कर बल दिया गया। 19 मार्च 1950 को भारत के तत्कालीन गृहमंत्री माननीय श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल जो कि लौहपुरूष के नाम से भी जाने जाते हैं ने दिल्ली में हुए एक भव्य समारोह में इस बल को ध्वज प्रदान किया तथा सीआरपीएफ को देश के अन्दर सुरक्षा के लिए पैदा होने वाले खतरों के समय स्थायित्व लाने वाले तत्व के रूप में परिभाषित किया था। सीआरपीएफ के साथ-साथ सम्पूर्ण भारतीयों के लिए भी गर्व की बात है कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस अपने कार्य के प्रति समर्पण एवं सेवा भक्ति के कारण 01 बटालियन से स्थापित होकर आज 04 जोन, 19 प्रशासनिक सेक्टर, 02 परिचालनिक सेक्टर, 01 आर.ए.एफ. सेक्टर, 01 कोबरा सेक्टर, 35 प्रशासनिक रेंज, 03 आर.ए.एफ.रेंज, 01 कम्यूनिकेशन रेंज, 17 परिचालनिक रेंज, 43

सुनील कुमार (डीआईजी)

ग्रुप केंद्र, 23 प्रशिक्षण संस्थान, 22 संयुक्त अस्पताल (04 अस्पताल. 100 बिस्तर व 18 अस्पताल. 50 बिस्तर), 03 केंद्रीय हथियार भंडार, 07 सिगनल बटा., 01 विशेष ड्यूटी बटा., 01 पीडीजी तथा 202 सामान्य बटा. कुल 248। बटालियनों के बेड़े के साथ आज देश ही नहीं बल्कि विश्व के सबसे बड़े सशस्त्र बल के रूप में स्थापित हो चुका है। सीआरपीएफ देश की अभेद्य सुरक्षा एवं शांति के विभिन्न आयामों की कसौटी पर हमेशा खरा उतरा है। सीआरपीएफ ने सौंपी गयी प्रत्येक जिम्मेदारी चाहे वह जम्मू-कश्मीर में फैले आतंकवाद को खत्म करने की चुनौती हो, नार्थ ईस्ट में व्याप्त उग्रवाद से लड़ने की चुनौती हो, एलडब्ल्यूई राज्यों में जड़ जमा चुके नक्सलवाद को उखाड़ फेंकने की चुनौती हो, राज्यों की कानून-व्यवस्था को बनाये रखने की चुनौती हो, धार्मिक उन्माद फैलाने वाली देशद्रोही ताकतों को रोकने की चुनौती हो, देश में शान्तिपूर्ण चुनाव कराने की चुनौती हो या फिर प्राकृतिक आपदा का मामला हो सीआरपीएफ ने हर चुनौती को हमेशा स्वीकार कर अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी पूरी सिद्दत के साथ निभाया है और जिम्मेदारी के मार्ग पर आने वाली चुनौतियों का सामना करने में अपनी जान एवं परिवार की परवाह न करते हुए हर चुनौती का डटकर मुकाबला किया व विघटनकारी ताकतों का दमन करते हुए अपने शौर्य और पराक्रम का कीर्तिमान स्थापित किया है। सीआरपीएफ ने देश के अतिरिक्त विश्व स्तर पर संयुक्त राष्ट्र मिशन के अधीन अन्य देशों में भी शांति स्थापित करने हेतु अपनी सेवाएं दे रही है। शौर्य, साहस, पराक्रम एवं सद्भावना की परिचायक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने अपनी बहादुरी और सेवा भक्ति से जो स्वर्णिम कीर्तिमान स्थापित किया है वह शायद ही किसी अन्य पुलिस बल ने अर्जित किया हो। सीआरपीएफ ने 21 अक्टूबर 1959 में हाट स्प्रिंग, लद्दाख में चीन के खिलाफ अपना पराक्रम दिखाया था जिसे सारा देश पुलिस काममेमोरेशन डे के रूप में मनाता है। 09 अप्रैल 1965 को पाकिस्तानी ब्रिगेड के अटैक को विफल कर 34 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया व 04 सैनिकों को बंधक बनाया। जिसे सीआरपीएफ ''शौर्य दिवस'' के रूप में मनाती है। इसी प्रकार सीआरपीएफ ने पंजाब और श्रीलंका में शान्ति बहाल करने में अपनी अहम भूमिका निभाई तथा वर्ष 2001 में संसद व वर्ष 2005 में अयोध्या एटाक को विफल कर देश की इज्जत रखी। जम्मू एण्ड एम्प, कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने एवं राज्य विभाजन के उपरान्त उत्पन्न प्रतिकूल स्थिति को सीआरपीएफ ने पूरी तरह से नियंत्रित करने में अग्रणी भूमिका निभाई जिसके कारण किसी भी प्रकार की हिंसा आदि की घटना नहीं हुई। सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस के इस अवसर पर मैं बल के उन समस्त वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूँ जिन्होने देश की एकता, अखण्डता एवं शांति की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देकर शहीद हो गये। सीआरपीएफ स्थापना दिवस के इस पावन दिवस पर मैं बल के समस्त सदस्यों के साथ-साथ उनके परिवारजनों से भी आग्रह करूंगा कि हम सभी मिलकर पूरे हर्षो-उल्लास के साथ इस दिवस मनाएं तथा राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं संविधान की मर्यादा को अक्षुण बनाये रखेंगे ताकि सामाजिक सद्भाव एवं राष्ट्र के विकास को गति मिले।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रांची से एक गिरफ्तार

वरिष्ठ आईपीएस अनुराग गुप्ता झारखंड के प्रभारी डीजीपी होंगे

रांची, 27 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन मामले की जांच के दौरान जमीन दलाली के आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि झारखंड में एजेंसी के जोनल कार्यालय में कई घंटों तक पूछताछ के बाद कमलेश सिंह नाम के आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। ईडी ने कमलेश को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया। पिछले महीने ईडी ने कथित तौर पर कमलेश से जुड़े कांके रोड स्थित एक घर पर छापेमारी के बाद एक करोड़ रुपये नकद और 100 गोलियां जब्त की थीं।

वरिष्ठ आईपीएस अनुराग गुप्ता झारखंड के प्रभारी डीजीपी होंगे

सरकारी अधिसूचना के मुताबिक अनुराग गुप्ता को झारखंड के पुलिस महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। 1990 बैच के अधिकारी गुप्ता अजय कुमार सिंह (1989 बैच) की जगह लेंगे। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक डीजीपी अनुराग कुमार गुप्ता फिलहाल अपराध अनुसंधान विभाग (अतिरिक्त प्रभार महानिदेशक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, झारखंड) में पदस्थापित हैं। पदभार संभालने के बाद गुप्ता ने कहा, उनका प्रयास यह सुनिश्चित करना होगा कि पुलिस विशेषरूप से महिलाओं की जरूरतों के प्रति संवेदनशील रहे।

पंप सुधारने के लिए कुएं में उतरे तीन लोगों की मौत

बेमेतरा, 27 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम कुआं में कुएं के अंदर पंप सुधारने के लिए उतरे तीन लोगों की मौत हो गई है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना पर नवागढ़ पुलिस व नवागढ़ तहसीलदार विनोद बंजारे मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

नवागढ़ तहसीलदार विनोद बंजारे ने बताया कि खेत के कुंए में पहले से पंप लगा हुआ था। इसे सुधारने के लिए सबसे पहले दो लोग उतरे थे। इसके बाद वो वापस नहीं आए। फिर तीसरा व्यक्ति कुएं में उतर गया, वो भी वापस नहीं आया।

सीएम हेमंत की जमानत, एससी में होगी सुनवाई

29 जुलाई को होगी सुनवाई, ईडी ने बेल रद्द करने का किया है आग्रह

रांची, 27 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन की नियमित जमानत को सुप्रीम कोर्ट में ईडी ने चुनौती दी है। इस चुनौती याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 29 जुलाई को सुनवाई होगी। इस याचिका को जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की खंडपीठ में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। ईडी ने अपनी याचिका में झारखंड हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सीएम हेमंत सोरेन की जमानत रद्द किए जाने की मांग की है।

झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस आर मुखोपाध्याय की अदालत ने 28 जून को हेमंत सोरेन को जमानत दी है। वे उसी शाम जेल से बाहर आए थे। सीएम हेमंत सोरेन को जमानत देते हुए हाईकोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा था ईडी ने हेमंत सोरेन पर जमीन

पर कब्जा करने का जो आरोप लगाया है, उससे संबंधित एक भी दस्तावेज अभी तक ईडी कोर्ट में पेश नहीं कर सकी है। ईडी ने इस मामले में जिन लोगों के बयान लिए हैं, उससे भी साबित नहीं हो पा रहा है कि वह जमीन हेमंत सोरेन से जुड़ी है।

दरअसल, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर 31 करोड़ रुपए से अधिक की 8.86 एकड़ जमीन अवैध रूप से हासिल करने का आरोप है। हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के तुरंत बाद 31 जनवरी को कथित भूमि घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। जिसके बाद से वह रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा जेल में थे। ईडी की ओर से कोर्ट में दाखिल 191 पन्नों की चार्जशीट में हेमंत सोरेन, राजकुमार पाहन, हिलारियास कच्छप, भानु प्रताप प्रसाद और बिनोद सिंह को आरोपी बनाया है। उस जमीन के टुकड़े को भी ईडी ने 30 मार्च को कुर्क कर लिया है। जिसकी कीमत 31.07 करोड़ रुपए से अधिक है। जांच एजेंसी को 2022 में रांची के मोरहाबादी में रक्षा मंत्रालय की 4.55 एकड़ जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच करते समय उपरोक्त भूमि घोटाले के बारे में भनक लगी थी।

150 दिनों से अधिक समय तक जेल में गुजारने के बाद 28 जून को वे बाहर आए। इसके बाद उन्होंने चार जुलाई को 13वें सीएम के रूप में शपथ ली। जेल से निकलने के छठे दिन ही उन्होंने राज्य की कमान एक बार फिर से अपने हाथ में ले ली है। 24 साल के झारखंड में वे 13वें सीएम बन गए। शपथ ग्रहण के बाद हेमंत सोरेन ने कहा कि वर्तमान महागठबंधन की सरकार ने 2019 से जनता की भावनाओं के अनुरूप सारी कार्य योजनाएं कीं। राजनीतिक उतार-चढ़ाव के बीच चंपाई सोरेन ने उसे आगे बढ़ाया क्योंकि मैं जेल में था।

सितंबर से रायपुर में फिर बनेगा स्काई-वॉक

खर्च 48 से 78 करोड़ पहुंचा, कांग्रेस बोली-पूर्व सीएम के दामाद को फायदा पहुंचाने का प्रोजेक्ट

रायपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर के विवादित प्रोजेक्ट स्काई वॉक को पूरा किया जाएगा। करीब 7 साल बाद इस पर फिर से काम शुरू होने वाला है। पीडब्ल्यूडी अफसरों के मुताबिक, सितंबर से निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। डिप्टी सीएम अरुण साव ने बताया कि, शास्त्री चौक के पास स्काई वॉक का निर्माण कार्य होगा। रमन सिंह सरकार में जिस ड्राइंग डिजाइन के प्रोजेक्ट को अप्रूवल मिला था, उसी आधार पर स्काई वॉक के निर्माण होगा। कांग्रेस सरकार ने इस पर रोक लगा दी थी। अब साय सरकार के निर्णय के बाद स्काई वॉक पर राजनीति और बयानबाजी शुरू हो गई है।

बीजेपी नेता के फार्महाउस में मर्डर

केयरटेकर ने कुल्हाड़ी से काट डाला, बोला- बार-बार मेरी पत्नी के पास जा रहा था, इसलिए मारा

बालोद, 27 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर के फार्म हाउस में मर्डर हो गया। शुक्रवार को 50 साल के संजय ठाकुर की खून से लथपथ लाश मिली। इस मामले में पुलिस ने फार्म हाउस के केयरटेकर को गिरफ्तार किया है। भुवनेश्वर नेताम और संजय ठाकुर ने पहले मिलकर शराब पी थी।

केयरटेकर भुवनेश्वर ने बताया कि संजय बार-बार उसकी पत्नी के पास जा रहा था और छेड़छाड़ कर रहा था। समझाने के बाद भी जब नहीं माना, तो उसे कुल्हाड़ी से काट डाला। संजय ठाकुर के सिर पर कई वार किए, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

शुक्रवार शाम को हुई इस घटना के बाद पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि, फार्म हाउस में काम करने वाले भुवनेश्वर नेताम का संजय ठाकुर से विवाद हुआ था। इसके बाद पुलिस ने गांव से ही भुवनेश्वर को पकड़ा और कड़ाई पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने बताया की गुरुवार शाम को भुवनेश्वर ठाकुर, केशव ठाकुर और संजय ठाकुर फार्म हाउस में शराब पी रहे थे। इस दौरान संजय वहां खाना बना रही भुवनेश्वर की पत्नी के पास बार-बार गलत नीयत से जा रहा था। इस बात को लेकर भुवनेश्वर और संजय के बीच झगड़ा हो गया। रात को भुवनेश्वर की पत्नी अपने रिश्तेदार के घर चली गई। वहीं, केशव भी फार्म हाउस की दूसरी बाड़ी में चला गया था। देर रात नशे में धुत भुवनेश्वर और संजय का फिर आपस में झगड़ा हुआ। संजय ने उसकी पत्नी के बारे में गलत कमेंट किया। जिसके बाद गुस्से में आकर भुवनेश्वर ने उस पर हमला कर दिया।

पुलिस ने बताया कि पूछताछ के बाद भुवनेश्वर ठाकुर को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। आरोपी पहले भी हत्या के मामले में जेल काट चुका है। वहीं, मामले का खुलासा होने से पहले प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा था कि, मेरे फार्म हाउस में जो केयरटेकर है, उनके पास यह व्यक्ति आया हुआ था, दोनों ने शराब पी। सभी लोग यही हैं, जो भी दोषी है, उस पर कार्रवाई होनी चाहिए।

ट्रेलर के पहिए में लगी आग

पेट्रोल पंप से लाए अग्निशमन यंत्र, एएसआई-आरक्षक ने बुझाई आग, कोयला से भरे वाहन को छोड़कर भागा चालक

रायगढ़, 27 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में कोयला से भरी एक ट्रेलर के पहिए में आग लग गई। आग की लपटें लगातार बढ़ रही थी, जिसे देखते ही ड्राइवर वाहन छोड़कर भाग गया। वहीं काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हादसा खरसिया थाना क्षेत्र का है। दरअसल, कोयला से भरी ट्रेलर छाल से कुनकुनी की ओर जा रही थी, तभी एकाएक पहिए में आग लग गई। तभी उस रोड पर खरसिया से चपले की ओर जा रहे एएसआई लक्ष्मी नारायण राठौर और आरक्षक राम भजन राठिया ने जब ट्रेलर के पहिए को जलते देखा तो मौके पर पहुंचे और आसपास के लोगों की मदद से आग को बुझाने का प्रयास किया। आग की लपटें लगातार पहिए में बढ़ रही थी। आग को बुझाने के लिए पुलिसकर्मियों ने पास के पेट्रोल पंप से अग्निशमन यंत्र लाया, लेकिन उससे भी आग काबू नहीं हो सका। इसके बाद पुलिसकर्मियों के साथ अन्य भारी वाहन के चालकों और ग्रामीणों ने आग को बुझाने का प्रयास किया। तब जाकर आग बुझ सकी। बताया जा रहा है कि आग जिस पहिए के पास लगी थी, उसी के करीब पेट्रोल की टंकी भी थी। साथ ही ट्रेलर कोयला से भरी हुई थी। अगर आग को समय पर नहीं बुझाया जाता है तो बड़ा नुकसान हो जाता। इस संबंध में सहायक उप निरीक्षक लक्ष्मी नारायण राठौर ने बताया कि एका एक ट्रेलर में लगी।

ढेबर बोले- सांय-सांय की सरकार में ठांय-ठांय गोलियां चल रहीं

खुद पर एफआईआर होने पर रायपुर मेयर ने कहा- आकाओं को खुश कर रही पुलिस

रायपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर मेयर एजाज ढेबर पर आंदोलन के दौरान पुलिस से मारपीट और बदसूलकी मामले में एफआईआर हुई है। इसके बाद शनिवार को एजाज ढेबर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा कि, भाजपा के वीडियो जारी करने के बाद पुलिस अपने आकाओं को खुश करने के लिए ऐसा कर रही है। 24 जुलाई को हुए कांग्रेस के आंदोलन को लेकर एजाज ढेबर, आशीष द्विवेदी समेत कई कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि, बिना अनुमति विधानसभा

घेराव के लिए रास्ता बाधित किया गया। साथ ही पुलिस से गाली-गलौच और मारपीट की गई। सरकारी काम में बाध डालने पर थाना सिविल लाइन में एफआईआर हुई है। महापौर ने कहा कि, रायपुर अब चाकूपुर बन गया है। अब छत्तीसगढ़ में सांय-सांय की सरकार अब ठांय-ठांय की सरकार बन गई है। यहां गोलियां चल रही हैं, क्राइम बढ़ रहा है, जो अपराध कर रहे हैं, उनको पकड़ो। बीजेपी आईटी सेल से वीडियो जारी होने के बाद पुलिस मुझ पर कार्रवाई कर रही है। राजनीतिक द्वेष के चलते मुझ पर एफआईआर हुई, ऐसे गंभीर आरोप आज तक मुझ पर नहीं लगे थे। ढेबर ने आगे कहा कि, मुझे सांस लेने में तकलीफ हो रही है, जिस पुलिस वाले ने मुझे मारा, क्या उनके ऊपर रायपुर के आईजी और रायपुर के एसपी एफआईआर करेंगे। मेरी भी हड्डियां तोड़ी गई। मैं जिला अस्पताल में डेढ़ दिन भर्ती था। मेरी पसली में चोट आई और मेरे ही खिलाफ एफआईआरदर्ज की गई। महापौर एजाज ढेबर का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इसमें मेयर और एक पुलिसकर्मी के बीच जमकर झड़प हो रही है। बीजेपी ने भी अपने सोशल मीडिया पर इस वीडियो को पोस्ट कर इसे कांग्रेस का असली चला चेहरा और चरित्र बताया है। वीडियो में दिख रहा है कि, एजाज ढेबर को उनके सहयोगी उठाकर आगे ले जा रहे हैं। इस पर एक पुलिसकर्मी उन्हें हाथों से रोकता है। इसके बाद ढेबर उस पुलिसकर्मी का हाथ पीछे धकेलते हुए उसे गुस्से में कुछ कहते नजर आ रहे हैं। इस दौरान पुलिसकर्मी और ढेबर में झूमाझटकी भी होती है।

प्रियंका गांधी बोलीं- इजराइल के नरसंहार का विरोध करे दुनिया

कहा– गाजा में मासूम बच्चों–महिलाओं की आवाज दबाई गई, पश्चिमी देश इसका समर्थन कर रहे

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को गाजा में जंग के लिए इजराइली सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने वैश्विक समुदाय से अपील की है कि वे गाजा में इजराइल के नरसंहार के खिलाफ आवाज उठाएं और उन पर सीजफायर के लिए दबाव बनाएं। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर प्रियंका ने कहा, ये दुनिया के हर नागरिक और सरकार की जिम्मेदारी है कि वे इजराइल के हमले की निंदा करें। उनकी हरकतें एक सभ्य दुनिया में स्वीकार नहीं की जा सकती हैं। गाजा में नरसंहार हो रहा है। महिलाओं, मासूम बच्चों, डॉक्टरों, टीचरों और पत्रकारों की आवाज को दबा दिया गया है। नेतन्याहू पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, इजराइली पीएम ने अमेरिकी संसद में बताया कि यह सभ्यता और बर्बरता की बीच की लड़ाई है। वे बिल्कुल सही थे। इजराइल की सरकार और नेतन्याहू बर्बरता फैला रहे हैं और उन्हें पश्चिमी दुनिया समर्थन

कर रही है। यह सब होते देखना शर्म की बात है।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने की थी इजराइल के हमले की निंदा

प्रियंका गांधी का यह बयान बुधवार (24 जुलाई) को अमेरिकी संसद में इजराइल पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के भाषण के बाद आया है। इससे पहले पिछले साल 7 अक्टूबर में भी कांग्रेस पार्टी ने वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के दौरान इजराइल पर हमास के हमले में फिलिस्तीन का समर्थन किया था। कांग्रेस ने सीडब्ल्यूसी बैठक के बाद एक प्रस्ताव पास कर कहा था कि मिडिल ईस्ट में हो रहे युद्ध में हजारों लोग मारे गए हैं, हमें इसका दुख है। सीडब्ल्यूसी फिलिस्तीनी लोगों के जमीनी हक, स्वशासन, आत्मसम्मान और गरिमा से जीने के अधिकारों के लिए समर्थन को दोहराती है। वहीं 24 जुलाई को अमेरिकी संसद में अपने चौथे संबोधन के दौरान नेतन्याहू ने कहा था, 7 अक्टूबर को इजराइल पर हुआ हमला अमेरिका पर 9/11 के हमले के बराबर था। उन राक्षसों ने महिलाओं का रेप किया, पुरुषों के सिर काट दिए और बच्चों को जिंदा जला दिया। परिजनों की आंखों के सामने उनके अपनों को मार दिया गया। हमास 255 लोगों को घसीटकर गाजा के अंधेरे कैदखानों में ले गया।

नेतन्याहू ने कहा था कि इजराइल की जंग बर्बरता और सभ्यता के बीच की लड़ाई है। यहां एक तरफ ऐसे लोग हैं जो मृत्यु को पूजते हैं और दूसरी तरफ जो जीवन को पवित्र मानते हैं। सभ्यता की इस लड़ाई में अमेरिका और इजराइल को साथ खड़े रहने की जरूरत है। जंग शुरू होने के बाद से नेतन्याहू का यह पहला विदेश दौरा था। उनके भाषण से पहले अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में कई जगहों पर प्रदर्शन हुए थे। फिलिस्तीन-समर्थक प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका की तरफ से इजराइल को दी जा रही सैन्य मदद बंद करने और नेतन्याहू को गिरफ्तार करने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू एक वॉर क्रिमिनल हैं, जो फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ नरसंहार कर रहे हैं। यह बेहद शर्म की बात है कि अमेरिका की दोनों पार्टियों के नेताओं ने उन्हें संसद को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया। उन्हें गिरफ्तार कर इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट भेजा जाना चाहिए।

यूक्रेन दौरे पर जा सकते हैं पीएम मोदी

दावा– पुतिन से मिलने के 45 दिन बाद 23 अगस्त को हो सकती है जेलेंस्की से मुलाकात

मास्को, 27 जुलाई (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन जंग के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगस्त में यूक्रेन के दौरे पर जा सकते हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, मोदी के दौरे को लेकर दोनों देशों की सरकारों के बीच बातचीत चल रही है। हालांकि, अब तक किसी भी देश ने आधिकारिक घोषणा नहीं की है। अगर पीएम मोदी यूक्रेन जाते हैं, तो 1991 में यूक्रेन के अलग देश बनने के बाद यह किसी भारतीय पीएम की वहां पहली यात्रा होगी। इससे पहले पीएम मोदी 8-9 जुलाई को 5 साल बाद रूस के दौरे पर गए थे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, मोदी यूक्रेन के बाद पोलैंड के दौरे पर भी जा सकते हैं। उनकी यह यात्रा 23-24 अगस्त के बीच होने की संभावना है। मोदी का यह दौरा उस वक्त होगा जब 24 अगस्त को यूक्रेन अपना स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। 1991 में इसी दिन यूक्रेन सोवियत यूनियन से अलग

हुआ था। इससे पहले 8-9 जुलाई को रूस में पुतिन से मुलाकात के दौरान मोदी ने उन्हें गले भी लगाया था। दोनों नेताओं की बैठक ऐसे समय पर हुई थी, जब दूसरी तरफ नाटो देशों का सम्मेलन चल रहा था। अमेरिका ने मोदी के रूस दौरे की टाइमिंग की आलोचना भी की थी। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर लिखा था, दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के नेता का दुनिया के सबसे खूनी नेता को गले लगाना निराशाजनक है। दरअसल, जिस दिन मोदी और पुतिन की मुलाकात हुई थी, उसी दिन रूस ने कीव में बच्चों के एक अस्पताल पर हमला किया था, जिसमें 41 लोगों की मौत हुई थी। पुतिन से मुलाकात के दौरान मोदी ने बातचीत और कूटनीति के जरिए जंग का हल निकालने की बात कही थी। जॉइंट स्टेटमेंट जारी कर उन्होंने कहा था कि जंग के मैदान में समस्या का हल नहीं निकाला जा सकता। मोदी ने जंग में बच्चों के मरने पर भी दुख जताया था। इससे पहले पीएम मोदी ने 14 जून को इटली में जी7 समिट से पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की थी। दोनों नेता गले भी मिले थे। इस दौरान पीएम मोदी ने बातचीत और कूटनीति के जरिए जंग का समाधान निकालने की बात कही थी। वहीं 20 मार्च को पीएम मोदी ने पुतिन और जेलेंस्की दोनों से फोन पर बात की थी। उन्होंने रूस-यूक्रेन जंग पर चर्चा करते हुए भारत का रुख दोहराया था। तब जेलेंस्की ने पीएम मोदी को लोकसभा चुनाव के बाद यूक्रेन आने का न्योता दिया था। रूस-यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद से पीएम मोदी कई बार पुतिन और जेलेंस्की से फोन पर बातचीत कर चुके हैं।

स्वीडन के पास मिला 170 साल पुराने जहाज का मलबा

इसमें 100 शैम्पेन की बोतलें मौजूद, शाही परिवारों को कीमती शराब देने साथ जाते थे पुलिसकर्मी

स्टॉकहोल्म, 27 जुलाई (एजेंसियां)। स्वीडन के पास बाल्टिक समुद्र में 19वीं सदी में डूबे जहाज का मलबा बरामद हुआ है। सीएनएन के मुताबिक, यह जहाज शैम्पेन (एक तरह की शराब) की बोतलों, मिनरल वॉटर और पोर्सीलेन (सेरेमिक) से भरा हुआ था। जहाज का मलबा स्वीडन के ओलैंड के 37 किमी दक्षिण में मौजूद था। यह जहाज 170 साल पहले डूबा था। मलबे को ढूंढने वाले पोलैंड के डाइवर स्टैचुरा ने बताया कि वे पिछले 40 सालों से बाल्टिक समुद्र में जहाजों के मलबे की तस्वीरें लेते रहे हैं। यह पहली बार है जब उन्हें किसी जहाज पर शराब की 100 से ज्यादा बोतलें मिली हैं। स्टैचुरा की कंपनी की तरफ से जारी किए गए प्रेस रिलीज में बताया गया कि जहाज का मलबा बहुत ही अच्छी हालत में था। शैम्पेन क्ले से बनी बोतलों में थी जिस पर सेल्टर्स ब्रांड का स्टिकर लगा हुआ था। यह 19वीं सदी में जर्मनी के सबसे बेहतरीन शैम्पेन ब्रांड्स में से एक

था। आमतौर पर इनकी शराब को शाही परिवार खरीदते थे। इसके अलावा दवाइयों में भी इसका इस्तेमाल होता था। ब्रांड का नाम जर्मनी के शहर सेल्टर्स के नाम पर रखा गया था। शराब 800 साल पहले बोतलों में स्टोर की गई थी। कंपनी ने बताया कि यह शराब इतनी कीमती होती थी, कि इसे एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाते वक्त पुलिस भी साथ जाती थी। स्वीडन की सरकार को जहाज के मलबे और उसमें मिले सामान की जानकारी दे दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसे समुद्र से निकालने में करीब 1 साल तक का समय लग सकता है। यह जहाज कहां जा रहा था और कैसे डूबा था इसकी जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। ब्रिटिश मीडिया द गार्डियन के मुताबिक, बाल्टिक समुद्र में 1 लाख से ज्यादा जहाजों का मलबा मौजूद हैं। ऐसे में अक्सर मरीन डाइवर्स, पुरातत्व विभाग के एक्सपर्ट्स और समुद्री लुटेरे यहां आते रहते हैं।

वहीं 2 दिन पहले ऑस्ट्रेलिया में 55 साल पहले डूबे जहाज का मलबा मिला था। यह जमीन से 170 मीटर नीचे मौजूद था।

कमला हैरिस ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए किया नामांकन

बोलीं– हर एक वोट के लिए जान लड़ा दूंगी

वॉशिंगटन, 27 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में इस साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए कमला हैरिस ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी के लिए आधिकारिक तौर पर नामांकन कर दिया है। कमला ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा कि आज मैंने आधिकारिक तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करने वाले फॉर्म पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। मैं हर वोट हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करूंगी और उम्मीद है कि नवंबर में हमारा जनता के समर्थन वाला कैंपेन जरूर जीतेगा।

जो बाइडन के नाम वापस लेने और समर्थन देने के बाद कमला हैरिस ने आधिकारिक तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। बाइडन के अलावा पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी हैरिस का समर्थन करते हुए उनको एक शानदार नेता बताया। अमेरिका में चुनाव 5 नवंबर को होने हैं। हैरिस का सीधा मुकाबला रिपब्लिकन कैंडिडेट डोनाल्ड ट्रंप से होगा।

कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी के ज्यादातर नेताओं का समर्थन मिल गया है। जो बाइडन ने अपना नाम वापस लेने का ऐलान करने के साथ ही कमला का नाम बढ़ाया था। एक दिन पहले ही पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी कमला हैरिस का समर्थन करते हुए कहा कि वह अमेरिका की एक शानदार राष्ट्रपति साबित होंगी और उनको मेरा पूरा समर्थन है। बाइडन और ओबामा के अलावा पूर्व हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव नेन्सी पेलोसी भी हैरिस के समर्थन में हैं। कमला हैरिस इस समय अमेरिका की उपराष्ट्रपति हैं। 2020 में वह इस पद को संभालने वाली पहली महिला, पहली अश्वेत अमेरिकी और पहली एशियाई अमेरिकी बनी थीं। वह पहले अमेरिकी सीनेट (2017-21) और कैलिफोर्निया की अटॉर्नी जनरल (2011-17) के रूप में कार्य कर चुकी हैं।

मंगल ग्रह पर जीवन का मिला 'सबूत'

नासा के रोवर ने कर डाली सबसे बड़ी खोज

वॉशिंगटन, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मंगल ग्रह को लेकर वैज्ञानिकों के मन में हमेशा से सवाल रहा है। नासा के पर्सीवरेंस रोवर ने मंगल ग्रह पर एक बड़ी खोज की है। इससे लाल ग्रह पर प्राचीन जीवन के प्रमाण मिले हैं। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार रोवर ने हाल ही में एक दिलचस्प चट्टान के नमूनों की खोज की है। इसका नाम 'चेयावा फॉल्स' है, जिसमें कार्बनिक अणु और संरचनाएं हैं, जो माइक्रोबियल जीवन की ओर से बनाई गई हो सकती हैं। यह चट्टान एक प्राचीन नदी घाटी में पाई गई थी, जिससे पता चलता है कि यह ग्रह कभी जीवन को समर्थन करने वाला रहा होगा।

नासा ने गुरुवार को एक बयान में कहा, 'चट्टान केमिकल सिग्नेचर और संरचनाओं को प्रदर्शित करती है जो संभवतः अरबों साल पहले जीवन की ओर से बनाई गई हो सकती है। तब जिस इलाके में सैंपल लिए गए वहां पर पानी था।' नासा की जेट प्रोपल्शन लैब की पर्सिवरेंस डिप्टी प्रोजेक्ट वैज्ञानिक केटी स्टैक मॉर्गन ने कहा, 'हम यह नहीं कह

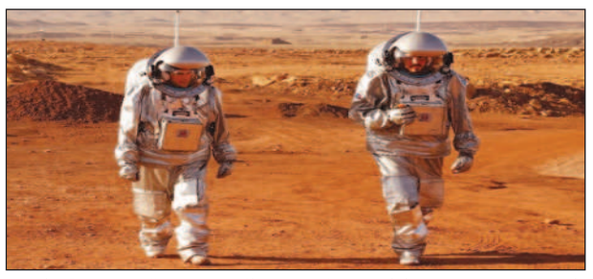

सकते कि यह जीवन का संकेत है। लेकिन यह अब तक हमें मिला सबसे आकर्षक नमूना है।' रोवर के रॉक कोर का नमूना 21 जुलाई को इकट्ठा किया गया था।

मंगल ग्रह पर सबसे बड़ी खोज

एक चौथाई किलोमीटर के चौड़ी एक प्राचीन नदी घाटी के किनारे पर यह मिला था। पत्थर की माप 3.2 फीट गुना 2 फीट है और इसका नाम ग्रांड कैन्यन झरने के नाम पर रखा गया था। कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में मिशन के परियोजना वैज्ञानिक केन फार्ले ने कहा कि चेयावा फॉल्स पर्सीवरेंस रोवर की ओर से अब तक जांच की गई सबसे रहस्यमय, जटिल और संभावित महत्वपूर्ण चट्टान थी। उन्होंने कहा, 'चट्टान में कार्बनिक पदार्थ की सम्मोहक खोज हुई है। इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि जीवन के लिए आवश्यक पानी चट्टान से होकर गुजरा था।' उन्होंने कहा, 'दूसरी ओर हम यह निर्धारित करने में असमर्थ हैं कि चट्टान कैसे बनी और किस हद तक आस-पास की चट्टानों ने चेयावा फॉल्स को गर्म किया और इन विशेषताओं में योगदान दिया।' हालांकि खोज आशाजनक है फिर भी मंगल ग्रह पर प्राचीन जीवन के प्रमाण की पुष्टि करने के लिए आगे के विश्लेषण की जरूरत है। वैज्ञानिक अब चट्टान के नमूने और उसकी संरचनाओं का अध्ययन करना जारी रखेंगे।

पिता-चाचा ने कुल्हाड़ी से महिला के पैर काटे

करांची, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में सिंध के नौशारोफरोज जिले में पिता और चाचा ने एक शादीशुदा महिला के दोनों पैर कुल्हाड़ी से काट दिए। पाकिस्तानी मीडिया जियो न्यूज के मुताबिक, सोबिया नाम की महिला अपने पति से तलाक लेना चाहती थी। इसके लिए उसने अर्जी भी लगा दी थी। सोबिया ने पुलिस को बताया कि उसका पति उसे रोज मारता-पीटता था। वह कोई नौकरी नहीं करता था और न ही घर पर उनके दो बच्चों की देखभाल करता था। इससे परेशान होकर सोबिया ने उसे तलाक देने की बात कही। यही बात उसने अपने परिवार वालों को भी बताई। लेकिन, सोबिया के परिजनों ने उसका साथ नहीं दिया। उन्होंने बेटी पर खानदान को बदनाम करने का आरोप लगाया। जब शुक्रवार को महिला कराची में ससुराल वालों से परेशान होकर घर पहुंची तो उसके पिता सैयद मुस्तफा शाह को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी आरोपी अभी फरार हैं।

शाह, एहसान शाह, शाह नवाज और मुश्ताक शाह ने महिला पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया।

तलाक लेने पर परिवार ने बदनाम करने का आरोप लगाया

महिला के परिजन उसे खून से लथपथ छोड़ घटनास्थल से फरार हो गए। पीड़िता के चिल्लाने पर पड़ोसी वहां पहुंचे और पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने बताया कि सोबिया ने कई बार अपने परिजनों को पति के मारने-पीटने के बारे में बताया था। लेकिन उन्होंने हर बार उसकी शिकायत को नजरअंदाज कर दिया। इसके बाद जब महिला ने तलाक लेने की अर्जी लगाई तो उसके परिजन उससे नाराज हो गए। उन्होंने सोबिया से कहा था कि वह तलाक लेकर पूरे परिवार की बेइज्जती करवा रही है। नौशारोफरोज के पुलिस अधीक्षक ने महिला को सुरक्षा देने का वादा किया है। पुलिस ने महिला के पिता सैयद मुस्तफा शाह को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी आरोपी अभी फरार हैं।

भारतीय शख्स पर नकली मेडिसिन बेचने का आरोप

कैंसर की इस दवा की कीमत 10 लाख, हो सकती है 100 साल की सजा

वाशिंगटन, 27 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास राज्य में एक भारतीय नागरिक पर कैंसर की नकली दवा बेचने और उसकी तस्करी करने का आरोप लगा है। संजय कुमार नाम का ये शख्स जो दवा बेचता था उसकी कीमत हजारों डॉलर थी। कोर्ट में दायर मुकदमें के मुताबिक उस पर पांच मामलों में आरोप लगाए गए हैं।

43 साल का संजय अगर दोषी पाया जाता है तो उसे हर जुर्म के बदले में 100 साल तक की सजा हो सकती है। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस के मुताबिक संजय कुमार को कैंसर की बीमारी में इस्तेमाल की जाने वाली कीट्रुडा दवा को बेचन के शक में 26 जून को पकड़ा गया था। आरोप है कि वह अमेरिकी बाजार में नकली दवा के अपने कारोबार को आगे बढ़ाने के मकसद से पहुंचा था। शुरुआती जांच के बाद उसे होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन और एफडीए ने हिरासत में ले लिया। कीट्रुडा इम्यूनोथेरेपी है, जो

अमेरिका में 19 तरह के कैंसर के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाती है। फेफड़े, सिर, गर्दन, गर्भाशय और स्तन में फैल रहे ट्यूमर को रोकने में ये दवा बहुत असरदार है। ये दवा मर्क शार्प एंड कंपनी बनाती है। पिछले साल कीट्रुडा की 25 करोड़ दवाएं बिकी थीं। हर तीन सप्ताह में दी जाने वाली इस दवा की कीमत करीब 10 लाख रुपए है।

दिल्ली में भी नकली कैंसर दवा रैकेट का खुलासा

इससे पहले मार्च में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कैंसर के नकली दवा बेचने वाले रैकेट का भंडाफोड़ किया था। इसमें 10 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। इसमें से 2 दिल्ली के एक बड़े कैंसर हॉस्पिटल के स्टाफ थे। इन लोगों के पास से भी कीट्रुडा दवा बरामद हुई थी।

पुलिस ने बताया था कि ये आरोपी अस्पताल में मरीजों को कीमोथेरेपी में इस्तेमाल में लाए जाने वाले इंजेक्शंस की खाली शीशी जुटाते थे, और फिर उसमें एंटी फंगल दवा भरकर बेचते थे। वे दिल्ली के बाहर से आने वाले मरीजों को टार्गेट करते थे। खासतौर से हरियाणा, बिहार, नेपाल या फिर अफ्रीकी देशों से आने वाले मरीजों को झांसे में लेकर अपनी दवाएं बेचते थे।

पाकिस्तान में बिजली बिल और टैक्स में वृद्धि का विरोध

सड़क पर उतरी जमात-ए-इस्लामी, दिया धरना

इस्लामाबाद, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार द्वारा बिजली बिल और वेतनभोगी वर्ग के करों में की गई बढ़ोतरी का विरोध तेज हो गया है। पाकिस्तान के राजनीतिक संगठन जमात-ए-इस्लामी ने शनिवार को लगातार दूसरे दिन रावलपिंडी और इस्लामाबाद में धरना दिया। जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए बिजली बिल को कम करने की मांग की।

पहले जमात ए इस्लामी ने इस्लामाबाद के डी चौक से रैली निकालकर प्रदर्शन करने का एलान किया था, लेकिन पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोक दिया। इसके बाद पार्टी ने योजना बदलते हुए रावलपिंडी के मुर्री रोड, चुंगी नंबर 22 और इस्लामाबाद के एच-8 ब्रिज पर धरना दिया। जमात ए इस्लामी के प्रमुख हाफिज नईम ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मांगें पूरी न होने तक धरने पर बैठे रहने का एलान किया।

उन्होंने कहा कि हमारी मांगें सरल हैं। हम चाहते हैं कि सरकार जनता को राहत दे। उन्होंने कहा कि पार्टी देश की कठिनाइयों से

अवगत है लेकिन बिजली दरों के मुद्दे का समाधान किया जा सकता है। सरकार निजी बिजली वितरकों से बातचीत करके दरों को कम कर सकती है। जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होंगीं। तब तक विरोध जारी रहेगा। नईम ने कहा कि यदि सरकार हमारी मांगों पर गौर करती है तो हम बातचीत के लिए तैयार हैं। हम चाहते हैं सरकार इस मामले में बातचीत के लिए समिति बनाए। उन्होंने रविवार शाम को मुरी रोड पर बड़े धरने को संबोधित करने का एलान किया। उन्होंने लोगों से धरने में शामिल होकर अपने अधिकारों के प्रति लड़ने की अपील की। जमात ए इस्लामी पाकिस्तान की सबसे पुरानी पार्टियों में से एक है और बड़े विरोध प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। इसके प्रदर्शनकारी हमेशा शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हैं। लेकिन नईम ने आरोप लगाया कि उनके कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

उन्होंने मांग की कि कार्यकर्ताओं को जल्द से जल्द रिहा किया जाए। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों ने भी देशभर में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने बिजली दरों को कम करने और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल से छोड़ने की मांग की। पार्टी के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

लाओस और भारत के बीच डिजिटल समेत कई समझौते

विदेश मंत्री एस जयशंकर की मौजूदगी में हुए हस्ताक्षर

वियेनटाइन, 27 जुलाई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को लाओस के विदेश मंत्री सलेउमक्से कोमासिथ के साथ बैठक की। इस बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। इनमें त्वरित प्रभाव परियोजनाओं और डिजिटल समाधान जैसे समझौते शामिल हैं। जयशंकर दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) की बैठकों में भाग लेने के लिए लाओस पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक की राजधानी वियेनटाइन में हैं। विदेश

मंत्री जयशंकर ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'लाओ पीपल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक की राजधानी में विदेश मंत्री सलेउमक्से कोमासिथ के साथ अच्छी बैठक हुई। गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए उनका धन्यवाद किया।' विदेश मंत्री ने कहा, 'मेकांग-गंगा सहयोग के तहत लाओस के लिए 10 त्वरित प्रभाव परियोजनाओं और डिजिटल समाधान को लेकर समझौते पर हस्ताक्षर हुए।

गौरतलब है कि मेकांग-गंगा सहयोग का उद्देश्य छह देशों- भारत, कंबोडिया, लाओस पीपल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, म्यांमार, थाईलैंड और वियतनाम के बीच पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा, परिवहन और संचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना है।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के चांसलर का चुनाव लड़ सकते हैं इमरान

जेल से ऑनलाइन वोटिंग में हिस्सा लेंगे बोरिस जॉनसन-टोनी ब्लेयर से मुकाबला

इस्लामाबाद, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अदियाला जेल से ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के चांसलर पद का चुनाव लड़ सकते हैं। पीटीआई नेता इमरान खान के सलाहकार सैयद जुल्फी बुखारी ने ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ को ये जानकारी दी है। इस साल ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में चांसलर का चुनाव होना है। ऑक्सफोर्ड के 800 सालों के इतिहास में पहली बार चांसलर चुनाव के लिए ऑनलाइन मतदान होगा। इस चुनाव में पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री

टोनी ब्लेयर, थेरेसा मे और बोरिस जॉनसन भी दावेदारी पेश करते नजर आएंगे। इमरान के सलाहकार सैयद जुल्फी बुखारी ने कहा कि जनता की ये मांग है कि इमरान खान चुनाव लड़ें। उन्होंने चुनाव को लेकर तैयारी भी शुरू कर दी है। वे जेल से ही चुनाव की ऑनलाइन प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे। बुखारी, इमरान खान के विदेशी मामलों के सलाहकार हैं। उन्होंने कहा कि इमरान खान की तरफ से अभी हरी झंडी नहीं मिली है। उनकी सहमति के बाद ही इसकी सार्वजनिक घोषणा की जाएगी और इसके बाद हस्ताक्षर अभियान शुरू किया जाएगा। इमरान खान ऑक्सफोर्ड के ही छात्र हैं। उन्होंने 1972 में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के केबल कॉलेज से इकोनॉमिक्स में डिग्री हासिल की थी। वे 2005 से 2014 तक ब्रैडफोर्ड यूनिवर्सिटी के चांसलर के रूप में काम कर चुके हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के चांसलर लॉर्ड क्रिस पैटन ने इसी साल फरवरी में अपने इस्तीफे का ऐलान किया था। 80 साल के पैटन 21 साल तक चांसलर रहे। उन्होंने फरवरी 2003 में पद संभाला था। लॉर्ड पैटन इससे पहले हांगकांग के 28वें और अंतिम ब्रिटिश गवर्नर के रूप में कार्यरत थे। रॉय जेनकिंस की मृत्यु के बाद उन्हें चांसलर के रूप में चुना गया था।

हासिल की एक और बड़ी उपलब्धि
पूरे देश में राजस्थान आया प्रथम

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान ने निशुल्क दवा योजना के क्रियान्वयन में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राजस्थान ने योजना में अनुमोदित दवाओं की संख्या, उपलब्ध दर संविदा, विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में दवाओं की उपलब्धता सहित अन्य मानकों में समग्र रूप से अधिकतम अंक प्राप्त कर यह उपलब्धि हासिल की है। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने बताया कि निशुल्क दवा योजना के संचालन को लेकर केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से यह रैंकिंग जारी की गई है। जून 2024 में राजस्थान ने 76.78 अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है। तेलंगाना 75 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में संचालित निःशुल्क दवा योजना में 1828 दवाएं अनुमोदित हैं।

डैशबोर्ड बताता है निशुल्क दवा योजनाओं की प्रगति

राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने बताया कि भारत सरकार द्वारा अप्रैल, 2019 में ड्रग्स एण्ड वैक्सीन्स डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम डैशबोर्ड का निर्माण किया गया था। इस डैशबोर्ड के माध्यम से विभिन्न राज्यों में संचालित निशुल्क दवा योजनाओं की प्रगति की सूचना संकलित की जाती है।

रैंकिंग का निर्धारण के लिए 100 अंक निर्धारित

नेहा गिरि ने बताया कि रैंकिंग का निर्धारण के तहत चिकित्सा योजना संस्थानों की संख्या, दवाओं के स्टॉक, ऑनलाइन आपूर्ति, क्वालिटी चैकिंग, दवाओं के अवधिपार होने की स्थिति, आपूर्ति में लगने वाले समय सहित 10 मानकों के आधार पर किया जाता है। इसके लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं।

सीमा हैदर के बाद अब रहमान के प्यार में पाकिस्तान से चूरू आई 25 साल की महवीश, आते ही हो गया ये बड़ा कांड

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान से सीमा हैदर के बाद अब राजस्थान में अपने प्यार पाने के लिए युवती सीमा पार कर राजस्थान आ गई है। वहीं इससे पहले राजस्थान के अलवर जिले की अंजू अपना प्यार पाने के लिए पाकिस्तान चली गई थी। इसी तर्ज पर अब महरीश प्रदेश के चूरू जिले पहुंची है। इसकी सूचना मिलने पर इंटेलीजेंस व अन्य गुप्तचर एजेंसियां सक्रिय हो गई है। बताया जा रहा है कि एजेंसियां युवती के बारे में जांच कर रही है। अब देखना होगा कि प्यार के पाने के लिए आने वाली महिला की आखिर सच्चाई क्या है?

पाकिस्तान से युवती राजस्थान के चूरू जिले के पीथिसर गांव पहुंची। जहां महवीश नाम की इस लड़की के गांव में पहुंचते ही हड़कंप मच गया। युवती की उम्र 25 साल बताई जा रही है। वहीं, प्रेमी युवक का नाम रहमान है। युवक फिलहाल कुवैत में काम करता है। रहमान पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं। जिसके प्यार को पाने के लिए युवती यहां पर आई है। सरपंच जंग शेर खान अटारी बॉर्डर से युवती को लेकर आए हैं। इधर, पुलिस को सूचना मिली तो पुलिस हरकत में आ गई। अब पुलिस की ओर से महिला को लेकर पड़ताल की जा रही है।

फरीदा पत्नी पहुंची पुलिस थाने

महवीश के बारे में जब रहमान की पत्नी फरीदा को पता चला तो वह सीधे पुलिस थाने पहुंच गई। फरीदा ने इस पाकिस्तानी युवती के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। फरीदा का कहना है कि यह जासूस भी हो सकती है। इसलिए इसकी जांच की जाएं। इसके साथ ही रहमान से कानूनी तलाक नहीं होने व दूसरी शादी की अनुमति नहीं देने की भी बात कही गई है। फरीदा का कहना है कि वह कानूनी लड़ाई लड़ेगी। उसके साथ गलत हुआ है।

बहुचर्चित सीमा हैदर मामला...

इससे पहले पाकिस्तान से सचिन के प्यार में पागल सीमा हैदर भारत पहुंची थी। उसके बाद महवीश का दूसरा मामला है। सीमा हैदर सरहद पार कर 13 मई को भारत में अवैध रूप से आई थी। इसके बाद वह ग्रेटर नोएडा के कस्बा रबूपुरा में आकर रहने लगी। सीमा पर पाकिस्तानी एजेंट होने का आरोप लगातार लगता रहा है। बताया जाता है कि ग्रेटर नोएडा आने से पहले वह पाकिस्तान से दुबई गई फिर वहां से नेपाल आई।

राजस्थान की अंजू पहुंची पाकिस्तान

राजस्थान में अलवर जिले की रहने वाली अंजू अपने पति अरविंद और दो बच्चों के साथ को छोड़कर टूरिस्ट वीजा पर पाकिस्तान घूमने गई थी। लेकिन बाद में पता चला कि वह खैबर पख्तूनख्वा में रहने वाले नसरुल्लाह के प्यार के चलते मिलने गई है। पाकिस्तान जाने के बाद अंजू ने नसरुल्लाह के साथ निकाह भी कर लिया था। अंजू और नसरुल्लाह के निकाह कर फातिमा बन गई थी। हालांकि बाद में अंजू वापस वतन लौट आई थी।

मानसून मेहरबान, 31 जिलों में बारिश का अलर्ट, होगी भारी बारिश

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मानसून के मेघ एक बार फिर से जयपुर सहित पूरे प्रदेश में सक्रिय हैं। आज प्रदेश के 31 जिलों में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने कुछ जिलों में भारी बारिश को लेकर येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले 5 दिनों तक राजस्थान में मानसून मेहरबान रहेगा। इसके अलावा रविवार को भी तीन जिलों को छोड़कर बाकी जिलों में बारिश होने की संभावना है।

बता दें कि जयपुर सहित दौसा, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अलवर, अजमेर, सिरोही और झालावाड़ में अच्छी बारिश हुई। बारां के छीपाबड़ौद में 38 एमएम, किशनगंज में 17, शाहाबाद में 17, छबड़ा में 16, अटरु में 8, अन्ता में 6, जयपुर जिला कलेक्ट्रेट पर शाम पांच बजे तक दो एमएम और सुबह आठ बजे तक 25 एमएम बारिश, कोटा में 60.6, फतेहपुर में 50, माउंटआबू में 24.6, सीकर में 33, भरतपुर में 35.3 एमएम बारिश दर्ज की गई।

कालीसिंध बांध का जलस्तर बढ़ा, एक गेट खोला

मध्य प्रदेश में हो रही बारिश का असर अब राजस्थान के बांधों पर दिखने लगा है। राजस्थान में बाधों का जलस्तर बढ़ने से गेट खोलने की नौबत आ गई है। झालावाड़ के कालीसिंध बांध का जलस्तर बढ़ने के बाद प्रशासन ने एक गेट खोला। यहां 819 क्यूसेक पानी की निकासी की गई।

दौसा जिले में जारी बारिश के दौर के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग 21 पर दौसा के समीप ग्राम मित्रपुरा व पालावास जलमग्न हो गए हैं। पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने से घरों से लेकर स्कूल व रास्तों में पानी भर गया। टोंक, सीकर, कोटा, बारां, झालावाड़ सहित कई जिलों में बारिश हुई। इससे किसान खुश हैं और फसलों में रौनक लौट आई।

माउंट आबू की वादियों में बहने लगे झरने

हरीतिमा की चादर ओढ़े पर्यटन स्थल माउंट आबू में अलसुबह को हुई बारिश से वादियों में झरने बहने लगे। माउंट आबू-आबूरोड मार्ग से लेकर गुरुशिखर तक सडक़ के दोनों ओर जगह-जगह पहाड़ियों से मंद गति से बहते झरनों को निहारने का पर्यटकों ने आनंद लिया। दिनभर गहरी धुंध ने समूचे माउंट आबू को अपने आंचल में समेटे रखा, जिससे यहां सैर सपाटे को आए सैलानियों को वाहनों की लाइटें जलाकर ड्राइव करने पड़े। नदी, नालों में भी पानी बहने से नक्की झील, लोअर कोदरा व अप्पर कोदरा बांधों समेत विभिन्न जलाशयों, एनिकटों में पानी की आवक आरंभ हो गई है।

इन जिलों में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने आज 31 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की मानें तो आज टोंक, भीलवाड़ा और अजमेर में अतिभारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, बांसवाड़ा, बारां, बूंदी, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, जयपुर, झालावाड़, कोटा, प्रतापगढ़, सवाई माधोपुर और उदयपुर में भारी बारिश होगी। इसके अलावा जैसलमेर और बाड़मेर को छोड़कर बाकी जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की मानें तो रविवार को भी 30 जिलों में कहीं तेज तो कहीं कम बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि उत्तरी बंगाल की खाड़ी व बांग्लादेश, पश्चिम बंगाल तट पर एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। मानसून ट्रफ लाइन अपने सामान्य अवस्था में है। पूर्वी राजस्थान के अनेक स्थानों पर आगामी एक सप्ताह मानसून सक्रिय रहने तथा अधिकांश स्थानों पर बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है।

लोकसभा चुनाव में 11 सीट हारने पर क्या बोले राजस्थान के नए बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष राठौड़

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश भाजपा में नवनियुक्त अध्यक्ष मदन राठौड़ दिनभर दिल्ली में नेताओं से मुलाकात करते रहे। सुबह वेस्टर्न कोर्ट गेस्ट हाउस में कार्यकर्ताओं की शुभकामनाओं का दौर चला और फिर वे सांसद व पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी के आवास पर पहुंचे।

यहां जोशी ने उनका साफा पहनाकर और दुपट्टा ओढाकर स्वागत किया। राठौड़ ने कहा कि जोशी से अनुभव और गुरु मंत्र लेने आया हूं। इसके बाद सीधे संसद पहुंचे और वहां कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। राठौड़ ने कहा कि सत्ता और संगठन में सामंजस्य बनाए रखना उद्देश्य होगा। आम कार्यकर्ता के मान सम्मान का पूरा ध्यान रखा जाएगा। संगठन की मौजूदा टीम के अनुभव के साथ आगे बढ़ेंगे।

चुनाव में कांग्रेस ने भ्रम पैदा किया। आरक्षण को समाप्त करने, संविधान को बदलने का भ्रम फैलाया। अब कोई पचास बार झूठ बोलेगा तो स्वभाविक है कि जनता थोड़ा बहुत उसके भ्रम में फंस जाएगी। प्रदेश में भी ऐसा ही हुआ। तुष्टीकरण की पराकाष्ठा पार करते हुए समाज को तोड़ने का षड्यंत्र किया। जनता के सामने अब इनकी पोल खोलने का काम होगा।

पुराने और मौजूदा टीम के अनुभव व राय के आधार पर आगे बढ़ेंगे। सभी लोगों को साथ लेकर पार्टी की एकजुटता और मजबूती के लिए काम करेंगे। नए लोगों को विचार से जोड़ने पर फोकस रहेगा। चुनौतियों को स्वीकार करके ही भाजपा विश्व के सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। उपचुनाव में जो भी चुनौती होगी, उसे दूर कर जीत का परचम फहराएंगे। जनता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी गारंटी पर भरोसा है।

राजस्थान में भाजपा एकजुट है किसी भी तरह की कोई गुटबाजी नहीं है। सी.पी. जोशी ने जो टीम तैयार की है, उसके अनुभव का फायदा मिलेगा।

जल्द दौड़ती नजर आएंगी 500 इलेक्ट्रिक बसें
सिर्फ इन खास शहरों को ही मिलेगी 'सौगात'

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के लोगों के लिए एक और अच्छी खबर सामने आई है। राजस्थान के प्रमुख शहरों की सड़कों पर जल्द ही 500 इलेक्ट्रिक बसें दौड़ती नजर आएंगी। विपक्ष के सवाल पर यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने विधानसभा में यह जानकारी दी। बता दें कि भजनलाल सरकार ने अपने पहले पूर्ण बजट में 500 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की घोषणा की थी।

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने सदन में कहा कि बजट में 500 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की जो घोषणा की है, वे 2024 ही जयपुर और अन्य शहरों की सड़कों पर दौड़ती नजर आएगी। जयपुर में सेक्टर रोडों के निर्माण के लिए 50 करोड़ रुपए का प्रावधान है।

उन्होंने कहा कि किसी भी विकास प्राधिकरण, नगर विकास न्यास निकाय और आवासन मंडल की एक इंच जमीन पर भी अतिक्रमण नहीं रहने दिया जाएगा। जमीन से कब्जा हटाकर निकाय उसे अपने कब्जे में लेगा। तथ्यों के साथ शिकायत आएगी तो जांच की जाएगी। बिना तथ्यों के 100 में से 98 शिकायतें आती हैं।

राजस्थान के सात प्रमुख शहरों में इलेक्ट्रिक बस चलेंगे। सबसे ज्यादा 300 बस राजधानी जयपुर में चलेंगी। वहीं, जोधपुर में 70, कोटा में 50, उदयपुर में 35, अजमेर में 30, बीकानेर में 15 और भरतपुर में 15 इलेक्ट्रिक बस दौड़ती नजर आएंगी।

मिला मॉडल का शव, फैली सनसनी, परिजनों ने लगाए ये आरोप

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। 26 साल की मॉडल की मौत का मामला सामने आया है। यह हत्या है या आत्महत्या, इसे लेकर पुलिस जांच कर रहीं है। मामला बीकानेर जिले का है। जहां पर यह घटना सामने आई है। मॉडल इशप्रीत कौर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर थी। उसके इंस्टाग्राम पर 8 लाख से ज्यादा फॉलोअर हैं। चना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। जहां पर युवती घर में फंदे से लटकी मिली। उसके पास ही एक युवक बेहोश मिला है। उसे पुलिस ने हॉस्पिटल में भर्ती कराया है। मौके से एक पिस्टल भी मिली है।

मॉडल युवती के पिता ने युवक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है। मॉडल के उसके इंस्टाग्राम पर 8 लाख से ज्यादा फॉलोअर हैं। पुलिस ने बताया कि घटना मुक्ता प्रसाद इलाके के बीकाजी सर्किल से कानासर की ओर बने जयराज तंवर के मकान की है। शव की पहचान 26 साल की इशप्रीत कौर के रूप में हुई है। वह खतुरिया कॉलोनी के मन मंदिर के पास रहती थी।

युवती के पिता गुरदीप सिंह का आरोप है कि जयराज ने उसकी हत्या की है।

पुलिस ने बताया कि इशप्रीत कौर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर थी। जयराज और इशप्रीत दोस्त थे। 24 जुलाई से इशप्रीत घर से लापता थी। उसी दिन युवक और युवती उस घर पर पहुंचे थे। युवती के घर वाले उसे तलाश रहे थे। ढूंढते हुए युवती के घर वाले जयराज तंवर के मकान पर पहुंचे। घर के एक दरवाजे को छोड़कर सभी दरवाजे बंद थे।

अंदर जाकर देखा तो होश उड़ गए। सामने इशप्रीत की लाश लटक रही थी। इसके बाद परिवार वालों ने पुलिस को खबर दी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। हत्या हुई है या आत्महत्या की गई है।

सफाईकर्मियों की हड़ताल जारी
रैली निकालकर जताया विरोध

अलवर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश में सफाई कर्मियों की हड़ताल जारी है। इसके चलते शहर से कचरा नहीं उठ रहा है। गली-मोहल्लों सहित मुख्य सड़कों पर कचरे ढेर लगे हैं। लोगों का इन रास्तों से निकलना भी दूभर हो गया है। गौरतलब है कि सफाई कर्मचारी भर्ती में वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता देने सहित कई मांगों को लेकर पूरे प्रदेश भर में कर्मचारी हड़ताल पर हैं। शनिवार को अलवर शहर के नगर निगम कार्यालय पर सफाई कर्मी एकत्रित हुए। इसके बाद सफाई कर्मियों ने शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए अम्बेडकर सर्किल तक रैली निकाली निकालकर विरोध जताया।

दो सगे भाइयों की मौत, एक को बचाने के प्रयास में दूसरे की गई जान, पिता को भी लगा करंट

झालावाड़, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के झालावाड़ जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। डग क्षेत्र के जगदीशपुरा रोड पर चौकड़ी दरवाजे के पास एक खेत में हुई तारबंदी में करंट दौड़ने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। इस घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतकों की उम्र 22 और 28 साल थी। ऐसे में दो युवा बेटों की मौत के परिजनों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है।पुलिस ने शनिवार को पोस्टमार्ट के बाद शव परिजनों को सौंप दिए है। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

मृतक बेटों के पिता कैलाश माली ने बताया कि देर रात छोटा बेटा निर्मल शोच के लिए गया हुआ था। लेकिन, आधे घंटे बाद भी घर नहीं आया तो बड़ा बेटा सोनू उसे देखने के लिए गया। तभी अचानक जोर से चीखने की आवाज हुई तो नींद खुल गई। बाहर निकलकर देखा तो पड़ोसी के खेत में दोनों बेहोशी हालत में पड़े दिखाई दिए।

पिता कैलाश माली ने जैसे ही छोटे पुत्र को हाथ लगाया तो उसको भी करंट का झटका लगा और दूसरी ओर वह गिर गया। गनीमत रही कि उसी समय बिजली चली गई और पिता की जान बच गई। अगर ऐसा नहीं होता तो दो बेटों के साथ—साथ पिता की भी मौत हो जाती।

करंट के झटके के बाद कैलाश माली ने अपने पड़ोसी घर वालों को आवाज लगाई और फोन पर सारे परिवार समाज वाले एकत्रित हुए। इसके बाद दोनों बेटों को अस्पताल लेकर आए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद परिजन को मृतकों के शव सौंप दिए है।

पिता ने पुलिस को बताया कि बड़ा बेटा पढ़ाई पूरी होने के बाद नौकरी की तलाश में रहते हुए फूल मालाओं का ठेला लगाता था। वहीं, छोटे बेटे सोनू की कुछ माह पुर्व ही जावरा के समीप एक गांव में सगाई हुई थी। पुलिस ने चिकित्सालय पहुंचकर मृतक के परिजनों से बयान लेकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्कूल जा रही छात्रा का किडनेप और फिर गैंगरेप, फंस गए पुलिसकर्मी
पीड़िता ने लगाए आरोप

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। नाबालिग के साथ अपहरण कर गैंगरेप का मामला सामने आया है। इस केस में पुलिसकर्मियों पर भी आरोप लग रहे है। मामला अजमेर जिले के अराई थाना इलाके का है। जहां पर स्कूल में मार्कशीट लेने के लिए जा रही एक बालिका के साथ गैंगरेप की वारदात हुई। पीड़िता की ओर से पुलिस थाने में किडनेप व गैंगरेप की रिपोर्ट दी गई। इसके साथ ही पीड़िता ने आरोप लगाया है कि पुलिसकर्मियों ने उसे इस केस में डराया धमकाया। ऐसे में पीड़िता का कहना है कि पुलिसकर्मी आरोपियों से मिले हुए है। पीड़िता की ओर से इस केस की रिपोर्ट अजमेर एसपी को दी गई है।

पीड़िता ने बताया कि पिछले दिनों वह स्कूल में 12 वीं की मार्कशीट लेने जा रही थी। तभी 4 से 5 युवक और एक महिला मोटरसाइकिल पर आए और उसका अपहरण कर अपने साथ ले गए। बाद में कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसके साथ रेप किया गया। बाद में एक युवक और उसकी पत्नी उसे अलग-अलग जगह पर ले गए, जहां उसके साथ रेप किया गया। विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने आरोपियों से मिली भगत कर उसे डराया-धमकाया और कहा कि उसने आरोपियों के खिलाफ कोई शिकायत दी या बयान दिया तो उसे और उसके परिवार को जान से खत्म कर देंगे। अब एसपी के निर्देश पर अरांई थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस की ओर से पूरे मामले की जांच की जा रही है।

रोडवेज बस डिपो के चीफ मैनेजर समेत पांच कर्मचारियों ने मिलकर कर दी सहायक सांख्यिकी अधिकारी की हत्या

झुंझुनू, 27 जुलाई (एजेंसियां)। रोडवेज बस डिपो में कार्यरत सहायक सांयिकी अधिकारी से मारपीट कर हत्या का मामला सामने आया है। घटना गुरुवार सुबह 11 बजे की बताई जा रही है। मामले में रोडवेज के चीफ मैनेजर सहित पांच अधिकारी-कर्मचारियों पर मारपीट कर हत्या का आरोप लगा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली एसआई सुरेश कुमार रोलन ने बताया की बबाई निवासी गजेंद्र कुमार मिश्रा पुत्र सुरेश कुमार मिश्रा ने रिपोर्ट दी है कि उसका बड़ा भाई चेतन कुमार मिश्रा राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के झुंझुनूं डिपो में सहायक सांयिकी अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। चेतन की पत्नी डिपंल मिश्रा ने फोन पर उसे बताया कि चेतन को उनके सहकर्मी व अधिकारी मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। आठ जुलाई को उनके विभाग के गणेश शर्मा, सुरेंद्र, अजय, प्रितम ने षडय़ंत्रपूर्वक वरिष्ठ सहायक मंजूबाई को उकसाकर मारपीट करवाई। इसकी चेतन ने लिखित शिकायत 15 जुलाई को उच्चाधिकारियों से की थी। इसके बाद शिकायत वापस लेने के लिए उनपर दबाव बनाया जा रहा था। नहीं लेने पर जान से मारने की धमकी दी गई। 25 जुलाई गुरुवार को चेतन अपने कार्यालय में था व पत्नी डिंपल मिश्रा वहां पर स्थित मंदिर में पूजा करने के लिए गई थी। सुबह 11 बजे के करीब चेतन की पत्नी डिंपल खाने का टिफिन लेकर डिपो गई तो उक्त सभी पांचों लोग चेतन से मारपीट कर रहे थे और घसीट रहे थे। पास जाकर देखा तो चेतन के सिर में पीछे की तरफ खून निकल रहा था। चेतन की पत्नी को देखकर सभी चेतन के गिरने का नाटक करने लगे और कहा कि अस्पताल लेकर जा रहे हैं। जबकि उसने चेतन के साथ मारपीट करते व घसीटते स्वयं देखा था। घायल अवस्था में चेतन को उनकी पत्नी बीडीके अस्पताल लेकर गई तो उक्त लोग भी साथ चले गए। बीडीके में चिकित्सकों ने जांच के बाद चेतन को जयपुर एसएमएस में रेफर कर दिया। जहां पर चिकित्सकों ने चेतन को मृत घोषित कर दिया। चेतन के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कर परिजन को सौंप दिया गया। पुलिस ने रोडवेज डिपो में कार्यरत पांच अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ हत्या करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आवश्यक कंप्यूटर ज्ञान प्राप्त करें अधिकारी : संगीता

ई-ऑफिस प्रबंधन पर प्रशिक्षण आयोजित

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला जिला राजस्व अधिकारी ने संगीत जिला अधिकारियों को प्रत्येक विभाग में ई-ऑफिस के माध्यम से संचालन करने की सलाह दी। शनिवार को जिला राजस्व अधिकारी संगीता ने रंगारेड्डी जिले के एकीकृत जिला कार्यालय भवन के बैठक हॉल में ई-ऑफिस प्रबंधन पर जिला अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए वाईएनआईसीसी केंद्र द्वारा आयोजित आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। सभी फाइलों को ई-ऑफिस के माध्यम से भेजने की दिशा में कदम उठाने के लिए राज्य वाईएनआईसी केंद्र से जिला अधिकारियों और विभागीय अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर डीआरओ संगीता ने कहा कि सभी अधिकारी इस प्रशिक्षण के माध्यम से आवश्यक कंप्यूटर ज्ञान प्राप्त करें। जिला कलक्टर शशांक ने याद दिलाया कि आने वाले सभी दिन टेक्नोलॉजी पर निर्भर रहेंगे, इसलिए हर विभाग में ई-ऑफिस के माध्यम से गतिविधियां संचालित की जाएं। वे विभाग के हिस्से के रूप में लंबित लॉगिन के बिना तत्काल कार्रवाई करना चाहते हैं। अधिकारियों ने कहा कि एहतियाती कदम उठाते हुए जिला ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग, मत्स्य विभाग, पंचायत विभाग, बागवानी विभाग, महिला एवं बाल कल्याण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण, समाज कल्याण जैसे विभागों में थोक ईमेल आईडी बनाने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। डीआरओ ने कहा कि सभी अधिकारियों को आवश्यक तकनीकी ज्ञान का प्रशिक्षण लेना चाहिए, क्योंकि आईडी तो बना दी गई है, लेकिन तुरंत सेट नहीं की गई। इस कार्यक्रम में जिले के अधिकारियों, प्रशिक्षण कर्मचारियों, संबंधित अधिकारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

सीआरपीएफ का स्थापना दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल मध्य सेक्टर मुख्यालय के प्रांगण में उप महानिरीक्षक सुनील कुमार की अध्यक्षता में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का 86 वां स्थापना दिवस मनाया गया। जिसमें मध्य सेक्टर मुख्यालय के राजपत्रित अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं अन्य रैंक सैनिक शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप महानिरीक्षक सुनील कुमार ने के.रि.पु.बल के इतिहास के बारे में अवगत कराया और कहा कि, स्थापना दिवस के इस अवसर पर मैं बल के उन समस्त वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूँ जिन्होने देश की एकता, अखण्डता एवं शांति की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देकर शहीद हो गये।

बल के समस्त सदस्यों के साथ-साथ उनके परिवारजनों से भी आग्रह करूंगा कि हम सभी मिलकर पूरे हर्षो-उल्लास के साथ यह दिवस मनाएं तथा राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं संविधान की मर्यादा को अक्षुण बनाये रखेंगे ताकि समाजिक सद्भाव एवं राष्ट्र के विकास को गति मिले।

हैदराबाद में 2 अगस्त तक होती रहेगी बूंदाबादी

9 दिनों से हो रही है हल्की बारिश * सुबह-शाम लोगों को लग रही ठंड

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में पिछले 9 दिनों से लगातार बूंदाबांदी और हल्की बारिश हो रही है। पिछले दिन थोड़ी धूप खिलने के बावजूद शनिवार को शहर में फिर से बादल छाए हुए हैं। लंबे समय तक बारिश के मौसम ने गर्मी से राहत दी है, जो इस साल अक्सर 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो गई है। हालांकि, इसके कारण दिन के तापमान में भी गिरावट आई है, जिससे शाम और सुबह के समय विशेष रूप से ठंड बढ़ गई है। अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और आर्द्रता का स्तर 74 प्रतिशत के आसपास रहने के कारण शनिवार को शहर में ठंड का माहौल बना रहा।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का पूर्वानुमान है कि ये स्थितियां बनी रहेंगी तथा 2 अगस्त तक अधिकतम तापमान 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। मध्य तेलंगाना के कामारेड्डी, सिद्दीपेट, जनगांव, वारंगल, हनमाकोंडा, सिरसिला और करीमनगर जैसे क्षेत्रों में भी ऐसा ही मौसम देखने को मिला है, शनिवार को लगातार बारिश हुई। उत्तरी तेलंगाना भी इससे अछूता नहीं रहा, पिछले नौ दिनों से मौसम खराब है और लगातार बारिश हो रही है। हालांकि, आईएमडी ने मौसम को लेकर कोई चेतावनी जारी नहीं की है।

पूर्वानुमान के अनुसार 2 अगस्त तक हैदराबाद समेत तेलंगाना में हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। निवासियों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम संबंधी रिपोर्ट से अवगत रहें तथा चालू मानसून सीजन के उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए तदनुसार योजना बनाएं।

चेरियल नकाशी कला से सजाया जा रहा खम्मम कलक्ट्रेट

काम को पूरा करने में जुटे हुए हैं 8 कलाकार * कलेक्टर मुजम्मिल खान की पहल

खम्मम, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम में एकीकृत जिला कार्यालय परिसर (आईडीओसी) को प्रसिद्ध चेरियल नकाशी पेंटिंग से सजाया जा रहा है। यह पहल जिला कलेक्टर मुजम्मिल खान ने की थी, जो आईडीओसी भवन के प्रवेश द्वार को पारंपरिक कलाकृति से सजाना चाहते थे। सिद्दीपेट के चेरियाल के आठ नकाशी कलाकार इस काम में लगे हुए हैं। नकाशी कला को अपने पूर्वजों से विरासत में प्राप्त करने वाले कलाकार डी राकेश ने बताया कि यह कलाकृति तेलंगाना संस्कृति और ग्रामीण जीवन शैली को दर्शाती है। छह दिन का यह कार्य रविवार को पूरा हो जाएगा और एक बार कलाकृति पूरी हो जाने पर आईडीओसी को एक नया रूप दिया जाएगा।

राकेश, जो राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नकाशी कलाकार नकाश वैकुंठम के बेटे हैं, ने बताया कि उनका परिवार कई पीढ़ियों से नकाशी कला और स्क्रॉल पेंटिंग में लगा हुआ है। पहले स्क्रॉल पेंटिंग लंबे स्क्रॉल पर की जाती थी, लेकिन अब इन्हें छोटे स्क्रॉल के साथ-साथ घरों की दीवारों पर फिट करने के लिए लकड़ी के बोर्ड पर भी बनाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि खम्मम के निकट वी वेंकटयापलेम स्थित आईडीओसी का उद्घाटन पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने 18 जनवरी, 2023 को केरल, पंजाब और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों पिनाराई विजयन, भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल के साथ किया था। आईडीओसी का निर्माण 20.10 एकड़ क्षेत्र में 53.20 करोड़ रुपये की लागत से किया गया। इसमें एक अभिनव सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया गया है जो पार्किंग शेड के रूप में भी काम करता है, जिस पर सौर पैनल लगाए गए हैं।

200 किलोवाट क्षमता वाले इस विद्युत संयंत्र से 800 से 1000 किलोवाट घंटे बिजली पैदा होगी, जो आईडीओसी की दैनिक जरूरतों के लिए उपलब्ध होगी तथा इसे पिछले जुलाई माह में विद्युत ग्रिड के साथ समन्वयित किया गया था।

बंडी संजय ने किया खेती में काम करने वाली बच्ची को मदद का वादा

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने खेतिहर मजदूर के तौर पर काम करने वाली नाबालिग लड़की को पढ़ाई जारी रखने में मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने इंटरमीडिएट कॉलेज में दाखिला दिलाने के अलावा, अगर वह इच्छुक है तो उसे छात्रावास में दाखिला दिलाने का भी वादा किया है।

शनिवार को संजय कुमार चोप्पाडांडी निर्वाचन क्षेत्र के चेरलापल्ली में एक समारोह से लौट रहे थे, तभी उन्होंने सड़क किनारे खेतिहर मजदूरों के एक समूह को दोपहर का खाना खाते हुए देखा। उनसे बातचीत करते समय संजय कुमार को उनमें से एक लड़की मिली और उसने उससे पूछा कि वह कृषि क्षेत्र में काम क्यों कर रही है। क्या उसे पढ़ाई में कोई दिलचस्पी नहीं है, उन्होंने उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में पूछताछ करने के अलावा यह भी पूछा।

लड़की बोल्ला अक्ष्या ने कहा कि उसने 10वीं कक्षा तक पढ़ाई की है और हालांकि वह पढ़ाई जारी रखना चाहती थी, लेकिन अपने परिवार की खराब आर्थिक स्थिति के कारण उसे काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद संजय कुमार ने भाजपा जिला अध्यक्ष गंगाडी कृष्ण रेड्डी को लड़की को तुरंत कॉलेज में दाखिला दिलाने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि अगर वह इच्छुक है तो वह उसे छात्रावास में दाखिला दिलाएंगे।

देसी नावों का उपयोग करने पर मजबूर हुए ग्रामीण

बाढ़ आने के बाद मुख्यधारा से कट गई थीं बस्तियां

मंचेरियल/कुमराम भीम आसिफाबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों में भारी बारिश से प्रभावित कुछ गांवों के लोगों के पास अपनी जान जोखिम में डालकर चिकित्सा आपातस्थितियों और आवश्यक वस्तुओं सहित विभिन्न जरूरतों के लिए पड़ोसी स्थानों तक पहुंचने के लिए स्थानीय नदियों को पार करने के लिए देसी नावों से यात्रा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। मंचेरियल जिले के वेमनपल्ली मंडल के सुम्पुतम और कल्लमपल्ली गांवों के निवासी एक सप्ताह से अधिक समय से किराने का सामान, सब्जियां और खाद खरीदने के लिए पड़ोसी गांवों और मंडल मुख्यालयों तक पहुंचने के लिए लकड़ी की नावों पर यात्रा कर रहे थे। स्थानीय नदियों में बाढ़ आने के बाद उनकी बस्तियां मुख्यधारा से कट गई थीं, इसलिए वे नावों पर निर्भर थे। ये गांव प्राणहिता के तट पर बसे हैं, जो ऊपरी इलाकों में लगातार बारिश के कारण उफान पर है।

स्थानीय निवासी के नारायण ने कहा कि निवासियों को स्थानीय मछुआरों द्वारा संचालित नावों को किराए पर लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वे प्रति सवारी 50 से 100 रुपये के बीच भुगतान कर रहे हैं। देसी नाव में यात्रा करना जोखिम भरा है, लेकिन अपरिहार्य है।

न केवल स्थानीय लोग बल्कि आशा कार्यकर्ता, शिक्षक, स्वास्थ्य सहायक, पंचायत और राजस्व विभाग के कर्मचारी भी अब गांवों में अपनी ड्यूटी निभाने के लिए नावों पर निर्भर हो गए हैं। आशा कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं को नावों की मदद से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही हैं। राजस्व विभाग के अधिकारी नावों पर सवार होकर गांवों में बाढ़ राहत के उपाय कर रहे हैं।

संयोग से, 1 जून से 27 जुलाई तक जिले में 439 मिमी की सामान्य वर्षा की तुलना में 533 मिमी वर्षा हुई। वेमनपल्ली मंडल में अब तक 460 मिमी की तुलना में सबसे अधिक 760 मिमी वर्षा हुई। नदियों पर बने पुल बह गए, जिससे नक्कलपल्ली, एडुलाबंदम और कोटापल्ली मंडल के कई अन्य गांवों और वेमनपल्ली के दो गांवों का संपर्क प्रभावित हुआ। इस बीच, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के बेज्जुर मंडल के तलई, थिक्कापल्ली, भीमाराम, सोमिनी, मोगावेल्ली, इप्पलागुडेम, गेरेगुडम, नागेपल्ली और बंदलागुडेम गांवों के लोग शेष दुनिया से एक सप्ताह से कटे हुए हैं, क्योंकि स्थानीय नदियां निचले पुलों से बह रही हैं और प्राणहिता नदी में बाढ़ आ गई है।

महिला सुरक्षा विंग के लगातार प्रयासों से बेहतर सजा : शिखा गोयल

पुलिस अधिकारियों और सरकारी वकीलों को प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मामलों के त्वरित निपटारे के माध्यम से हिंसा के पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करना महिला सुरक्षा विंग का मुख्य फोकस क्षेत्र रहा है। महिला सुरक्षा विंग में एक समर्पित यौन अपराध मॉड्यूल (एसओ) काम कर रहा है। यह मॉड्यूल राज्य में दर्ज किए गए बलात्कार और विभिन्न प्रकृति के यौन हमलों के सभी मामलों की निगरानी करता है, जो कि डब्लूएसडब्ल्यू में एक एडिशनल एसपी की अध्यक्षता में गठित एक विशेष टास्क फोर्स के माध्यम से होता है। यह टास्क फोर्स सर्वोच्च न्यायालय और गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार स्थापित की गई थी। विशेष टास्क फोर्स का उद्देश्य यौन अपराधों के लिए जांच ट्रैकिंग प्रणाली (आईटीएसएसओ) के माध्यम से आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम, 2018 के तहत अनिवार्य रूप से पोक्सो अधिनियम और बलात्कार के मामलों की समय पर और गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित करना है। रिपोर्ट किए गए कुल मामलों में से, विशेष मामलों की पहचान गंभीरता के आधार पर की जाती है। ये 8 श्रेणियों में आते हैं। जिनमें बार-बार अपराध करने वालों द्वारा यौन अपराध, प्रेस और मीडिया में रिपोर्ट किए गए सनसनीखेज मामले, सार्वजनिक स्थानों पर गंभीर यौन अपराध, सामूहिक बलात्कार के मामले, सार्वजनिक कार्यालयों या संस्थानों में सरकारी कर्मचारियों द्वारा बच्चों पर गंभीर यौन अपराध, दिव्यांगों पर गंभीर यौन अपराध, 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर गंभीर यौन हमला, वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा तय किए गए अन्य महत्वपूर्ण मामले शामिल हैं। सभी विशेष मामलों में, महिला सुरक्षा विंग द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए 29-कॉलम प्रोफ़ॉर्मा में यूनिट अधिकारियों से मामलों का विवरण एकत्र किया जाता है। सभी विशेष मामलों में जांच की निगरानी श्रीमती शिखा गोयल, आईपीएस, एडीजीपी महिला सुरक्षा विंग की देखरेख में एक टीम द्वारा की जाती है। संबंधित एसएचओ द्वारा आरोप पत्र दाखिल करने के बाद, डब्ल्यूएसडब्ल्यू टीम मुकदमे का बारीकी से पालन और निगरानी करती है और गवाहों द्वारा साक्ष्य की उचित रिकॉर्डिंग के लिए संबंधित पीपी के साथ समन्वय करती है। जांच की प्रगति की जांच करने और अभियोजन पक्ष के समर्थन में सबूत पेश करने वाले सभी गवाहों की उपस्थिति की निगरानी करने के लिए आईओ, पीपी, सीडीओ के साथ मासिक ज़ूम मीटिंग आयोजित की जाती है। पिछले कुछ वर्षों में अब तक 49 ऐसे विशेष मामलों में दोषसिद्धि हुई है। इस वर्ष, डब्ल्यूएसडब्ल्यू टीम के मार्गदर्शन के कारण 12 मामलों में बहुत अच्छी सजा हुई। संबंधित अधिकारियों और अभियोजकों को आज महिला सुरक्षा विंग में शिखा गोयल एडीजीपी, डब्ल्यूएसडब्ल्यू द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

काशी कला वस्त्र प्रदर्शनी संपन्न

हैदराबाद, 27 जुलाई(स्वतंत्र वार्ता)। हथकरघा वस्त्र परिधानों को बढावा देने से संबंधित निजी हथकरघा वस्त्र प्रदर्शनी काशी कला 25 से 27 जुलाई के बीच संपन्न हुआ। इस में भारी संख्या में लागों ने भेंट देकर साड़ी, लहंगे, दुपट्टे, कुर्ते और सूट देखें और खरिदारी की।

बनारस की नीलांबरी द्वारा तेलंगाना शिल्प परिषद में यह प्रदर्शनी आयोजित की थी। नीलांबरी दशकों से बुनाई की जामदानी शैली को पुनर्जीवित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है और दुनिया भर में हथकरघा वस्त्र को बढ़ावा दे रही है।

आरएसएस पर प्रतिबंध हटाने के निर्णय का स्वागत : अमरसिंह राजपुरोहीत

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी कर्मयारीयों पर से आरएसएस शाखाओं में जाने पर लगे समय से लगे हुए प्रतिबंध को हटाने का केंद्र सरकार के निर्णय लिया है। सरकार का यह निर्णय स्वागतार्ह है, ऐसी प्रतिक्रिया भाजपा के सीटी कन्वेनर अमरसिंह राजपुरोहीत ने दी।

उन्होंने कहा कि, तथाकथित धर्मनिरपेक्षता का बहाना बनाकर पिछली सरकारों ने 1951 में सरकारी कर्मचारियों पर प्रतिबंध लगाया था। जो 1977 में हटाया गया और फिर 1980 में फिरसे लगाया गया। अब केंद्र की मोदी सरकार ने यह प्रतिबंध हटाया है। आरएसएस एक राष्ट्रवादी संगठन है जो देश की एकता और अखंडता कायम रखने का कार्य करता है।

परिवार नियोजन संघ एक लाख महिलाओं को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के बारे में जागरूक करेगा

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवार नियोजन संघ की अध्यक्ष डॉ. प्रभावती ने आज कहा कि भारत भर में एक लाख युवतियों को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के बारे में जागरूक किया जाएगा। शनिवार को अपने कार्यालय में परिवार नियोजन संघ के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन संघ का गठन 1949 में हुआ था और यह 1951 से हैदराबाद में सेवा दे रहा है। शुरू में हमने परिवार नियोजन पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए, आज हम गर्भनिरोधक, गर्भपात के आसान तरीके, बच्चे की परवरिश, पोषण, यौन स्वास्थ्य, एचआईवी, सिफलिस और अन्य संक्रामक रोगों पर जागरूकता कार्यक्रम चला रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अनावश्यक गर्भधारण को खत्म करने के लिए सुरक्षित और असुरक्षित तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं और उन्हें सुरक्षित गर्भपात के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने खुलासा किया कि भारत में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के बारे में उचित जागरूकता की कमी के कारण हर पांच मिनट में एक महिला की मौत हो जाती है। खासकर महिलाओं में, हम गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के खतरे के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 9 से 15 वर्ष की आयु की लड़कियों को छह साल की अवधि में दो खुराक दी जानी चाहिए और कहा कि निर्धारित खुराक शादी के बाद भी दी जा सकती है, साथ ही लगातार स्क्रीनिंग और पैप स्मीयर टेस्ट भी करवाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जी9 वैक्सीन कोलन और गुदा कैंसर को रोक सकती है। इसके बाद परिवार नियोजन एसोसिएशन के कार्यक्रमों से संबंधित ब्रोशर का अनावरण एसोसिएशन की महाप्रबंधक डॉ. रेणु कपूर, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. जमुना देवी और सदस्य सुहास राव ने किया।

प्रेम विवाह का दुखद अंत महिला ने कर ली आत्महत्या

संगारेड्डी, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शादी के पांच महीने के भीतर ही प्रेम विवाह का दुखद अंत हुआ। महिला ने शुक्रवार को कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। अमीनपुर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत पटेलगुडा में किराए के घर में पति द्वारा उत्पीड़न के कारण उसने यह कदम उठाया।

अमीनपुर पुलिस के अनुसार, गुंटूर के यदलापाडु के मूल निवासी अगदी महेश (25) ने 23 फरवरी को गुंटूर शहर के श्रीनिवासरावपेट की मूल निवासी कोरिवी हर्षिता (22) से विवाह किया। चूंकि वे दोनों एक-दूसरे से प्यार करते थे, इसलिए हर्षिता के पिता ने विवाह संपन्न कराया, जिसके बाद दंपति अमीनपुर चले गए। अपनी शिकायत में हर्षिता के पिता श्रीनिवास राव ने कहा कि महेश अपनी संपत्ति में हिस्सा मांगने के लिए उसे परेशान करता था। उन्होंने कहा कि उन्होंने शादी के समय 3 लाख रुपये का भुगतान किया था और 30,000 रुपये प्रति माह भेजे थे। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न को सहन करने में असमर्थ उनकी बेटी ने आत्महत्या कर ली। अमीनपुर इंस्पेक्टर सदा नागराजू ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

युवक ने मां की हत्या कर, कर ली खुदकुशी

कोत्तागुडेम, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम कस्बे के बुदिदागड्डा इलाके में एक महिला की उसके बेटे ने कथित तौर पर हत्या कर दी, जिसके बाद उसने आत्महत्या कर ली। शुक्रवार रात को हुई यह घटना शनिवार को प्रकाश में आई। बताया जा रहा है कि युवक विनय कुमार पासी (28) ने घर में सो रही अपनी मां तुलजा कुमारी पासी (55) के सिर पर लोहे की रॉड से वार किया। सुबह देर तक जब तुलजा कुमारी घर से बाहर नहीं निकलीं तो उनकी पोती घर पर देखने आई। जैसे ही वह घर में दाखिल हुई, जिसका दरवाजा अंदर से खुला था, उसने शवों को देखा। यह दृश्य देखकर वह घबरा गई और अपने घर वापस भागी और अपने माता-पिता को बताया। स्थानीय लोगों के अनुसार, विनय कुमार एक मूडी व्यक्ति था और पिछले कुछ दिनों से परेशान था। छह महीने पहले वह जिले के पलोंचा में एक बेकरी में काम करता था और अब बेरोजगार है। महिला और उसके बेटे की देखभाल पूर्व पार्षद जी रविशंकर कर रहे थे, जिन्होंने तुलजा कुमारी की बहन से शादी की थी। तुलजा कुमार की बेटी का परिवार भी पास में ही रहता है। सूचना मिलते ही कोत्तागुडेम डीएसपी शेख अब्दुल रहमान और तीन-शहर सीआई शिव प्रसाद मौके पर पहुंचे। तीन-शहर पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

पत्नी की हत्या के जुर्म में पति को उम्रकैद

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एमआर सुनीता ने एक मजदूर को अपनी पत्नी निर्मलम्मा, 32 वर्षीय की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। मुकदमे में 19 गवाहों की गवाही और जांच दल द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य शामिल थे, जिसके परिणामस्वरूप एम. मल्लेश को दोषी ठहराया गया। आजीवन कारावास की सजा के अलावा न्यायाधीश ने मल्लेश पर अपराध के लिए 2000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। यह पता चला कि मल्लेश ने 2 साल पहले रेवल्ली में हुई हत्या से पहले निर्मलम्मा को अतिरिक्त दहेज के लिए परेशान किया था।

आसिफाबाद के किसानों को मुआवजा देने की मांग

आसिफाबाद, 27 जुलाई(स्वतंत्र वार्ता)। बेजूर के पूर्व जेडपीटीसी सदस्य पलवई सुधाकर राव ने सरकार से मांग की है कि बारिश से बर्बाद हुई फसलों को मुआवजा दिया जाए। उन्होंने शनिवार को बेजूर मंडल के तलई, थिक्कापल्ली और भीमाराम गांवों में बाढ़ से प्रभावित 150 परिवारों को सिरपुर (टी) विधायक पी हरीश बाबू की ओर से राशन दिया।

सुधाकर राव ने सरकार से भारी बारिश से हुई फसलों के नुकसान का आकलन करने और प्राणहिता नदी के किनारे स्थित तीन गांवों और बस्तियों के किसानों को मुआवजा देने के लिए सर्वेक्षण करने को कहा। इस अवसर पर बेजूर के पूर्व एमपीपी कोप्पुला शंकर और अन्य लोग मौजूद थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

राहुल द्रविड़ ने गौतम गंभीर को दिया संदेश

बोले- मैंने किया है आपको नोट

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका के बीच 3 टी20 और 3 वनडे क्रिकेट मैच की सीराज आज से शुरू होने जा रही है। टीम इंडिया के नए हेड कोच गौतम गंभीर की यह पहली परीक्षा होगी। गौतम गंभीर के कोचिंग करिअर के आगाज से पहले टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच और टीम इंडिया को अपनी कोचिंग में टी20 का खिताब जिताने वाले राहुल द्रविड़ ने वीडियो मैसेज कर एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

कौन सी जिम्मेदारी सौंपी

बीसीसीआई ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक वीडियो को शेयर किया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि टीम इंडिया के नए हेड कोच गौतम गंभीर अपना लैपटॉप खोलते हैं और टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ के संदेश की शुरुआत हो जाती है। राहुल द्रविड़ इस वीडियो में कहते हैं 'हेल्लो गौतम, आपका हमारी दुनिया की सबसे रोमांचक जॉब में स्वागत है। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच के रूप में मुझे अपना कार्यकाल खत्म किए हुए 3 हफ्ते गुजर चुके हैं।'

इसके बाद राहुल द्रविड़ ने वर्ल्ड कप फाइनल और मुंबई की विक्ट्री परेड को याद करते हुए उसे कभी न भूल पाने वाला लम्हा बताया। द्रविड़ ने आगे कहा कि किसी भी चीज से ज्यादा मैं यादें और दोस्ती को संजो कर रखूंगा जो मैंने अपने समय में टीम के साथ बनाई है। आपने इंडिया के कोच की जिम्मेदारी ली है, मैं आपके लिए भी यही कामना करता हूं।

गौतम गंभीर को याद दिलाया पुराना दिन

राहुल द्रविड़ ने इस वीडियो संदेश में आगे कहा कि 'जब हम एक ही टीम के खिलाड़ी थे तो मैंने आपकी बैटिंग में वह झलक देखी है कि आप अपना सबकुछ झोंक देते थे। मैंने आपकी बैटिंग और फील्डिंग को साथी के तौर पर देखा है कि आप विरोधियों के सामने समर्पण करने के खिलाफ रहते थे। मैंने आपके कई आईपीएल सीजन में ये नोट किया है कि आप जीत के प्रति कितने इच्छुक रहते थे और मैंने युवा खिलाड़ियों की मदद करते भी आपको देखा है। मुझे पूरा भरोसा है कि आप यहां भी टीम के साथ न्याय करेंगे। आपको यहां खिलाड़ियों समेत सभी लोगों का भरपूर साथ मिलेगा।

श्रीलंका में ये क्या हुआ? सीरीज की शुरुआत से पहले गौतम गंभीर सबसे सामने हो गए इमोशनल

टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे का आगाज तीन मैच की टी20 सीरीज के साथ होने वाला है. गौतम गंभीर इसी सीरीज के साथ अपने हेड कोच की पारी शुरू करेंगे. गौतम गंभीर ने राहुल द्रविड़ की जगह ली है. पिछले महीने अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप में भारत के चैंपियन बनने के बाद द्रविड़ का कार्यकाल खत्म हो गया है. अब उन्होंने गौतम गंभीर को खास मैसेज दिया है. उन्होंने गंभीर को उन चुनौतियों से निपटने की सलाह दी है जिनका उन्हें सामना करना पड़ सकता है. इस मैसेज के बाद गंभीर काफी इमोशनल दिखाई दिए जो काफी कम देखा जाता है.

गौतम गंभीर हुए इमोशनल

द्रविड़ के इस वॉइस नोट के बाद गौतम गंभीर काफी इमोशनल दिखाई दिए. उन्होंने कहा, 'ये मैसेज मेरे लिए काफी मायने रखता है. यह मैसेज ऐसे व्यक्ति से आया है, जो जब खेलते थे तो मैं हमेशा उनकी ओर देखता था. मुझे लगता है कि द्रविड़ से सीखने के लिए बहुत कुछ है, सिर्फ मेरे लिए ही नहीं बल्कि अगली पीढ़ी और मौजूदा पीढ़ी के लिए भी. मैं बहुत भावुक नहीं होता, लेकिन मुझे लगता है कि इस संदेश ने मुझे वास्तव में बहुत भावुक कर दिया है.

पेरिस ओलंपिक की ओपनिंग सेरेमनी में बवाल!

इन खिलाड़ियों को परेड में नहीं मिली एंट्री, बोट में चढ़ने से रोका गया

पेरिस, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलिंपिक 2024 का आगाज सीन नदी पर हुए ऐतिहासिक ओपनिंग सेरेमनी के साथ हो गया है. ये पहला मौका था जब ओलंपिक की ओपनिंग सेरेमनी मैदान से बाहर रखी गई. चार घंटे चली सेरेमनी में कई स्टार्स ने हिस्सा लिया. पॉप स्टार लेडी गागा, आया नाकामुका जैसे सुपर स्टार्स परफॉर्म करते हुए नजर आए. वहीं, 6 किलोमीटर लंबी परेड ऑफ नेशंस में 206 देशों के 6500 से ज्यादा एथलीट्स ने 94 बोट पर सवार होकर हिस्सा लिया. इस दौरान कुछ खिलाड़ियों को बोट पर चढ़ने से रोका भी गया.

ओपनिंग सेरेमनी की परेड में नहीं हुई इन खिलाड़ियों एंट्री

परेड में सबसे पहले ग्रीस का दल आया, क्योंकि इसी देश में मॉर्डन ओलिंपिक गेम्स की शुरुआत हुई थी. वहीं, फ्रांस सबसे आखिरी में आया क्योंकि वह मेजबान है. इस दौरान नाइजीरिया का दल काफी सुर्खियों में रहा.रिपोर्ट्स के मुताबिक, नाइजीरिया की महिला बास्केटबॉल टीम को पेरिस ओलंपिक की ओपनिंग सेरेमनी के लिए प्रतिनिधिमंडल की नाव पर चढ़ने नहीं दिया गया.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, नाइजीरिया की महिला बास्केटबॉल टीम को नाइजीरियाई अधिकारी ने नाव पर चढ़ने से रोका. इसके पीछे की वजह भी सामने आई है. दरअसल, बोट पर बहुत ज्यादा खिलाड़ी होने की वजह से नाइजीरिया की महिला बास्केटबॉल टीम और उनके कोच को बोट पर एंट्री नहीं दी गई. इसके बाद टीम को वापस एथलीट विलेज में जाना पड़ा. वहीं, नाइजीरियाई प्रतिनिधिमंडल के बाकी सदस्यों ने नाइजर और नॉर्वे के साथ एक बोट साझा की. हालांकि इस मुद्दे पर नाइजीरियाई प्रतिनिधिमंडल की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है.

काफी खास रही ये ओपनिंग सेरेमनी

1896 में पहले ओलिंपिक से लेकर 2020 तक ओपनिंग सेरेमनी स्टेडियम के अंदर हुई थी. इतिहास में पहली बार सेरेमनी पेरिस के बीचों-बीच बनी फेमस सीन नदी से शुरू हुई, जो काफी ऐतिहासिक रही. इस दौरान नदी के दोनों ओर फैंस बैठे हुए दिखाई दिए. ये ओलिंपिक में इतिहास की सबसे बड़ी ओपनिंग सेरेमनी भी मानी जा रही है, जिसमें 3 से 4 लाख फैंस पहुंचने का अनुमान है. बता दें, पेरिस ओलंपिक में 206 देशों के कुल 10714 एथलीट हिस्सा ले रहे हैं और इस बार 32 खेलों के 329 गोल्ड मेडल दांव पर लगे हैं.

'हाय रे किस्मत' पहले ही मैच में मिली बदनामी

तोड़ा क्रिकेट में 90 साल पुराना शर्मनाक रिकॉर्ड

खेल डेस्क, 27 जुलाई (एजेंसियां)। आयरलैंड और जिम्बाब्वे के बीच खेले जा रहे टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे के विकेटकीपर क्लाइव मदांडे ने 90 साल पुराना एक अनचाहा रिकॉर्ड तोड़कर अपने नाम कर लिया है। क्लाइव मदांडे ने अपने टेस्ट करिअर के पदार्पण मैच में ही ये अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। उन्हें पहली बार आयरलैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में शामिल किया गया था। क्लाइव मदांडे ने इंग्लैंड के खिलाड़ी लेस एम्स के रिकॉर्ड को तोड़ा है। इंग्लैंड के इस खिलाड़ी के नाम ये शर्मनाक रिकॉर्ड 1934 में दर्ज हुआ था।

कौन सा तोड़ा रिकॉर्ड

आयरलैंड के खिलाफ खेले जा रहे मैच में जिम्बाब्वे के विकेटकीपर क्लाइव मदांडे ने एक टेस्ट पारी में 42 बाई रन देकर 90 साल पुराना ये अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। 24 वर्षीय क्लाइव मदांडे के लिए ये मैच बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए वह शून्य के स्कोर पर आउट हो गए। आयरलैंड ने पहली पारी में जिम्बाब्वे के 210 रन के जवाब में 250 रन बनाए थे और 40 रन की लीड हासिल की थी, हालांकि आयरलैंड ने 42 रन बाई के जरिए चुराए थे, ये बाई रन विकेटकीपर क्लाइव मदांडे की साइड से आयरलैंड के बल्लेबाजों ने चुराए थे। इस मैच में गेंदबाजों ने लेग साइड पर गेंदबाजी की, जो गेंद बहुत देर में स्विंग हो रही थी।

90 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

किसी भी टेस्ट मैच में 40 से अधिक बाई रन देने का ये रिकॉर्ड जिम्बाब्वे के विकेटकीपर क्लाइव मदांडे के नाम दर्ज हो गया है। इससे पहले ये शर्मनाक रिकॉर्ड इंग्लैंड के विकेटकीपर लेस एम्स के नाम दर्ज था। लेस एम्स ने 1934 में द ओवल में खेले गए एक टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 327 रनों में से 37 बाई रन दिए थे। हालांकि लेस एम्स की गिनती क्रिकेट के महान विकेटकीपर बल्लेबाजों के रूप में होती है।

कैसा है क्लाइव मदांडे का करिअर

क्लाइव मदांडे ने 2022 में वनडे में पदार्पण किया था। उन्होंने अब तक जिम्बाब्वे के लिए कुल 15 मैच खेले हैं। इसमें 74 की स्ट्राइक से उन्होंने कुल 231 रन बनाए हैं। उनका सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर 74 रन का रहा है। अपने वनडे करिअर में वह अब तक 2 अर्धशतक लगा चुके हैं। वहीं, टी20 क्रिकेट की बात की जाए तो क्लाइव मदांडे ने अब तक कुल 30 इंटरनेशनल मैच खेले हैं, इसमें उन्होंने 104 की स्ट्राइक से कुल 318 रन बनाए हैं। टी20 में उनका सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 44 रन का रहा है।

भारतीय शूटर मनु भाकर फाइनल में

विमेंस 10 मीटर एयर पिस्टल में क्वालिफाई किया, मेडल के लिए कल लगाएंगी निशाना

पेरिस, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय शूटर मनु भाकर पेरिस ओलिंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट के फाइनल में पहुंच गई हैं। वे रविवार 28 जुलाई को दोपहर 3:30 बजे से इस इवेंट के फाइनल में मेडल के लिए निशाना लगाएंगी।

मनु ने क्वालिफिकेशन इवेंट में 600 में से 580 पॉइंट्स हासिल किए और 45 शूटर्स में तीसरे स्थान पर रहीं। इस इवेंट में दूसरी भारतीय शूटर रिद्म सांगवान फाइनल में नहीं पहुंच पाई। सांगवान 573 पॉइंट्स के साथ 15वें नंबर पर रही। टॉप-8 शूटर ने फाइनल के लिए क्वालिफाई किया है। मनु मेडल ला सकती है। इससे पहले, चीन ने पेरिस ओलिंपिक-2024 का पहला गोल्ड जीता। चाइनीज टीम शूटिंग के 10 मीटर राइफल मिक्स्ड इवेंट में चैंपियन बनीं। रिपब्लिक ऑफ कोरिया दूसरे और कजाकिस्तान तीसरे स्थान पर रहा। कजाक टीम ने इन गेम्स का पहला मेडल अपने नाम किया।

इसी इवेंट में भारतीय जोड़ियां छठे और 12वें नंबर पर रहीं। भारत की टीम-2 रमिता (314.5) और अर्जुन (314.2) कुल 628.7 पॉइंट्स के साथ छठे स्थान पर रहे, जबकि टीम-1 में एलावेनिल (312.6) और संदीप (313.7) की जोड़ी कुल 626.3 अंकों के साथ 12वें नंबर पर रही।

10 मीटर एयर पिस्टल मेंस इवेंट में भारतीय निशानेबाज सरबजोत सिंह और अर्जुन सिंह चीमा फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सके। सरबजोत 9वें और अर्जुन 18वें स्थान पर रहे।

10 मीटर एयर राइफल मिश्रित क्वालिफाइंग राउंड से बाहर हुए भारतीय निशानेबाज

पेरिस, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय निशानेबाज पेरिस 2024 ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में मिश्रित टीम के फाइनल में पहुंचने में असफल रहे। रमिता और अर्जुन की जोड़ी ने 628.7 अंक हासिल किए। इलावेनिल वलारिवन-संदीप सिंह की जोड़ी ने 626.3 अंक हासिल किए। चीन, कोरिया, जर्मनी और कजाकिस्तान ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम के पदक मैच में जगह बनाई। भारत 1 12वें और भारत 2 छठे स्थान पर रहा।

रमिता जिंदल और अर्जुन बाबूता ने पहले सेट में कुल 208.7 अंक बनाए हैं लेकिन उन्हें बाकी खिलाड़ियों से आगे निकलने के लिए और बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हालांकि वे पहले सेट के अंत में शीर्ष चार में पहुंचने के करीब हैं। इस बीच एलावेनिल वलारिवन और संदीप सिंह 207 अंकों के साथ 16वें स्थान पर हैं। भारत के बलराज पंवार ने रोइंग स्पर्धा में चौथा स्थान प्राप्त किया और वे रेपेचेज में पहुंच गए। पुरुष एकल स्कल्स क्वालिफिकेशन के लिए रेपेचेज जाएंगे। बलराज ने 7:07.11 मिनट का समय निकाला, जो मिस्र के अब्देलखलेक एल्बाना के 7:05.06 मिनट से कम है, जिन्होंने पहले हीट से क्वार्टर फाइनल के लिए अंतिम स्थान प्राप्त किया।

ऑस्ट्रेलियाई हॉकी टीम के सदस्य डॉसन ने दिया बड़ा बलिदान

ओलंपिक में खेलने के लिए किया ये काम

पेरिस, 27 जुलाई (एजेंसियां)। डॉसन टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता टीम का हिस्सा थे। ऑस्ट्रेलिया को टोक्यो में फाइनल में बेल्जियम से पेनाल्टी शूटआउट में हार मिली थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक में अर्जेंटीना के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

पेरिस ओलंपिक का आगाज होने जा रहा है। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया पुरुष हॉकी टीम के सदस्य मैट डॉसन ने इन खेलों में हिस्सा लेने के लिए बड़ा त्याग किया है। डॉसन ने पेरिस खेलों में खेलने के लिए अपनी अंगुली का एक हिस्सा बलिदान कर दिया है। डॉसन टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता टीम का हिस्सा थे। ऑस्ट्रेलिया को टोक्यो में फाइनल में बेल्जियम से पेनाल्टी शूटआउट में हार मिली थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक में अर्जेंटीना के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

डॉसन ने हाल ही में अपने दाहिने हाथ की अंगुली का बलिदान दिया था जिससे उनका ओलंपिक में खेलना खतरे में पड़ गया था। अपने तीसरे ओलंपिक में भाग लेने के लिए डॉसन ने डॉक्टरों से परामर्श करने के बाद अंगुली का ऊपरी हिस्सा कटवाने का फैसला किया। दरअसल, डॉसन के पास दो ही विकल्प थे। या तो वह अपनी अंगुली में प्लास्टर करवाते या फिर इसे ठीक करने के लिए उन्हें सर्जरी करानी थी। डॉसन ने सर्जरी कराने का फैसला किया और अंगुली को ऊपरी हिस्सा को कटवाया। डॉसन ने स्थानीय मीडिया को बताया, मैंने प्लास्टिक सर्जन के साथ मिलकर सिर्फ पेरिस ओलंपिक में खेलने के लिए ही नहीं, बल्कि भविष्य को लेकर भी चर्चा की थी।

रिंग ऑफ फ्लेम्स के साथ हुआ पेरिस ओलंपिक का आगाज

सिंधू-कमल ने की भारतीय दल की अगुवाई

पेरिस, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सीन नदी पर नावों में परेड करते खिलाड़ियों की मनोहारी छवियों के बीच परंपरा से हटकर हुए 33वें ओलंपिक खेलों के रंगारंग उद्घाटन समारोह में फ्रांस ने अपनी सांस्कृतिक विविधता, क्रांति के इतिहास, वास्तुकला की शानदार विरासत की बानगी दुनिया के सामने पेश की। आम तौर पर स्टेडियम में होने वाली देशों की परेड की परंपरा से अलग यहां छह किलोमीटर की परेड आस्टरलिज ब्रिज से शुरू हुई जिसमें 85 नावों में 205 देशों के 6800 से अधिक खिलाड़ी सवार थे और एक शरणार्थी ओलंपिक टीम भी थी।

भारी संख्या में खिलाड़ियों ने कल स्पर्धायें होने के कारण उद्घाटन समारोह में भाग नहीं लिया। राष्ट्रपति एमैन्युअल मैकरोन ने खेलों की शुरूआत की घोषणा की जिससे अगले 16 दिन तक चलने वाले इस महाकुंभ की औपचारिक शुरूआत भी हो गई।

भारतीय दल की अगुवाई दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और टेबल टेनिस दिग्गज अचंत शरत कमल ने की। भारतीय दल 84वें नंबर पर आया। महिला खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंगों से बनी साड़ी और पुरूषों ने कुर्ता पायजामा पहना था। भारत के 78 खिलाड़ियों और अधिकारियों ने इसमें भाग लिया। अमेरिकी पॉपस्टार लेडी गागा ने अपने सुरों से समा बांधा।

एक गेंद पर 2 विकेट क्रिकेट में क्या ऐसा संभव है?

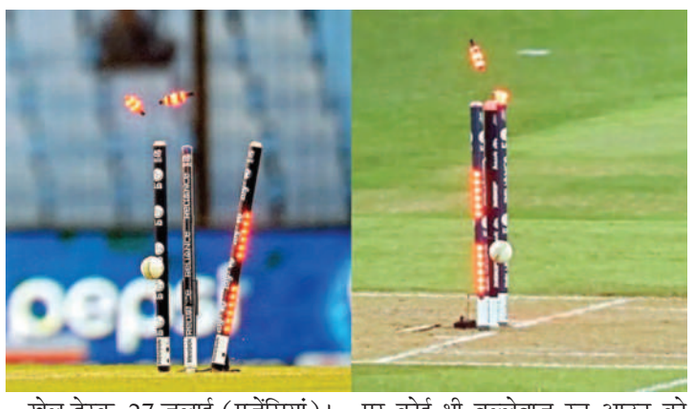

खेल डेस्क, 27 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिकेट आज दुनिया के सबसे फेमस स्पोर्ट्स में से एक हैं। कई देशों में नेशनल स्पोर्ट्स भी हैं। एशिया और अफ्रीका देशों में करोड़ों लोग इसे देखते हैं। क्रिकेट देखने में जितना आसान लगता है, उतना आसान नहीं हैं।क्रिकेट की रूल बुक में कई ऐसे नियम हैं, जिनके बारे में आप को नहीं पता होगा। एक ऐसा ही सवाल कई बार फैंस के मन में आता है कि क्या एक ही गेंद पर दो विकेट हो सकते हैं। तो आइये हम आप को इस बात का जवाब देते हैं।

क्या एक ही गेंद पर दो विकेट संभव है?

वैसे तो एक गेंद पर दो बल्लेबाज़ों को आउट करना संभव नहीं हैं। लेकिन तकनीकी तौर पर आप ऐसा कर सकते हैं। इसके लिए अलग-अलग नियम बनते हैं। तो आइये जानते हैं वो तीन तरीके जिससे एक ही बॉल पर दो बल्लेबाज आउट हो सकते हैं।

अगर कोई बल्लेबाज नो बॉल पर रन आउट हो जाता है तो अगली गेंद नियम के अनुसार, फ्री हिट होगी। इस दौरान अगर वो बल्लेबाज रन आउट हो जाता है तो ये यह संभव हैं। बता दें कि फ्री हिट पर कोई भी बल्लेबाज रन आउट को छोड़ कर और तरीके से आउट नहीं हो सकता है।

अगर कोई बल्लेबाज एक गेंद पर आउट हो जाता है और दूसरा बल्लेबाज वाइड बॉल पर स्टंप हो जाता है तो भी यह संभव है।

अगर कोई बल्लेबाज एक गेंद पर आउट हो जाता है और दूसरा बल्लेबाज समय पर क्रीज पर नहीं आ पता है तो अंपायर उसे भी टाइम आउट दे सकते हैं। कई मौके पर ऐसे बल्लेबाज आउट भी हुए हैं।

आईसीसी के नियम के अनुसार, अगर कोई बल्लेबाज आउट होता है तो नए बल्लेबाज को अगले दो मिनट के अंदर क्रीज पर पहुंचना होता है। अगर वो ऐसा करने में नाकाम होता है तो उसे आउट करार दिया जाता है।

विश्व कप 2023 के दौरान श्रीलंका और बांग्लादेश के मैच के दौरान कुछ ऐसा हुआ भी था। दरअसल, विकेट गिरने के बाद एंजेलो मैथ्यूज 1 मिनट 20 सेकेंड के अंदर क्रीज पर पहुंचकर स्टांस ले रहे थे। तभी उनके हेलमेट की स्ट्रिप टूट गई थी।

विधानसभा में सत्ता पक्ष-बीआरएस के बीच वाकयुद्ध

विपक्ष ने बजट को बताया हकीकत से दूर

सदन को गुमराह कर रहा बीआरएस : सरकार

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को राज्य विधानसभा में बजट पर बहस शुरू होते ही सत्ता पक्ष और मुख्य विपक्षी दल बीआरएस के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया।

विपक्ष ने बजट को अवास्तविक बताते हुए इसकी आलोचना की, वहीं सत्ता पक्ष ने कहा कि बीआरएस झूठे दावों और आंकड़ों के साथ सदन को गुमराह कर रहा है, जिसके कारण सदन में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है।

विधानसभा में राज्य की वित्तीय स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और बीआरएस के वरिष्ठ सदस्य टी हरीश राव के बीच तीखी बहस हुई। मुख्यमंत्री ने राज्य की मौजूदा वित्तीय स्थिति के लिए पिछली बीआरएस सरकार को जिम्मेदार ठहराया, जबकि हरीश राव ने दावा किया कि पिछली सरकार ने राज्य का हर क्षेत्र में विकास किया है और कांग्रेस झूठे दावों के जरिए उसे बदनाम करने की कोशिश कर रही है।

हरीश राव के भाषण को मुख्यमंत्री, मंत्रियों और अन्य कांग्रेस सदस्यों ने कई बार बाधित किया। एक समय तो हरीश राव अपना आपा खो बैठे और सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी को 'आधा ज्ञान' वाला व्यक्ति तक कह दिया। इस टिप्पणी से सदन में हंगामा मच गया और सत्ताधारी पार्टी के सदस्यों ने स्पीकर से इस टिप्पणी को विधानसभा के रिकॉर्ड से हटाने का आग्रह किया।

कांग्रेस सदस्यों ने हरीश राव द्वारा मुख्यमंत्री के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणी करने पर कड़ी आपत्ति जताई और हंगामा किया। हरीश राव का माइक बंद होने पर बीआरएस सदस्य आसन पर चढ़ गए और अध्यक्ष से अपने सदस्य को बोलने की अनुमति देने का आग्रह किया। बीआरएस ने सदन में कांग्रेस के घोषणापत्र की तख्तियां दिखाईं, जिन्हें अध्यक्ष ने अनुमति नहीं दी और मार्शलों ने उन्हें वापस ले लिया।

हैदराबाद मेट्रो रेल विस्तार की अनदेखी

केटीआर ने की भाजपा की आलोचना

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर तेलंगाना की बुनियादी ढांचे की जरूरतों की अनदेखी करने का आरोप लगाया, जबकि राज्य से आठ भाजपा सांसद चुने गए हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने नवीनतम बजट में भी हैदराबाद मेट्रो रेल के विस्तार के लिए कोई धनराशि आवंटित नहीं की है। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण समय के दौरान तेलंगाना द्वारा भाजपा को दिए गए महत्वपूर्ण समर्थन के बावजूद, भाजपा सरकार हैदराबाद मेट्रो रेल विस्तार के लिए एक पैसा भी मंजूर करने में विफल रही है। केंद्र सरकार को दिए गए कई ज्ञापनों को नजरअंदाज कर दिया गया।

रामा राव ने एक बयान में पिछले एक दशक में भाजपा सरकार के वित्त पोषण पैटर्न को रेखांकित किया, जिसमें असमानता पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि केंद्र ने पिछले 10 वर्षों में देश में 20 मेट्रो रेल परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है, जिसमें उत्तर प्रदेश (चार परियोजनाएं) को 5,134.99 करोड़ रुपये, महाराष्ट्र (तीन परियोजनाएं) को 4,109 करोड़ रुपये, गुजरात (तीन परियोजनाएं) को 3,777.85 करोड़ रुपये, दिल्ली (दो परियोजनाएं) को 3,520.52 करोड़ रुपये और कर्नाटक को 1880.14 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसी प्रकार, मध्य प्रदेश (2 परियोजनाएं) को 1,638.02 करोड़ रुपये, बिहार को 1,400.75 करोड़ रुपये, तमिलनाडु को 713 करोड़ रुपये, केरल (2 परियोजनाएं) को 146.74 करोड़ रुपये तथा रैपिड रेल परियोजना (दिल्ली-गाजियाबाद) को 1,106.65 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। रामा राव ने कहा कि दुर्भाग्य से, हैदराबाद मेट्रो को कुछ भी नहीं मिला है। उन्होंने आवंटन को 'अन्यायपूर्ण और अनुचित' बताया।

केएलआईएस स्वतंत्र भारत की सबसे बड़ी भूल : उत्तम कुमार

तेलंगाना के लोगों से माफी मांगें केसीआर, केटीआर

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) को स्वतंत्र भारत के इतिहास में की गई सबसे बड़ी भूल बताते हुए सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव (केसीआर) और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) से तेलंगाना के लोगों से माफी मांगने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने डॉ. बीआर अंबेडकर प्राणहिता-चेवेल्ला सुजला श्रावंती परियोजना को मेडिगड्डा में बनाकर कालेश्वरम परियोजना में बदल दिया है, केवल इसकी लागत बढ़ाकर कमीशन वसूलने के लालच में, 93,000 एकड़ अयाकट की सिंचाई के लिए इस परियोजना पर 94,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

शुक्रवार को जब केटीआर के नेतृत्व में बीआरएस विधायक और एमएलसी कालेश्वरम परियोजना का दौरा करने गए, तो उत्तम कुमार रेड्डी ने एक प्रस्तुति दी कि किस तरह पिछली सरकार

ने कालेश्वरम परियोजना पर लोगों को धोखा दिया। बीआरएस प्रतिनिधिमंडल के दौरे को 'पिकनिक' करार देते हुए उन्होंने मेडिगड्डा बैराज में पानी जमा करने और कन्नेपल्ली पंप हाउस से पानी उठाने की मांग के लिए उनकी कड़ी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि अगर मेडिगड्डा बैराज के पास पानी जमा किया जाता है, तो इससे भद्राचलम, एतुरूनगरम और नीचे की ओर के बैराज गंभीर खतरे में पड़ जाएंगे। उनकी मांग उनकी दुष्ट राजनीति को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि वे ऐसा दिखावा कर रहे हैं जैसे कि कांग्रेस सरकार इस परियोजना की विफलता के लिए जिम्मेदार है, लेकिन जब परियोजना का निर्माण किया गया था, तब केसीआर ही सिंचाई और मुख्यमंत्री थे और जब मेडिगड्डा बैराज के खंभे रेत में छह फीट गहरे धंस गए थे, तब भी वे इसी पद पर थे।

यह कुछ और नहीं बल्कि बीआरएस का एक और गोएबल्स प्रचार है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए, जिसमें कहा गया है कि अब इस परियोजना को पूरा करने में 1,47,000 करोड़ रुपये लगेंगे।

उन्होंने कहा कि जब इस परियोजना को मूल रूप से 38,500 करोड़ रुपये में डिजाइन किया गया था, तब उत्पन्न लागत में ज्यादा अंतर नहीं था, जिसे बाद में पुनः डिजाइन किया गया और बढ़ाकर 80,000 करोड़ रुपये कर दिया गया।

धोखाधड़ी में खोए 9.3 लाख रुपये मिले वापस

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराध पुलिस ने एक ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार व्यक्ति के बैंक खाते से 9,30,000 रुपये ब्लॉक कर वापस ले लिए हैं। पुलिस के अनुसार, सोमाजीगुडा निवासी 39 वर्षीय व्यक्ति से एक जालसाज ने फोन कॉल और स्काइप के जरिए मुंबई अपराध शाखा का अधिकारी बनकर संपर्क किया। आरोपी ने आरोप लगाया कि पीड़ित के नाम से मुंबई से ताइवान के लिए बुक किए गए फेडएक्स कूरियर में फर्जी पासपोर्ट और ड्रग्स थे। उसने पीड़ित को अकाउंट वेरिफिकेशन के नाम पर पैसे देने की धमकी दी और उससे 10,70,000 रुपये की रकम ऐंठने में कामयाब रहा।

पीड़ित द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद, साइबर अपराध पुलिस अधिकारियों ने जांच शुरू की और 9,30,000 रुपये की लेनदेन राशि को रोक दिया और बाद में पीड़ित के खाते में इसे वापस कर दिया। हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने जनता से अपने धन और डेटा की सुरक्षा के लिए तेजी से और बुद्धिमानी से सोचने का आग्रह किया। पुलिस ने अपने बयान में कहा कि अगर कोई कॉल संदेह पैदा करती है, तो लोगों को बिना किसी डर के तुरंत कॉल खत्म कर देना चाहिए और आगे की बातचीत किए बिना नजदीकी पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करना चाहिए।

सड़क विकास निगम की कार्यप्रणाली की हो जांच

एफजीजी ने की मांग, जताई चिंता

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। फोरम फॉर गुड गवर्नेंस (एफजीजी) ने हैदराबाद रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचआरडीसीएल) के कार्य पैटर्न पर चिंता जताई है। आरोप लगाया कि 1,500 करोड़ रुपये के सड़क निर्माण कार्यों की निविदा प्रक्रिया में विशिष्ट ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए हेरफेर किया गया है। एफजीजी ने खर्च के संबंध में पारदर्शिता की कमी की भी आलोचना की है तथा एचआरडीसीएल के संबंध में राज्य सरकार से जांच कराने की मांग की है।

फोरम के अनुसार, तीसरे चरण में सड़क निर्माण की निविदाओं की संरचना, 49 कार्यों को दो बड़े पैकेजों में समूहित करके, कुछ ठेकेदारों को लाभ पहुंचाती प्रतीत होती है।

एफजीजी के अधिकारियों ने बताया कि एचआरडीसीएल द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण ऋणों को ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) या राज्य के बजट में नहीं दर्शाया गया है। तीसरे चरण के सड़क निर्माण के लिए मौजूदा 1,500 करोड़ रुपये का ऋण भी बजट दस्तावेजों में नहीं है, जिससे संभावित भ्रष्टाचार की चिंता बढ़ गई है।

सरकार ने हैदराबाद में सड़क निर्माण के प्रबंधन के लिए एचआरडीसीएल को एक विशेष प्रयोजन वाहन के रूप में स्थापित किया था, जबकि परियोजना के दो चरण 2023 तक पूरे हो गए थे, कई काम अभी भी अधूरे हैं, इन मुद्दों को संबोधित करने पर सीमित ध्यान दिया गया है। वित्तीय और प्रबंधकीय निरीक्षण के बारे में चल रही चिंताओं के बीच, तीसरा चरण अगस्त में शुरू होने वाला है।

बंडी संजय ने की विधानसभा के प्रस्ताव की आलोचना

बोले- ध्यान भटकाने के लिए चाल चल रही कांग्रेस सरकार

करीमनगर, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने केंद्र के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव पारित करने के लिए राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने पूछा कि राज्य सरकार यह प्रस्ताव कैसे पारित कर सकती है कि केंद्र सरकार ने एक भी रुपया नहीं दिया है, जबकि राज्य के बजट में प्रस्ताव किया गया है कि 1.9 लाख करोड़ रुपये की धनराशि केंद्र द्वारा समायोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस द्वारा अपनी छह गारंटियों को लागू करने में विफलता से जनता का ध्यान हटाने की एक चाल है।

उन्होंने कहा कि राज्य में जीएसटी कर के तहत एकत्र की गई राशि का 74 प्रतिशत तेलंगाना को वापस कर दिया गया है। केंद्र ने हस्तांतरण निधि को 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया है। पिछले 5 वर्षों में राज्य को 6,177 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया है। कांग्रेस सरकार दलालों को कमीशन देकर मर्चेंट बैंकों से ऊंची ब्याज दर पर हजारों करोड़ रुपये उधार लेने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह तेलंगाना के लोगों के लिए बहुत बड़ा बोझ होगा और वे इस विषय पर विधानसभा में बहस करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के कुछ मंत्री और नेता केंद्र सरकार के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण टिप्पणियां कर रहे हैं, जो हास्यास्पद है।

करोड़ों की ठगी करने के आरोप में दंपत्ति गिरफ्तार

स्टैनफोर्ड में दाखिले का किया था वादा

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, जिन पर अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश दिलाने के नाम पर एक व्यक्ति से 3.25 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। साइबराबाद के पुलिस उपायुक्त (ईओडब्ल्यू) के प्रसाद ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों की पहचान पलादुगु रघुराम और उसकी पत्नी सुनीता के रूप में हुई है। दोनों मधापुर के रहने वाले हैं। शिकायतकर्ता मधापुर का ही रहने वाला है। उन्होंने बताया कि इससे पहले रघुराम के खिलाफ कुकटपल्ली पुलिस थाने में आईपीसी की धारा 420, 465, 467 और 468 के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था।

डीसीपी ने कहा कि रघुराम और सुनीता ने संजीव कुमार के बेटे को अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में स्नातक में दाखिला दिलाने के नाम पर शिकायतकर्ता के साथ धोखाधड़ी की है।

रघुराम और सुनीता ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से फर्जी प्रवेश दस्तावेज तैयार किए और प्रवेश के लिए उनसे 3.25 करोड़ रुपये वसूल लिए। अपनी योजना के तहत आरोपियों ने एक व्यक्ति का आविष्कार किया और उसका नाम सुमंत रखा। उन्होंने संजीव कुमार को यह विश्वास दिलाया कि 'सुमंत' अमेरिका के व्हाइट हाउस में काम कर रहा है, जो उन्हें स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में दाखिला दिलाने में मदद करेगा। इसके लिए रघुराम ने एक और सिम का इस्तेमाल किया और वॉट्सऐप चैट बनाई जैसे कि वह सुमंत से एडमिशन के लिए बातचीत कर रहा हो।

उन्होंने संजीव कुमार को यह भी विश्वास दिलाया कि रघुराम ने अमेरिका का दौरा किया था और एडमिशन के लिए सुमंत से मुलाकात की थी, जबकि वास्तविकता यह थी कि रघुराम और उनकी पत्नी अमेरिका के बजाय मैसूर गए थे। प्रसाद ने लोगों को धोखेबाजों और धोखेबाजों से सावधान रहने की सलाह दी और कहा कि वे बिना किसी जानकारी के किसी भी विश्वविद्यालय या कॉलेज में प्रवेश पाने के लिए किसी पर विश्वास न करें और न ही उनसे संपर्क करें।

सॉफ्टवेयर कर्मचारी ने दुर्गम चेरुवु में कूदकर दी जान

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी ने दुर्गम चेरुवु में कूदकर आत्महत्या कर ली। मुशीराबाद निवासी बालाजी (25) माधापुर में एक सॉफ्टवेयर फर्म में काम करता था। रिपोर्ट के अनुसार, बालाजी 24 जुलाई को हमेशा की तरह ऑफिस गए थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। उनके चिंतित परिवार के सदस्यों ने जब उन्हें पता चला कि वे लापता हैं, तो उन्होंने अगले दिन रायदुर्गम पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज किया और पाया कि बालाजी का मोबाइल फोन बंद था। उसके दोस्तों को भी कोई जानकारी नहीं थी। जब पुलिस ने बालाजी की कंपनी में पूछताछ की तो पता चला कि वह 24 जुलाई की रात 8:30 बजे बाहर गया था। इसके बाद सीसीटीवी कैमरे में पुलिस को पता चला कि वह दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज की ओर गया था। शुक्रवार शाम को उसका शव झील से बरामद किया गया। पुलिस ने पहचान पत्र के आधार पर उसकी पहचान की। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि प्रेम प्रसंग के चलते आत्महत्या की गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया अस्पताल भेज दिया गया।

फंदे से लटका मिला सुरक्षा गार्ड

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को आदिबटला में एक सुरक्षा गार्ड को उसके कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटका हुआ पाया गया। पुलिस ने बताया कि उसकी मौत आत्महत्या से हुई है। आदिबटला में एक सॉफ्टवेयर फर्म में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करने वाले रविंदर कुमार शर्मा (22) पास के एक कमरे में रह रहे थे। पुलिस ने बताया कि उसने अपने कमरे में खिड़की की ग्रिल से फांसी लगा ली। उसके रिश्तेदारों की शिकायत के आधार पर आदिबटला पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दमरे महाप्रबंधक ने गदवाल-महबूबनगर खंड का निरीक्षण किया

निरीक्षण के दौरान उनके साथ हैदराबाद डीआरएम लोकेश विश्नोई भी रहे

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन शनिवार को हैदराबाद डिवीजन के गदवाल-महबूबनगर खंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ हैदराबाद डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक लोकेश विश्नोई और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। महाप्रबंधक ने गदवाल रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं और सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया और एटीवीएम (ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन) विक्रेताओं से भी बातचीत की। महाप्रबंधक ने स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को इसी गति से काम जारी रखने की सलाह दी। उन्होंने ट्रेड यूनियनों के सदस्यों और स्थानीय जनता से विभिन्न कार्यों

के बारे में ज्ञापन भी प्राप्त किए। बाद में, महाप्रबंधक ने महबूबनगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन पर यात्री सुख-सुविधाओं और सुविधाओं की समीक्षा की।

उन्होंने स्टेशन मास्टर के कार्यालय और सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने महबूबनगर में चल रहे स्टेशन विकास कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कार्यों की प्रगति की सराहना की और अधिकारियों को निर्धारित समय के भीतर कार्यों को पूरा करने के लिए गति जारी रखने की सलाह दी। इसके अलावा, अरुण कुमार जैन ने महबूबनगर में माल साइडिंग का निरीक्षण किया और माल लदान सुविधाओं की समीक्षा की।

बोनालू उत्सव के मद्देनजर सुरक्षा कड़ी करने के निर्देश

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा आयुक्त सुधीर बाबू ने पुलिस अधिकारियों को बोनालू त्योहार के अवसर पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए जनता के सहयोग से अपने कर्तव्यों का पालन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में अधिकारियों को अधिक सतर्क रहने और कुशल कर्मियों को तैनात करने की सलाह दी है। भक्तों को सामूहिक उत्सव जैसे कार्यक्रमों की व्यवस्था के दौरान सावधान रहने की सलाह दी है जिसमें बड़ी संख्या में भक्त भाग लेते हैं। अधिकारियों को सभी प्रमुख मंदिर परिसरों में वाहन नंबर प्लेटों और दस्तावेजों की जांच करने का निर्देश दिया गया है। आवश्यक स्थानों पर बम निरीक्षण टीमों द्वारा प्रारंभिक निरीक्षण करने की सलाह दी जाती है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि गड़बड़ी फैलाने वाले पुराने अपराधियों पर नजर रखें और वे कोई अपराध न करें, इसके लिए कार्रवाई करें।

सरकार पुजारी मुत्तैया व संपत के परिवार के साथ : मंत्री

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदया मंत्री कोंडा सुरेखा ने संपत की मृत्यु पर दुख व्यक्त किया, जो मेडारम में देवी सरलम्मा के मुख्य पुजारी नहीं थे। मंत्री ने कहा कि यह ज्ञात है कि संपत सम्माका सरक्का जतारा में सरलाम्मा की मां के पूजा कार्यक्रमों को बड़ी भक्ति के साथ आयोजित करते थे और अम्मावरों के प्रति उनकी भक्ति महान है। मंत्री ने खेद व्यक्त किया कि सम्मक्का और सरलम्मा पुजारी मुत्तैया और संपत एक के बाद एक दुनिया छोड़कर चले गए। मंत्री ने उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मंत्री कोंडा सुरेखा ने स्पष्ट किया कि सरकार उनके परिवारों को पर्याप्त सहयोग देगी।

टीटीडी के नए अतिरिक्त ईओ चौधरी ने संभाला कार्यभार

परिवार के साथ की गर्भगृह में पूजा-अर्चना

तिरुमाला, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी के नए अतिरिक्त ईओ वेंकैया चौधरी ने शनिवार को अपना कार्यभार ग्रहण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भगवान वेंकटेश्वर के आशीर्वाद से, मुझे तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के अतिरिक्त ईओ के रूप में कार्यभार संभालने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने अपने परिवार के साथ श्री वेंकटेश्वर स्वामी के गर्भगृह में पूजा-अर्चना की। बाद में रंगनायकुला मंडपम में वेद परायणमदारों द्वारा उन्हें वेदसर्वचनम प्रदान किया गया। टीटीडी जेई वीरब्रह्मम ने अतिरिक्त ईओ को तीर्थ प्रसादम, स्वामीवारी लेमिनेटेड फोटो, अगरबत्ती और गो उत्पाद पेश किए। अतिरिक्त ईओ ने टीटीडी के अतिरिक्त ईओ के रूप में सेवा करने का अवसर देने के लिए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्र बाबू नायुडू को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि फीडबैक तंत्र तीर्थयात्रियों की सुविधाओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मैंने श्रीवरु से प्रार्थना की कि वे विश्व प्रसिद्ध मंदिर की परंपरा की रक्षा करने और भक्तों की पूरी निष्ठा से सेवा करने के लिए पर्याप्त शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर एसवीबीसी के सीईओ षणमुख कुमार, सीई नागेश्वर राव, एसई2 जगदीश्वर रेड्डी, मंदिर उपईओ लोकनाथम, स्वागत उपईओ हरिन्द्रनाथ, बोर्ड सेल उपईओ श्रीमती प्रशांति, सीपीआरओ डॉ.टी रवि और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हिरण के बच्चे को वन अधिकारियों ने बचाया

मंचेरियल, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को जन्नाराम मंडल के थापलापुर गांव के निकट कदम नारायण रेड्डी परियोजना की नहर में एक हिरण का बच्चा दुर्घटनावश गिर गया, जिसे वन अधिकारियों ने बचा लिया। अधिकारियों ने बताया कि नहर में फिसलकर गिरे हिरण के बच्चे को स्थानीय लोगों से घटना की जानकारी मिलने के बाद बचा लिया गया। उन्होंने बताया कि जानवर स्वस्थ है और बाद में उसे जंगल में छोड़ दिया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.